दैनिक

जयपुर टाइम्स

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

नई सोच नई रफ्तार

jaipurtimes.org
twitter.com/JaipurTimes2
dainikjaipurtimes
youtube.com/c/JaipurTimes
instagram.com/jaipurtimesjt

वर्ष : 10 अंक : 4 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, गुरुवार 23 जनवरी, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों के संबंध में बैठक

सजगता और सतर्कता से आयोजित हों भर्ती परीक्षाएं, संदिग्ध गतिविधियों पर रखे विशेष नजर: भजनलाल

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को राजस्थान लोक सेवा आयोग के तत्वावधान में आगामी 2 फरवरी को आयोजित होने वाली राजस्थान राज्य व अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी प्रारंभिक परीक्षा व राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की फरवरी माह में आयोजित होने वाली विभिन्न परीक्षाओं की तैयारियों के संबंध में मुख्यमंत्री निवास पर विस्तृत समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रतियोगी परीक्षाओं को पारदर्शिता के साथ संपादित करने के लिए प्रतिबद्ध है और परीक्षाओं का आयोजन पूर्ण सजगता व सतर्कता के साथ किया जाएगा।

सुगम आवागमन के लिए बसों की समय-सारणी हो जारी

मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग को परीक्षार्थियों के सुगम आवागमन के लिए पर्याप्त संख्या में यातायात साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से परीक्षा से दो दिन पूर्व व पश्चात निःशुल्क आवागमन की सुविधा दी जा रही है। परीक्षार्थियों को सुलभ यातायात के लिए परिवहन विभाग बसों की समय सारणी भी जारी करे। शर्मा ने कहा कि परीक्षा प्रबंधन में लगे कार्मिकों का समयबद्ध प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए।

साथ ही, उन्होंने परीक्षा केन्द्रों में आवश्यक बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता के लिए भी निर्देशित किया। शर्मा ने कहा कि कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से फरवरी माह में आयोजित होने वाली भर्ती परीक्षाओं व राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से 27-28 फरवरी को आयोजित होने वाली राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा के संबंध में विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

प्रश्न-पत्रों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान राज्य व अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी प्रारंभिक परीक्षा के लिए प्रश्न-पत्र संग्रहण और वितरण पर विशेष सतर्कता बरती जाए। जिला प्रशासन, पुलिस व आरपीएससी परस्पर समन्वय कर बेहतर पर्यवेक्षण और निगरानी के साथ परीक्षा संपादित करें। उन्होंने कहा कि प्रश्न-पत्रों की गोपनीयता व सुरक्षा सर्वोच्च होनी चाहिए। उन्होंने परीक्षाओं में अनुचित साधनों का उपयोग ना हो इसके लिए प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

फरियाद के निस्तारण में ना बरतें कोताही

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला कलेक्टर और एसपी फरियादी की फरियाद संवदेनशीलता के साथ सुनें व उनका त्वरित निस्तारण करें। जनता की समस्या के निदान में लापरवाही और देरी करने पर जिम्मेदारी तय की जाएगी और सख्त कार्यवाही भी की जाएगी। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं पर रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने के लिये भी निर्देशित किया। साथ ही, उन्होंने जिला कलक्टर्स को महत्वपूर्ण ककार्यों की नियमित समीक्षा करने के लिए भी निर्देशित किया।

परीक्षा केन्द्रों पर हों सुरक्षा के विशेष इंतजाम

शर्मा ने संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त रहे और डिबार किये गए परीक्षार्थियों पर निगरानी करने लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों के निकट क्षेत्रों का सघन निरीक्षण भी किया जाए। स्थानीय पुलिस थाना विशेष सतर्कता के साथ कार्य करें। बैठक में आरपीएससी सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि डमी अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होने से रोकने के लिए आवेदन पत्र और अटेंडेस शीट पर थंब इम्प्रेशन लेने का नवाचार भी किया गया है।

एग्री स्टैक के लिए 5 फरवरी से शुरू होंगे शिविर

मुख्यमंत्री ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के अंतर्गत हुए एमओयू की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शर्मा ने एग्रीस्टैक योजना व फार्मर रजिस्ट्री रोल-आउट पर अधिकारियों को मिशन मोड़ पर कार्य करने के लिए निर्देशित किया। बैठक में अवगत कराया गया कि आगामी 5 फरवरी से चरणबद्ध रूप से ग्राम पंचायत स्तर पर फार्मर रजिस्ट्री के लिए कैम्प लगाए जाएंगे। बैठक में प्रत्येक जिले में एक उपज, एक वानस्पतिक प्रजाति, एक उत्पाद, एक पर्यटन स्थल व एक खेल पर आधारित पंच-गौरव कार्यक्रम के संबंध में गाइडलाइन के बारे में प्रस्तुतीकरण भी दिया गया। साथ ही, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना, पंचायती राज संस्थाओं के पुनर्गठन, नगरीय निकायों की सीमा वृद्धि, मंगला पशु बीमा योजना, विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजना, सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना की गहन समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनंद कुमार, पुलिस महानिदेशक यू आर साहू, पुलिस महानिदेशक (इंटेलीजेंस) संजय अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख सचिव व शासन सचिव व वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही, सभी संभागीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, जिला कलक्टर, पुलिस अधीक्षक व विभिन्न अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

अफवाह बनी आफत

जलगांव में दुखद हादसा, बढ़ सकता है मौतो का आंकड़ा

पुष्पक ट्रेन से कूदे यात्रियों को कर्नाटक एक्सप्रेस ने रौंदा, 11 की मौत

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव में मंगलवार शाम बड़ा हादसा हो गया। लखनऊ से मुंबई जा रही पुष्पक एक्सप्रेस में आग लगने की अफवाह फैल गई। इससे ट्रेन में सफर कर रहे यात्री इतना डर गए कि वह चलती ट्रेन से ही कूदने लगे। बगल की पटरी पर कर्नाटक एक्सप्रेस आ रही थी। ट्रेन से कूदे लोगों को कर्नाटक एक्सप्रेस ने रौंद दिया। बताया जा रहा है कि करीब 30 से 40 लोग अफवाह के बाद ट्रेन से नीचे कूद गए। यह हादसा जलगांव की पाचोरा तहसील के परधाडे गाव के पास हुआ। घटना में 11 लोगों के हताहत होने की जानकारी मिली है। बता दें कि पुष्पक एक्सप्रेस मुंबई सीएसटी की ओर जा रही थी, तभी यह हादसा हो गया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना पर दुख जताया है।

ट्रेन को पाचोरा रेलवे स्टेशन पर खड़ा कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही अधिकारी मौके पर पहुंच गए बताया जा रहा है कि ट्रेन की क्व4 बोगी में स्पार्किंग होने लगी, जिसके बाद ट्रेन में आग लगने की अफवाह फैल गई।

स्पार्किंग के बाद फैली अफवाह

वरिष्ठ रेल अधिकारी ने कहा कि पुष्पक एक्सप्रेस के एक डिब्बे के अंदर हॉट एक्सल या ब्रेक-बाइंडिंग (जैमिंग) के कारण चिंगारी उठी, जिससे कुछ यात्री घबरा गए। उन्होंने जंजीर खींची और उनमें से कुछ पटरी से नीचे कूद गए। उसी समय बगल के ट्रैक से दूसरी ट्रेन गुजर रही थी। महाराष्ट्र के मंत्री गुलाब राव पाटिल ने कहा कि घटना स्थल पर सीनियर अधिकारी पहुंच गए हैं हैं, जिसके बाद ज्यादा जानकारी उपलब्ध हो पाएगी।

बढ़ सकता है मौत का आंकड़ा

नासिक के डिविजनल कमिश्नर प्रवीण गेडाम ने कहा कि हादसे के बाद एसपी, कलेक्टर और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच रहे हैं। डीआरएम और रेलवे अधिकारियों से संपर्क किया जा रहा है। घटनास्थल पर 8 एंबुलेंस पहुंच चुकी हैं। उन्होंने कहा कि रेस्क्यू वैन और अतिरिक्त एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंच रही हैं। अभी तक 8 लोगों की मौत की खबर है, लेकिन ये आंकड़ा अभी बढ़ सकता है।

प्रवेश: केजरीवाल और मान पर मानहानि का ठोका दावा

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी प्रवेश वर्मा ने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के खिलाफ 100 करोड़ रुपये के मानहानि का दावा किया है। इसके लिए वर्मा ने दोनों नेताओं को कानूनी नोटिस भेजा है। भाजपा नेता का कहना है कि आप के दोनों नेताओं ने उनके खिलाफ झूठे और बेबुनियाद बयान दिए हैं। इससे चुनाव के दौरान उनकी छवि खराब करने की कोशिश की गई है। प्रवेश वर्मा ने केजरीवाल और भगवंत मान के उन आरोपों को सिरे से खारिज किया है, जिसमें दोनों नेताओं ने कहा था कि वर्मा ने पंजाबियों को देश के लिए खतरा बताया है। वर्मा के मुताबिक, वह व उनके परिवार ने सिख समुदाय के लिए जो किया है, वह किसी को बताने की जरूरत नहीं है। केजरीवाल का दावा पूरी तरह झूठा और राजनीति से प्रेरित है। वर्मा ने बताया कि उन्होंने चुनाव आयोग और दिल्ली पुलिस को जो सबूत सौंपे हैं, उससे पता चलता है कि पंजाब से हजारों गाड़ियां दिल्ली में चुनाव प्रचार के लिए लाई गई हैं। इनमें आप के मंत्री, विधायक और खुद मुख्यमंत्री भगवंत मान शामिल हैं। उनका आरोप है कि चुनाव प्रक्रिया और मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए इन वाहनों से चीन में बने सीसीटीवी कैमरे, शराब और पैसे बांटे जा रहे हैं। प्रवेश वर्मा ने कहा कि केजरीवाल पर हिंदू भावनाओं को आहत करने के लिए भगवान राम और हनुमान पर की गई टिप्पणी को भी मुद्दा बनाया है। यह टिप्पणी न केवल असंवेदनशील है, बल्कि धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली भी है।

प्रवेश वर्मा ने कहा कि इस तरह के बेबुनियाद आरोपों के खिलाफ उन्होंने केजरीवाल और सीएम मान के खिलाफ 100 करोड़ रुपये मानहानि का मुकदमा दायर किया है। साथ ही दावा भी किया कि अगर वह यह मानहानि मुकदमा जीतते हैं, तो उससे मिलने वाली पूरी राशि का उपयोग नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों में करेंगे। दूसरी तरफ वर्मा ने चुनाव आयोग से मांग की है कि आप की इस तरह की गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई करे और दिल्ली विधान सभा चुनाव को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराया जाए।

एनजीओ, सिविल सोसाइटी और उपभोक्ता मंच के प्रतिनिधियों से बजट पूर्व चर्चा

सशक्त समाज के निर्माण में एनजीओ, सिविल सोसाइटी और उपभोक्ता मंच की अहम भूमिका: भजनलाल

सबका साथ, सबका विकास हमारा लक्ष्य

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि एक सशक्त और समृद्ध समाज के निर्माण में एनजीओ, सिविल सोसाइटी और उपभोक्ता मंच की अहम भूमिका है। इनका समाज पर बहुत गहरा प्रभाव होता है और वे राज्य सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बजट में प्रत्येक वर्ग की जरूरतों का समावेश कर सभी के सुझावों को यथासंभव समाहित करेगी जिससे सबका साथ, सबका विकास के संकल्प को गति मिले। शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में एनजीओ, सिविल सोसाइटी और उपभोक्ता मंच के प्रतिनिधियों से बजट पूर्व चर्चा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एनजीओ, सिविल सोसाइटी व उपभोक्ता मंच जैसे संगठन अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं और इनके अनुभव का लाभ जनता को मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय और भीमराव अम्बेडकर के अंत्योदय की अवधारणा पर काम कर रही है जिसके तहत अंतिम पंक्ति पर खड़े व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिले और वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सके।

गांवों का विकास राज्य की समृद्धि का आधार

शर्मा ने कहा कि ग्रामीण विकास राज्य की समृद्धि में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। हमारी सरकार गांवों के विकास के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से मनरेगा के 20 करोड़ मानव दिवस को बढ़ाकर 27 करोड़ मानव दिवस किया गया है। अब तक 24 करोड़ से ज्यादा मानव दिवस का रोजगार दिया जा चुका है। साथ ही, योजना के तहत लगभग सभी श्रमिकों का भुगतान 15 दिन में किया जा रहा है।

महिला सशक्तीकरण के लिए सरकार निरंतर कर रही काम

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में निरंतर कार्य कर रहे हैं। राजीविका के तहत राज्य में 20 हजार से ज्यादा स्वयं सहायता समूहों का गठन हुआ है और लखपति दीदी योजना के तहत 14 लाख से ज्यादा महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किए हैं।

राज्य सरकार स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी इन महिलाओं की ओर से तैयार उत्पादों की बिक्री में सहयोग भी दे रही है। उन्होंने कहा कि हमने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 1 लाख 55 हजार से ज्यादा आवासों को स्वीकृति दी है जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आवास की समस्या को दूर किया जा सके।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान के तहत बारां जिले में सहरिया जनजाति के लिए विशेष अभियान चलाकर 17 हजार से ज्यादा आवास स्वीकृत किए गए हैं।

बैठक में एनजीओ, सिविल सोसाइटी और उपभोक्ता मंच के प्रतिनिधियों ने स्वरोजगार केन्द्र स्थापित करने, नशा मुक्ति केन्द्र खोलने, सिलिकोसिस बीमारी से रोकथाम, गांवों तक योजनाओं का प्रचार-प्रसार, बाल सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम, घुमन्तू वर्गों को संबल, बालश्रम की रोकथाम के लिए कार्यवाही, स्वयं सहायता समूह, दिव्यांगों के लिए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, जेण्डर बजट, रिसर्च सेंटर फॉर कन्ज्यूमर केयर, प्रवासी श्रमिक बोर्ड का गठन, विमंदितों के लिए पुनर्वास गृह सहित विभिन्न विषयों पर अपनी राय रखी। बैठक में अपना घर आश्रम, उमंग, सेवा भारती, नया सवेरा, भगवान महावीर चाइल्ड केयर, अलख फांउडेशन, प्रयास संस्थान, सेव द चिल्ड्रन, अक्षय पात्र फाउंडेशन, घुमन्तू जाति उत्थान न्यास सहित विभिन्न एनजीओ के प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव दिए।

राजे से मिले भजनलाल, जल्द मंत्रीमंडल विस्तार की संभावना

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। प्रदेश में एक बार फिर सियासत गर्मा गई है। अब मंत्रीमंडल विस्तार की खबरों को फिर हवा मिल गई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को देर शाम पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से मिलने के लिए उनके आवास पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वसुंधरा राजे से मिलने के लिए उनके बंगले पर पहुंचे थे। इन दोनों की मुलाकात राजस्थान में किसी बड़ी सियासी उठक-पाठक की ओर इशारा कर रही है। लंबे समय से चल रहे हैं मंत्रिमंडल विस्तार को भी यह मुलाकात हवा दे रही है। ऐसा अंदाजा लगाया जा रहा है कि आगामी 24 जनवरी को मंत्रिमंडल विस्तार किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार राज भवन के सभी कर्मचारियों को 24 जनवरी को छुट्टी नहीं करने और जयपुर नहीं छोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की मुलाकात मंत्रिमंडल विस्तार को पुख्ता करती नजर आ रही है। यह कयास लगाए जा रहे हैं मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वसुंधरा राजे के साथ चर्चा की है।

सीएम ने की घोषणा

संशोधित पीकेसी लिंक परियोजना अब होगी रामजल सेतु लिंक परियोजना

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। भगवान श्रीराम की अयोध्या में रामजन्म भूमि पर भव्य प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में संशोधित पार्वती- कालीसिंध -चम्बल लिंक परियोजना का नामकरण रामजल सेतु लिंक परियोजना किए जाने की घोषणा की है। उल्लेखनीय है कि गत 17 दिसम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में संशोधित पीकेसी परियोजना के एमओए के अवसर पर पार्वती, काली सिंध और चंबल नदियों का जल रामसेतु जल संकल्प कलश में प्रवाहित किया गया था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर रामजल सेतु लिंक परियोजना के नामकरण के उपरान्त इसके पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि गत वर्ष आज के ही दिन 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद भगवान श्रीराम अयोध्या में जन्मभूमि पर भव्य मंदिर में विराजमान हुए थे। भगवान श्रीराम ने सत्य की विजय के लिए समुद्र पर सेतु बनाकर एक छोर को दूसरे छोर से जोड़ने का काम किया। उनसे प्रेरणा लेते हुए ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान और मध्य प्रदेश को सुजलाम सुफलाम बनाने के लिए नदियों को जोड़ने की यह महत्वाकांक्षी परियोजना लाई गई है। पूर्व प्रधानमंत्रीअटल बिहारी वाजपेयी के नदियों को जोड़ने के सपने को साकार करते हुए रामसेतु जल परियोजना के पूर्ण होने पर प्रदेश की 40 प्रतिशत आबादी को पेयजल व सिंचाई के लिए जल उपलब्ध हो सकेगा। इस लिंक परियोजना में चंबल और इसकी सहायक नदियों कुन्नू, कूल, पार्वती, कालीसिंध और मेज के सरप्लस वर्षा जल को बनास, मोरेल, बाणगंगा, रूपारेल, पार्वतनी, गंभीर नदी बेसिनों में भेजा जाएगा। इस परियोजना में 522 एमसीएम पुनर्चक्रित जल सहित कुल 4102 मिलियन क्यूबिक मीटर जल उपलब्ध हो सकेगा। इस परियोजना से राजस्थान के 17 जिलों में वर्ष 2054 तक पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित होगी। इसमें लगभग सवा तीन करोड़ लोगों को सुलभ पेयजल की उपलब्धता के साथ-साथ लगभग ढाई लाख हैक्टेयर नये क्षेत्र में सिंचाई और लगभग डेढ़ लाख हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के लिए अतिरिक्त पानी की व्यवस्था हो सकेगी। साथ ही, इन जिलों में स्थापित होने वाले उद्योगों के विकास के लिए भी पानी मिल सकेगा। इस दौरान जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, सांसद मदन राठौड़, विधायक बहादुर सिंह कोली, डॉ. शैलेष सिंह, डॉ. सुभाष गर्ग, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल सहित वरिष्ठ अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मेवात जयपुर टाइम्स

जयपुर, गुरूवार
23 जनवरी, 2025

सहायक जनसम्पर्क अधिकारी ने किया पदभार ग्रहण

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं)। सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय अलवर में नव पदस्थापित सहायक जन संपर्क अधिकारी (एपीआरओ) छगन लाल यादव ने कार्यभार ग्रहण किया। सहायक निदेशक मनोज कुमार ने सहायक जनसंपर्क अधिकारी यादव का स्वागत कर पदभार ग्रहण करवाया। इस दौरान स्टाफ सदस्य सहायक प्रशासनिक अधिकारी आनंद इंदौरिया, वरिष्ठ सहायक सागर मल गुर्जर, सूचना सहायक ममता मेहरा ने भी नव पदस्थापित सहायक जनसम्पर्क अधिकारी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि यादव ने इससे पूर्व भरतपुर एवं दौसा में सहायक जनसम्पर्क अधिकारी पद पर अपनी सेवाएं दी हैं।

सुरेश सेन फिर बने अलवर सरस डेयरी के एमडी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं)। राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन के महाप्रबन्धक ने बुधवार को एक आदेश जारी कर सुरेश कुमार सेन को फिर से अलवर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ का एमडी नियुक्त किया है। जहां सेन को प्रबन्ध संचालक, जिला दुग्ध संघ, अलवर के पद की वित्तीय एवं प्रशासनिक शक्तियां प्रदान की गई है। यह आदेश प्रबंध संचालक आरसीडीएफ, जयपुर के अनुमोदनोपरान्त जारी किये गए हैं। ज्ञात रहे कि सुरेश कुमार सेन को पूर्व में 13 जनवरी 2025 को अलवर आने के बाद निलंबित किया गया लेकिन उनके सरस डेयरी अलवर में बेहतर कार्यों के चलते सेन का जयपुर मुख्यालय ने निलंबन आदेश रद्द करते हुए उन्हें फिर से अलवर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ की जिम्मेदारी सौंपी है।

राष्ट्रीय सडक सुरक्षा माह थीम 'परवाह' (केयर) : के तहत यातायात नियमों की जानकारी देकर सौ हेलमेट किए वितरित

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं)। राष्ट्रीय सडक सुरक्षा माह के तहत 100 हेलमेट निःशुल्क वितरण व आमजन को यातायात नियमों की जानकारी व पालना हेतु बुधवार को प्रेरित किया गया। यह आयोजन मोती डूंगरी स्थित पुलिस

उप अधीक्षक यातायात कार्यालय के सामने व हनुमान सर्किल पर किया गया।पुलिस अधीक्षक अलवर संजीव नैन ने जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार को सी.के बिरला हॉस्पिटल के सौजन्य से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह थीम परवाह' (केयर) के अन्तर्गत 100 व्यक्तियों को हेलमेट निःशुल्क वितरित किये गये। यह आयोजन में मोती डूंगरी पुलिस उप अधीक्षक यातायात कार्यालय के सामने 50 हेलमेट व हनुमान सर्किल पर 50 हेलमेट दुपहिया वाहन चालको को हेलमेट की आवश्यकता बताते हुये वितरित किये गये। वहीं भविष्य में मोटर साइकिल चलाते समय हेलमेट लगाकर चलने की हिदायत देकर यातायात नियमो की पालना हेतु समझाईश की गई। उक्त अभियान के तहत अति0 पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) डॉ. तेजपाल सिंह, पुलिस उप अधीक्षक यातायात मुकेश चौधरी, वृत्ताधिकारी वृत उत्तर अंगद शर्मा, उ0नि0 प्रभारी यातायात शाखा अलवर हरिओम सहित यातायात अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

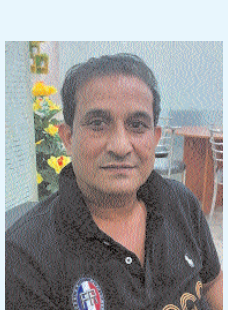

सुधीर सेठी प्रदेश महामंत्री नियुक्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं)। नरेंद्र मोदी विचार मंच राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष के डी सिंह चारण ने राजस्थान में संगठन का विस्तार करते हुए सुधीर सेठी को प्रदेश महामंत्री नियुक्त किया गया है।

हसन खां मेवात नगर के पार्क में कबूतर घर का लोकार्पण

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं)। हसन खां मेवात नगर के डी क्लॉक में कबूतर घर का लोकार्पण किया गया। इस कबूतर घर का निर्माण समाजसेवी सुरेश गुप्ता हुंडी वाले ने कराया है जो अब तक अलवर में नौ स्थानों पर कबूतर घर बनवा चुके हैं और दसवां बनकर तैयार है।

डी पार्क में शिवाजी जन कल्याण समिति के अध्यक्ष पूरन सिंह तंवर, समिति के मंत्री विनोद यादव, सूरजभान सूटवाल, हरिमोहन गुप्ता, रमाकांत शम्रा, विष्णु गोयल, गिर्राज यादव, मोहित डूडेजा, आशा गोयल, नीलम सारस्वत, सुनीता आदि ने इस कार्य के लिए सुरेश गुप्ता हुंडी वाले और उनकी पत्नी महावर महिला मंच की अध्यक्ष कुमकुम महावर का नागरिक अभिनंदन किया। कार्यक्रम में अतिथि समाजसेवी व नेक कमाई फाउंडेशन के फाउंडर दौलत राम हजरती, सीए श्रीकिशन गुप्ता थे। मंच संचालन चिम्मन लाल ग्रोवर ने किया।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री के निर्देशानुसार भिवाड़ी में वायु गुणवत्ता सुधार और कचरा प्रबंधन पर अहम बैठक

वेस्ट टू एनर्जी मॉडल बनेगा समाधान

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं)। केंद्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने भिवाड़ी कि वायु गुणवत्ता को सुधारने और कचरा प्रबंधन को सुदृढ़ करने हेतु विभिन्न कदम उठाए जिसके तहत भिवाड़ी शहर के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन की समीक्षा के लिए बुधवार को बीड़ा सभागार भिवाड़ी में डॉ. प्रशांत गर्गव, निदेशक (एनसीएपी), पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। उन्होंने भिवाड़ी में ÷वेस्ट टू एनर्जी मॉडल÷ पर जोर देते हुए इस दिशा में कार्य करने का निर्णय लिया जिससे कचरे से बिजली और कंपोस्ट उत्पादन जैसी परियोजनाएं न केवल कचरा प्रबंधन का स्थायी समाधान बनेंगी, बल्कि इससे क्षेत्र को स्वच्छ और हरित बनाने में मदद मिलेगी।

बैठक से पूर्व निदेशक (एनसीएपी), पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय डॉ. प्रशांत गर्गव के साथ विभिन्न क्षेत्र के एक्सपर्ट्स ने भिवाड़ी क्षेत्र में स्थित डंपिंग यार्ड, रिको क्षेत्र तथा भिवाड़ी सिटी में ठोस कचरा प्रबंधन, कचरे के माध्यम से विद्युत ऊर्जा का उत्पादन सहित विभिन्न संभावनाओं को देखा। यादव ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत स्वच्छ वायु और नील गगन के उद्देश्य को हासिल करने पर काम कर रहा है और मीटिंग ने भिवाड़ी में इस लक्ष्य को पाने की दिशा में ज़मीन तैयार करने का काम किया। बैठक के दौरान निदेशक पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन तथा ठोस कचरा प्रबंधन को सुदृढ़ करने हेतु भिवाड़ी क्षेत्र में स्पेशल ड्राइव चलाकर भिवाड़ी की गली मोहल्ले में पड़े वेस्ट को हटाने के लिए कहा जिस पर जिला कलेक्टर ने नगर परिषद भिवाड़ी को आगामी 15 दिवस में एक विशेष अभियान चलाकर क्षेत्र में साफ सफाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने रीको के अधिकारियों को उनके क्षेत्र में स्थित सड़कों की साफ सफाई, टाइल वर्क एवं पेड़ लगाने हेतु आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षेत्रीय अधिकारी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड को सभी इकाइयों के पॉल्यूशन पैरामीटर की जांच करने हेतु निर्देशित किया।इस दौरान उपस्थित कंसलटेंट एवं एक्सपर्ट्स ने भिवाड़ी क्षेत्र से जनरेट हो रहे कचरे का आंकलन कर इसके निस्तारण हेतु विभिन्न उपाय सुझाए। उन्होंने कचरे के सेग्रीगेशन सहित कचरे के कलेक्शन हेतु आवश्यक ऑटो टिपर की संख्या का आंकलन कर अतिरिक्त ऑटो टिपर लगाकर कचरा इकट्ठा करना, भिवाड़ी क्षेत्र को विभिन्न क्लस्टरों में विभाजित कर खसरा प्रबंध करना तथा ऑटो टिपर के ट्रिप की संख्या बढ़कर एवं रात के समय बाजार की सफाई, बाजार की छुट्टी के दिन सफाई का विशेष अभियान सहित विभिन्न बिंदुओं पर अपना सुझाव दिया। जिस पर जिला कलेक्टर ने नगर परिषद भिवाड़ी, बीड़ा एवं रीको को भिवाड़ी क्षेत्र को विभिन्न प्लास्टरों में विभाजित कर वर्तमान में उपलब्ध ऑटो टिपर एवं नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से कचरा प्रबंधन को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए तथा भविष्य में स्थाई समाधान हेतु एक कार्य योजना बनाने हेतु भी निर्देशित किया। उन्होंने भविष्य में कचरे के स्थाई समाधान हेतु कचरे के माध्यम से बिजली बनाने, कंपोस्ट बनाने जैसे मॉडल पर कार्य योजना तैयार कर कार्य करने के निर्देशित दिए। बैठक के दौरान जिला कलक्टर किशोर कुमार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीड़ा अतुल प्रकाश, अतिरिक्त जिला कलक्टर भिवाड़ी अश्विन के पंवार, उपखंड अधिकारी लाखन सिंह गुर्जर, निजी सचिव केंद्रीय पर्यावरण मंत्री आयुष सहारण, वरिष्ठ प्रबंधक रिको आदित्य शर्मा, क्षेत्रीय अधिकारी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड अमित, नगर परिषद सहायक अभियंता अंकित सहित ठोस कचरा प्रबंधन सहित विभिन्न क्षेत्रों के एक्सपर्ट एवं कंसलटेंट मौजूद रहे।

संविधान भारत और भाजपा दोनों की ही आत्मा- मंत्री खर्रा

जयपुर टाइम्स

अलवर। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय अलवर पर संविधान गौरव अभियान के तहत संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवम वक्ता नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा रहे। संविधान गौरव यात्रा संयोजक एडवोकेट शिवलाल मीणा ने बताया कि संविधान गौरव यात्रा का आयोजन 25 जनवरी 2025 तक किया जा रहा है। मुख्य अतिथि झाबर सिंह खर्रा ने कहा भारतीय जनता पार्टी ने भारत रत्न बाबा साहब के पंच तीर्थ बनाकर बाबा की विरासतों का सम्मान किया। कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहब के इतिहास को कुचलने का प्रयास किया। कांग्रेस ने बाबा साहब को 1952 और 1954 के उपचुनाव में हराने का घोर पाप किया। भाजपा ने अपने शासनकाल में बाबा साहब को भारत रत्न देकर के उनका सम्मान किया साथ ही संसद के सेंट्रल हॉल में तैलिया चित्र लगाने का काम किया। पूर्व कैबिनेट मंत्री हेम सिंह भडाना ने कहा कि भारतीय संविधान में भारत की आत्मा बसती है। पं.धर्मवीर शर्मा ने बताया कि भारत के संविधान के द्वारा हर नागरिक को अपने मौलिक अधिकार और दायित्वों का बोध होता है।

गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन की तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक आयोजित

गणतंत्र दिवस समारोह आमजन की सहभागिता से समारोहपूर्वक मनाने हेतु संबंधित अधिकारी यथा समय तैयारियां सुनिश्चित करें - जिला कलक्टर

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने मिनी सचिवालय के सभागार में गणतंत्र दिवस समारोह (26 जनवरी) के आयोजन के सम्बन्ध में तैयारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने अधिकारियों से कहा कि राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस समारोह आमजन की भागीदारी के साथ हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिये कि आयोजन के सम्बन्ध में उन्हे सौपें गए दायित्वों को समयावधि में पूर्ण करना सुनिश्चित करे। उन्होंने समारोह में विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं द्वारा निकाली जाने वाली झॉकियां आकर्षक रहे एवं झांकियों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 25 जनवरी को आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में राजकीय विद्यालयों के साथ निजी विद्यालय और संस्थाओं की सहभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि नगर विकास न्यास एवं नगर निगम के द्वारा गणतंत्र दिवस पर बाला किला, राजकीय भवनों एवं शहर के प्रमुख चौराहों पर रोशनी व सजावट की व्यवस्था कराई जाऐगी। उन्होंने निर्देश दिए कि साफ-सफाई, पेयजल एवं पार्किंग की व्यवस्था नगर निगम व नगर विकास न्यास एवं बैरिकेटिंग व्यवस्था सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा की जाये। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं सामूहिक व्यायाम प्रदर्शन के लिए मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं खेलकूद के लिए जिला खेल अधिकारी नोडल अधिकारी रहेंगे। उन्होंने जिला सैनिक कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि गणतंत्र दिवस समारोह में विरांगनाओं को सम्मानित कराने की व्यवस्था करें। समारोह में आर्म डिस्प्ले कराने हेतु सेना से समन्वय करें। कार्यक्रम के उपरान्त दोपहर में इन्दिरा गांधी स्टेडियम में मैत्री मैच का आयोजन होगा।बैठक में एडीएम प्रथम मुकेश कायथवाल, एडीएम द्वितीय योगेश डागुर, एडीएम शहर बीना महावर, यूआईटी सचिव सुश्री धीगदे स्नेहल नाना, नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जिले में ई-विद्या प्रोजेक्ट का जिला कलक्टर ने किया शुभारंभ

जिला कलक्टर की अध्यक्षता में जिला निष्पादन समिति की बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में बुधवार को जिला निष्पादन समिति की बैठक आयोजित हुई जिसमें उन्होंने जिले की रैंकिंग के सभी बिन्दुओं की समीक्षा कर निर्देश दिये कि जिले की रैंकिंग में समन्वित प्रयास कर सुधार करें। जिला कलक्टर ने शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रभावी मॉनिटरिंग कर जिले के शिक्षा के स्तर को अग्रणी जिलों की श्रेणी में लाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा में आधुनिक तकनीक का उपयोग करने के साथ विद्यालय में भौतिक संसाधनों व सहशिक्षण सामग्री की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करावे।

ई-विद्या प्रोजेक्ट किया लॉन्च

जिला प्रशासन द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों एवं युवाओं को पंचायत स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ई-विद्या प्रोजेक्ट का नवाचार किया गया है जिसके तहत जिले के ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर स्थित 291 उच्च माध्यमिक विद्यालय (पीईईओ स्कूल) में गुड गवर्नेंस-डे 25 दिस बर 2025 तक डिजिटल लाइब्रेरी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसमें 173 विद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी क्रियाशील है। उन सब में सभी सुविधाएं मुहैया कराने के साथ शेष 118 विद्यालयों में नए सिरे से डिजिटल लाइब्रेरी बनवाई जाएगी। जिसके प्रथम चरण में ऐसे 59 स्कूल जहां लाइब्रेरी हेतु कक्ष की उपलब्धता है डिजिटल लाइब्रेरी बनाई जाएगी तथा शेष 59 स्कूलों में द्वितीय चरण में डिजिटल लाइब्रेरी बनाई जाएगी। इन लाइब्रेरियों के बनवाने में प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके), भामाशाहों (जनसहयोग), एमपी व एमएलए विकास निधि कोष, समग्र शिक्षा अभियान के साथ सीएसआर फण्ड का सहयोग लिया जाएगा। जिला कलक्टर ने कहा कि इन डिजिटल लाइब्रेरी का उपयोग विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ वहां के युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी आदि के लिए कर सकेंगे जिसके लिए विद्यालय समय के पश्चात भी ये लाइब्रेरियां खुली रहे इसके लिए वहां पर सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था के साथ अच्छा फर्नीचर, इंटरनेट, अच्छे टॉयलेट, इन स्कूलों में रूफटॉफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, खेल मैदान आदि की व्यवस्था कराई जावेगी ताकि ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही उनकी शिक्षा की आवश्यकता हेतु सभी आधुनिक व्यवस्थाएं मुहैया कराई जा सके।

बाला योजना को अमल में लाने पर दिया जोर

उन्होंने बाला योजना के तहत विद्यालय के भवनों को सीखने का माध्यम बनाने का आकर्षक स्वरूप प्रदान करने पर जोर देते हुए निर्देश दिये कि विद्यालयों को आकर्षक स्वरूप में लाने के लिए सभी बीईईओ इसकी कार्ययोजना तैयार करें। साथ ही उन्होंने निर्देश दिये कि कार्ययोजना तैयार कर सरकारी योजनाओं, सीएसआर व जनसहयोग से इन्हें तैयार कराया जावे। उन्होंने निर्देश दिये कि राज्य में जिले की रैंकिंग अव्वल जिलों में शामिल करने के लिए सभी पैरामीटरों पर गंभीरता से कार्य करें। उन्होंने निर्देश दिये कि जिले की वर्तमान रैंकिंग 15वें स्थान में सुधार करते हुए एक माह में अण्डर 10 रैंकिंग लाने तथा मार्च माह के अंत तक टॉप 5 जिलों में अलवर की रैंकिंग लाने के प्रयास करें। उन्होंने निर्देश दिये कि विद्यार्थियों की अपार आईडी का शत-प्रतिशत रजिस्ट्रेशन कराना सुनिश्चित करावे। उन्होंने कहा कि शैक्षिक व भौतिक स्तर में वृद्धि करने हेतु नवाचार करने वाले अधिकारियों व संस्था प्रधानों को स मानित किया जाएगा तथा कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी व संस्था प्रधानों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जावेगी। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिये कि जिला परिषद से समन्वय कर नरेगा योजना के माध्यम से शेष रहे जिले के चारदिवारी विहीन विद्यालयों में चार दीवारी बनाने के प्रस्ताव तैयार करने के साथ इसी प्रकार सरकारी विद्यालयों में खेल मैदान विकसित करने के प्रस्ताव तैयार करें तथा स्वच्छ भारत मिशन के तहत नए शौचालयों के प्रस्ताव भी तैयार करें।बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक एवं समसा के एडीपीएस मनोज शर्मा सहित समस्त सीबीईईओ तथा संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

राजधानी जयपुर टाइम्स

जयपुर, गुरूवार
23 जनवरी, 2025

वासुदेव देवनानी स्वस्थ होकर एसएमएस अस्पताल से डिस्चार्ज

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को बुधवार शाम सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। अस्पताल के प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी के निर्देशन में गठित विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने सभी आवश्यक जांच की, जिनकी रिपोर्ट सामान्य पाई गई। देवनानी ने बताया कि वे अब पूरी तरह स्वस्थ हैं और चिकित्सकों के परामर्श का पालन कर रहे हैं।

अस्पताल से डिस्चार्ज के दौरान देवनानी से उनके हाल-चाल जानने के लिए कई नेता, मंत्री और जनप्रतिनिधि पहुंचे। इनमें नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत, राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, सरकारी मंत्री गौतम दक, विधायक शिखा मील बराला, कल्पना देवी, विरेन्द्र सिंह सहित जयपुर और अजमेर के अनेक जनप्रतिनिधि शामिल थे। इसके अलावा, बड़ी संख्या में आमजन ने भी उनसे मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

देवनानी ने सवाई मानसिंह अस्पताल के प्राचार्य, चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और प्रशासन का उनके स्वास्थ्य परीक्षण और देखभाल में दिए गए

सराहनीय सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अस्पताल का सहयोग और जनता की शुभकामनाएं उनके शीघ्र स्वस्थ होने का बड़ा कारण हैं।

गौरतलब है कि देवनानी के स्वास्थ्य में कोई गंभीर समस्या नहीं थी, लेकिन चिकित्सकीय परामर्श के लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया था। सभी जांचें सामान्य आने के बाद उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया।

पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर का भव्य स्वागत, सैकड़ों कर्मचारियों ने जताया आभार

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। पंचायती राज के कनिष्ठ सहायकों ने बुधवार को 18 सिविल लाइन स्थित बंगले पर पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर का भव्य स्वागत और अभिनंदन किया। मंत्री दिलावर ने अपने साहसिक निर्णय से

2013 से परिवार से दूर करीब 2000 कर्मचारियों को अंतर जिला तबादले के माध्यम से परिवार के पास पहुंचने का अवसर प्रदान किया।

यह ऐतिहासिक कदम मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में सुशासन को मजबूती देने की दिशा में उठाया गया। तबादलों से कर्मचारियों की वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान हुआ, जिससे कई परिवार एकजुट हुए।

पंचायती राज कर्मचारी संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष अशोक वैष्णव के नेतृत्व में सैकड़ों कनिष्ठ सहायक मंत्री के आवास पहुंचे और पुष्पहार, माल्यार्पण और पुष्पवर्षा कर आभार जताया। कर्मचारियों ने इस फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए मंत्री दिलावर और सरकार की सराहना की।

जेडीए ने 32 बीघा भूमि पर अवैध कॉलोनी को किया पूर्णतः ध्वस्त

सहकार मार्ग व अण्डरपास के आस-पास रोड़ सीमाओं को कराया अतिक्रमण मुक्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। जयपुर विकास प्राधिकरण जोन-13 में निजी खातेदारी करीब 32 बीघा कृषि भूमि पर नवीन अवैध कॉलोनी को प्रारंभिक स्तर पर ही ध्वस्त किया गया। जोन-03 में लालकोठी योजना में लक्ष्मी

मंदिर से सहकार मार्ग व अण्डरपास के आस-पास दोनो तरफ रोड़ सीमाओं को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित सामरिया रोड़, जिला जयपुर में करीब 32 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''नरेन्द्र मोहन नगर'' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल व सीमेन्ट के ब्लॉक की सडकें, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर प्रारंभिक स्तर पर ही जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई।

जेडीए द्वारा जोन-03 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित लालकोठी योजना में लक्ष्मी मंदिर से सहकार मार्ग, अण्डरपास सब्जीमण्डी के आस-पास करीब 60 स्थानों पर दोनों तरफ रोड़ सीमा व फुटपाथ पर थड़ी-ठेलें, बांस तम्बू, तिरपाल, टेबल, कुर्सियां लगाकर कब्जें-अतिक्रमण कर रखे थे। जिससे यातायात आवागमन में आमजन को काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा था एवं सौन्दर्यकरण को नुकसान पहुँचाया जा रहा था। उक्त किये गये अतिक्रमणों को नगर निगम एवं जेडीए के सामूहिक अभियान के तहत आज जोन-03 के राजस्व व तकनीकी स्टाफ एवं प्रवर्तन दस्तें व मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। आवागमन को सुगम किया गया।

राज्य सरकार विशेष योग्यजनों को आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धः मंत्री गहलोत

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार विशेष योग्यजनों के कल्याण के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने राज्य दिव्यांगता सलाहकार बोर्ड की बैठक में विशेष योग्यजनों के पुनर्वास और आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न विभागों को प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। गहलोत ने अंबेडकर भवन में आयोजित बैठक में चिकित्सा विभाग को पंचायत स्तर पर कैंप लगाकर यूडीआईडी कार्ड बनाने का कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने सुगम्य भारत अभियान के तहत सरकारी भवनों, सार्वजनिक स्थलों और धार्मिक स्थानों को विशेष योग्यजनों के लिए बाधारहित बनाने पर जोर दिया। बैठक में सीएसआर फंड का उपयोग विशेष योग्यजनों के कल्याण हेतु योजनाबद्ध तरीके से करने के निर्देश दिए गए। अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका ने संबंधित विभागों को योजनाओं का प्रचार-प्रसार बढ़ाने पर जोर दिया। विशेष योग्यजन आयुक्त एच. गुईटे ने सिलिकोसिस और न्यूमोकोनियोसिस नीतियों के तहत लाभार्थियों के आंकड़े प्रस्तुत किए। साथ ही विशेष योग्यजनों के प्रमाणीकरण और पुनर्वास योजनाओं पर गहन चर्चा की गई। बैठक में चिकित्सा, शहरी विकास, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास सहित कई विभागों के अधिकारी और गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हुए। सभी हितधारकों ने विशेष योग्यजनों के लिए संचालित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु समन्वय बढ़ाने पर सहमति जताई।

भाजपा युवा मोर्चा पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का 51 किलो की माला पहनाकर किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

पावटा(निस)। कस्बे में स्थित भारती पीजी कॉलेज में बुधवार को भाजपा युवा मोर्चा पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का स्वागत किया गया। आयोजनकर्ता कमल यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के राजस्थान प्रवास के दौरान जयपुर से दिल्ली जाते समय पावटा पहुंचने पर भव्य स्वागत सम्मान किया। कार्यक्रम आयोजन के अंतर्गत 51 किलो की माला व साफा पहनकर भव्य स्वागत किया गया। भाजपा युवा मोर्चा के अनेको पदाधिकारी का माला व साफा पहनकर स्वागत सम्मान किया।वहीं पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश यादव ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते हुए देश निर्माण में योगदान का आह्वान किया। वहीं जिला संगठन प्रभारी सतवीर यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कड़ी मेहनत करने वाले ही अच्छे मुकाम को पाते हैं। इस दौरान कमल यादव के नेतृत्व में बाहर से आए हुए सभी लोगों का भव्य स्वागत सम्मान किया। कार्यक्रम आयोजन के अंतर्गत महेश अवाना ,रविंद्र यादव, मुकेश यादव, सुरेंद्र ठुकरान, अरुण गुप्ता, अभय सिंह, धर्मपाल सिंह शेखावत,दीपक सिंह शेखावत, रवि सैनी,पवन यादव,कौशल सिंह सेन, अंकित यादव, जितेंद्र प्रजापत, हेमराज यादव व आनेको अशैक्षिक स्टाफ व विद्यार्थी मौके पर मौजूद रहे।

आयुक्त रूक्मणी रियाड के निर्देश पर नगर निगम ग्रेटर की सतर्कता शाखा की कार्रवाई, 2 केन्टर सामान जब्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। नगर निगम ग्रेटर की सतर्कता शाखा ने आयुक्त रूक्मणी रियाड के निर्देशानुसार बुधवार को लालकोठी सब्जी मंडी और सहकार मार्ग पर अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में नगर निगम और जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई करते हुए 2 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भेजा।उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि निगम क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए यह संयुक्त अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान टीम ने मौके पर मौजूद लोगों को अतिक्रमण न करने की सख्त

हिदायत दी और चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसे अतिक्रमण पाए जाने पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा या सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आयुक्त रूक्मणी रियाड के निर्देश के तहत सतर्कता टीम ने अतिक्रमणकारियों को मौखिक रूप से पाबंद किया कि वे समय रहते अपने अस्थाई अतिक्रमण हटा लें। अभियान का उद्देश्य जयपुर शहर को साफ-सुथरा और अतिक्रमण मुक्त बनाना है। यह कार्रवाई सतर्कता शाखा द्वारा अतिक्रमण हटाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है। निगम अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि शहर में किसी भी प्रकार के अवैध निर्माण या अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसे हटाने के लिए नियमित रूप से अभियान जारी रहेगा।

12 घंटे में तेंदुए ने किया दो लोगों पर हमला, क्षेत्र में फैली दहशत

संवाददाता बाली

सादड़ी, पाली(निस)। सादड़ी थाना क्षेत्र के मादा सड़क मार्ग पर तेंदुए द्वारा 12 घंटे के भीतर दो लोगों पर हमले की घटनाओं ने क्षेत्र में दहशत का माहौल बना दिया है। पहली घटना सोमवार रात को हुई, जब नारायण लाल गरासिया (40) अपने खेत से घर लौट रहे थे। तेंदुए ने उनका करीब आधा किलोमीटर तक पीछा किया और अचानक उन पर हमला कर दिया। दूसरी घटना मंगलवार सुबह की है, जब राजूराम भील (22) पर तेंदुए ने हमला किया। बाइक सवार राजूराम तेंदुए को देखकर घबरा गए और बाइक समेत गिर पड़े। हालांकि वे सीधे तेंदुए के हमले से बच गए, लेकिन गिरने से उनके सिर में चोट आई।

वन विभाग अलर्ट पर

वन विभाग के रेंजर अरविंद सिंह झाला ने जानकारी दी कि विभाग क्षेत्र में तेंदुए की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है। तेंदुए की मूवमेंट का पता लगाने के लिए ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि तेंदुए को पकड़ने के लिए विभाग ने अपनी रणनीति पर काम शुरू कर दिया है।

तेंदुए का वीडियो वायरल

इससे पहले सोमवार रात सादड़ी से मादा जा रहे धीरज सिंह राजपुरोहित ने तेंदुए को सड़क किनारे देखा और इसका वीडियो भी बनाया। वीडियो में तेंदुआ खेत की तरफ तारबंदी के पास बैठा दिखाई दिया।

क्षेत्र में तेंदुए का आतंक

मादा क्षेत्र और आसपास के इलाकों में तेंदुए की गतिविधियां पहले भी देखी गई हैं। कुछ महीने पहले तेंदुए ने मादा गौशाला परिसर में गोवंश का शिकार किया था। वहीं, सिन्दरली सड़क मार्ग पर भी तेंदुए को देखा गया था।

लोगों में भय का माहौल

गुडा भोपसिंह और देसूरी उपखंड क्षेत्र में तेंदुए की बढ़ती दहशत से लोग भयभीत हैं। 12 घंटों में हुई दो घटनाओं ने ग्रामीणों में चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीणों ने वन विभाग से त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

वन विभाग का निवेदन

वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे सतर्क रहें, अकेले सुनसान इलाकों में जाने से बचें और तेंदुए के संदिग्ध स्थानों की जानकारी तुरंत विभाग को दें।

शाहपुरा जिला बचाओ आंदोलन 21वें दिन भी जारी

कहार समाज ने निकाली 4 किलोमीटर लंबी आक्रोश रैली

जयपुर टाइम्स

शाहपुरा(निस)। राज्य सरकार द्वारा शाहपुरा के जिले का दर्जा भंग करने के बाद से ही शाहपुरा में अभिभाषक संस्था के निर्देशन में गठित शाहपुरा जिला संघर्ष समिति द्वारा लगातार 21 दिनों से विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। उपखंड कार्यालय के बाहर क्रमिक धरना प्रदर्शन लगातार जारी है।प्रतिदिन अलग-अलग समाज तथा संगठनों द्वारा आक्रोश रैली निकाल करके उपखंड कार्यालय के बाहर धरना दिया जा रहा है। बुधवार को कहार समाज द्वारा श्री राम मंदिर से लेकर के बालाजी की छतरी, त्रिमूर्ति चौराहे होते हुए उपखंड कार्यालय तक करीब 4 किलोमीटर लंबी आक्रोश रैली निकाली। मार्ग में जगह-जगह गुलाब के पुष्प वर्षा करके आक्रोश रैली का आम लोगों द्वारा स्वागत किया गया। रैली में डीजे तथा परंपरागत मशक का बाजा बजाते हुए लोग चल रहे थे। इस दौरान लोगों ने शाहपुरा जिला बचाओ को लेकर नारो की तख्तीया ले रखी थी तथा त्रिमूर्ति चौराहे के बाहर हाई मस्त लाइट पर लगे हुए विधायक के करीब 20 फीट ऊंचे कट आउट के सामने लोगों ने हाथों में काले झंडे लेकर के स्थानीय विधायक तथा राज्य सरकार के खिलाफ काले झंडे दिखा करके नारेबाजी की। संघर्ष समिति के संयोजक रामप्रसाद चौधरी तथा अध्यक्ष दुर्गा लाल राजोरा ने बताया कि बुधवार को शाहपुरा में कहार समाज द्वारा आक्रोश रैली निकाली गई तथा तहसीलदार उत्तम चंद जांगिड़ को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंप करके शाहपुरा का दर्जा वापस बहाल करने की मांग की गई। रैली जब उपखंड कार्यालय के बाहर पहुंची तब मंडल सांगानेर मेगा हाईवे के डिवाइडर के किनारे मानव श्रृंखला बनाने के दौरान थाना अधिकारी तथा आंदोलनकारी के बीच तीखी नोंकझोक हो गई।आक्रोषित आंदोलनकारियो ने उपखंड कार्यालय के बाहर पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वही संघर्ष समिति में बताया कि 28 जनवरी को शाहपुरा में काला दिवस के तौर पर मनाया जाएगा। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अशोक भारद्वाज, अखिल व्यास जिला हार्डवेयर संगठन के महामंत्री हाजी उस्मान छिपा, आप मुस्लिम समाज के सदर तथा पार्षद हामिद खान कायमखानी, व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष लालू राम जागेटिया, पूर्व पार्षद भगवान सिंह यादव, वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल शर्मा, दिनेश चंद्र व्यास, त्रिलोकचंद नौलखा, सुनील शर्मा, नमन ओझा सहित कई जने मौजूद थे।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने विद्याधर नगर जोन में ली समीक्षा बैठक, जन समस्याओं के समाधान के दिये निर्देश

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बुधवार को विद्याधर नगर जोन कार्यालय में वार्ड वाइज समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में महापौर ने पिछले चार वर्षों में हुए विकास कार्यों की समीक्षा की और क्षेत्र की जन समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। बैठक में जोन चेयरमैन, पार्षद, उपायुक्त मनोज कुमार वर्मा, एसई नितिन शर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और आमजन मौजूद रहे। करीब तीन घंटे तक चली इस बैठक में महापौर ने वार्डों में खराब पड़ी लाइटों को 15 दिनों में ठीक कराने और नई लाइटें लगाने, सड़कों के गड्ढे भरने, पेचवर्क करवाने, नालों की सफाई, खुले चैंबर की मरम्मत, सीवरेज व्यवस्था को दुरुस्त करने और आवारा पशुओं पर कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने अतिक्रमण हटाने और पेड़ों की छंटाई जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की। महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आमजन को सभी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं और समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के साथ किया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि नगर निगम का लक्ष्य सबका साथ, सबका विकास है और इसे धरातल पर उतारने के लिए पूरी पारदर्शिता और तत्परता से काम किया जाएगा। गौरतलब है कि महापौर ने हाल ही में मुरलीपुरा जोन में भी जनसुनवाई आयोजित कर आमजन की समस्याओं को सुना था और उनके समाधान के निर्देश दिए थे। बैठक में पार्षदों ने वार्डों की विभिन्न समस्याओं को उठाया, जिन पर महापौर ने संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के लिए कहा।

संपादकीय .....

रेबड़ियों पर केंद्रित होता दिल्ली विधानसभा चुनाव

देश की राजधानी दिल्ली में चुनावी घमासान के बीच रेबड़ी बांटने की प्रतिस्पर्धा सी चलती दिखाई दे रही है। इससे ऐसा लगता है कि अब दिल्ली राज्य की सत्ता तक पहुँचने का मार्ग केवल रेबड़ी ही है। दिल्ली राज्य के लिए होने वाले चुनाव के लिए सभी राजनीतिक दल मतदाताओं के लिए लोक लुभावन तरीके से अपने पिटारे से रेबड़ी बांटने की योजना जनता के बीच बता रहे हैं। इसके लिए आम आदमी पार्टी तो पहले से ही अपने पिटारे को खोलकर बैठी है। अब इसमें कांग्रेस और भाजपा भी अपने कदमों को उसी ओर बढ़ाने की ओर प्रवृत हुई है, जिस ओर आदमी पार्टी जाती रही है। लेकिन एक तथ्य ध्यान देने योग्य माना जा सकता है कि आम आदमी पार्टी के पास कुछ भी नया नहीं है, क्योंकि वह पिछले चार विधानसभा चुनावों से इस राह पर चल रही है। मुफ्त में देने के वादे करना एक प्रकार से आम आदमी पार्टी की फितरत ही बन गई है। इससे अलग अपेक्षा भी नहीं की जा सकती, क्योंकि यह मार्ग उसके लिए लाभकारी साबित रहा है। इसलिए आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल इस बार यह पूरा विश्वास है कि इस बार भी बाजी उन्हीं के हाथ लगेगी।

वर्तमान में दिल्ली राज्य के लिए हो रहे चुनाव प्रचार में राजनीतिक दलों के नेताओं की ओर से जो स्वर मुख़रित हो रहे हैं, उन स्वरों में केवल रेबड़ी की ध्वनि ही गुंजायमान हो रही है। ऐसा लगता है कि अब दिल्ली की जनता रेबड़ी लूटने की आदी हो चुकी है। इसका राजनीतिक आशय यह भी निकाला जा सकता है कि अपना नायक चुनने के लिए किसकी रेबड़ी स्वार्थ की पूर्ति करने वाली है, यह ही देखा जाएगा। इस कवायद को लालच देकर वोट प्राप्त करने का एक माध्यम भी माना जा सकता है, क्योंकि जनता को मुफ्त में खजाना लुटाना किसी भी प्रकार से न्याय संगत नहीं माना जा सकता। क्योंकि इसका बोझ उस समाज पर आता है, जो योजना का लाभ लेने के पात्र नहीं होते। हालांकि सरकार द्वारा आम जनता का ध्यान रखना चाहिए, लेकिन इसके लिए मुफ्त की योजना के अलावा अन्य तरीके अपनाए जाएं तो बेहतर होगा। नहीं तो एक दिन ऐसा भी आ सकता है कि यही योजनाएं विकास की योजनाएं न होकर विनाशकारी मार्ग तैयार कर सकती हैं।

दिल्ली में एक दशक पहले भाजपा और कांग्रेस के बीच ही चुनावी लड़ाई होती रही थी, लेकिन कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार के विरोध में एक धूमकेतु की तरह अरविन्द केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी का गठन कर दिया और लोक लुभावने वादे करके आम जनता का छप्पर फाड़ समर्थन प्राप्त करके दिल्ली के सिंहासन को अपने कब्जे में ले लिया। इस चुनाव में बहुकोणीय मुकाबला होने की झलक दिखाई दे रही है। आम आदमी पार्टी ने गठबंधन को धता बताकर अपने आपको फिर से मैदान में उतारा है, लेकिन उसकी सबसे बड़ी परेशानी यह है कि उसके नेता अरविन्द केजरीवाल पर भ्रष्टाचार करने का आरोप है। साथ ही ऐसा कहना भी समुचित ही होगा कि केजरीवाल की कथनी और करनी में ज़मीन आसमान का अंतर है।

साहसी व पराक्रमी योद्धा थे नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वारा दिया गया जय हिन्द का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया। तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा का नारा भी उनका उस समय अत्यधिक प्रचलन में आया। आजादी की जंग में प्रमुख भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और महान क्रांतिकारी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 23 जनवरी को 127 वीं जयंती मनाई जा रही है। उनकी जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनका पूरा जीवन ही साहस व पराक्रम का उदाहरण है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा में कटक के एक संपन्न बंगाली परिवार में हुआ था। बोस के पिता का नाम जानकीनाथ बोस और मां का नाम प्रभावती था। जानकीनाथ बोस कटक शहर के मशहूर वकील थे। प्रभावती और जानकीनाथ बोस की कुल मिलाकर 14 संतानें थी, जिसमें 6 बेटियां और 8 बेटे थे। सुभाष चंद्र उनकी नौवीं संतान और पांचवें बेटे थे। नेताजी ने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई कटक के रेवेंशॉव कॉलेजिएट स्कूल में हुई। तत्पश्चात् उनकी शिक्षा कलकत्ता के प्रेजिडेंसी कॉलेज और स्कॉटिश चर्च कॉलेज से हुई। उनको उन्होने इंग्लैंड के केंब्रिज विश्वविद्यालय से सिविल सर्विस की परीक्षा में चौथा स्थान प्राप्त किया था।

1921 में भारत में बढ़ती राजनीतिक गतिविधियों का समाचार पाकर बोस ने सिविल सर्विस की सरकारी नौकरी छोड़ कर कांग्रेस से जुड़ गए। 1928 में जब साइमन कमीशन भारत आया तब कांग्रेस ने उसे काले झण्डे दिखाये। कोलकाता में नेताजी ने इस आन्दोलन का नेतृत्व किया। साइमन कमीशन को जवाब देने के लिये कांग्रेस ने भारत का भावी संविधान बनाने का काम आठ सदस्यीय आयोग को सौंपा। मोतीलाल नेहरू इस आयोग के अध्यक्ष और सुभाष बोस उसके एक सदस्य थे।

26 जनवरी 1931 को कोलकाता में राष्ट्र ध्वज फहराकर सुभाष एक विशाल मोर्चे का नेतृत्व कर रहे थे तभी पुलिस ने उनको जेल भेज दिया। जब सुभाष बोस जेल में थे तब गांधी जी ने अंग्रेज सरकार से समझौता किया और सब कैदियों को रिहा करवा दिया। लेकिन अंग्रेज सरकार ने सरदार भगत सिंह जैसे क्रान्तिकारियों को रिहा करने से साफ इन्कार कर दिया। भगत सिंह की फांसी माफ कराने के लिये गांधी जी ने सरकार से बात तो की परन्तु नरमी के साथ। सुभाष चाहते थे कि इस विषय पर गांधीजी अंग्रेज सरकार के साथ किया गया समझौता तोड़ दें। लेकिन गांधीजी अपना वचन तोडने को राजी नहीं थे। अंग्रेज सरकार द्वारा भगत सिंह व उनके साथियों को फांसी दे दी गयी। भगत सिंह को बचा नहीं पाने पर सुभाष बोस गांधीजी और कांग्रेस से बहुत नाराज हो गये।

1930 में सुभाष कारावास में रहते हुये ही कोलकाता महापौर का चुनाव जीतने पर सरकार उन्हें रिहा करने पर मजबूर हो गयी। 1932 में सुभाष को फिर से कारावास हुआ। इस बार उन्हें अल्मोड़ा जेल में रखा गया। अल्मोड़ा जेल में उनकी तबियत फिर से खराब होने पर सुभाष इलाज के लिये यूरोप चले गये। सन् 1933 से लेकर 1936 तक सुभाष यूरोप में रहे। यूरोप में सुभाष इटली के नेता मुसोलिनी से मिले। जिन्होंने उन्हें भारत के स्वतन्त्रता संग्राम में सहायता करने का वचन दिया।

1938 में गांधीजी ने कांग्रेस के हरिपुरा वार्षिक अधिवेशन में अध्यक्ष पद के लिए सुभाष को चुना तो था मगर उन्हें उनकी कार्यपद्धति पसन्द नहीं आयी। इसी दौरान यूरोप में द्वितीय विश्वयुद्ध के बादल छा गए थे। सुभाष चाहते थे कि इंग्लैंड की इस कठिनाई का लाभ उठाकर भारत का स्वतन्त्रता संग्राम अधिक तीव्र किया जाये। उन्होंने अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में इस ओर कदम उठाना भी शुरू कर दिया था। परन्तु गांधीजी इससे सहमत नहीं थे। 1939 में जब नया कांग्रेस अध्यक्ष चुनने का वक्त आया तब सुभाष चाहते थे कि कोई ऐसा व्यक्ति अध्यक्ष बनाया जाये जो इस मामले में किसी दबाव के आगे बिल्कुल न झुके। ऐसा किसी दूसरे व्यक्ति के सामने न आने पर सुभाष ने स्वयं कांग्रेस अध्यक्ष बने रहना चाहा। लेकिन गांधीजी उन्हें अध्यक्ष पद से हटाना चाहते थे। गांधीजी ने अध्यक्ष पद के लिये पट्टाभि सीतारमैया को चुना। बहुत बरसों बाद कांग्रेस पार्टी में अध्यक्ष पद के लिये चुनाव हुआ।

चुनाव में नेताजी सुभाष को 1580 मत व सीतारमैय्या को 1377 मत मिले। गांधीजी के विरोध के बावजूद सुभाष बाबू 203 मतों से चुनाव जीत गये। गांधीजी ने पट्टाभि सीतारमैय्या की हार को अपनी हार बबताया। इसके बाद कांग्रेस कार्यकारिणी के 14 में से 12 सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया। 3 मई 1939 को सुभाष ने फॉरवर्ड ब्लॉक के नाम से अपनी पार्टी की स्थापना की। सुभाष चंद्र बोस ने 1937 में अपनी सेक्रेटरी और ऑस्ट्रियन युवती एमिली से शादी की। उन दोनों की अनीता नाम की एक बेटी भी हुई। जर्मनी जाकर नेताजी हिटलर से मिले। 1943 में उन्होने जर्मनी छोड़ दिया। वहां से वह जापान पहुंचे। जापान से वह सिंगापुर पहुंचे। जहां उन्होंने कैप्टन मोहन सिंह द्वारा स्थापित आजाद हिंद फौज की कमान अपने हाथों में ले ली। उस वक्त रास बिहारी बोस आजाद हिंद फौज के नेता थे। उन्होंने आजाद हिंद फौज का पुनर्गठन किया। महिलाओं के लिए रानी झांसी रेजिमेंट का भी गठन किया लक्ष्मी सहगल जिसकी कैप्टन बनी।

नेताजी के नाम से प्रसिद्ध सुभाष चन्द्र ने सशक्त क्रान्ति द्वारा भारत को स्वतंत्र कराने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर 1943 को आजाद हिन्द सरकार की स्थापना की जिसे जर्मनी, जापान, फिलीपींस, कोरिया, चीन, इटली, मान्चुको और आयरलैंड ने मान्यता दी। आजाद हिन्द फौज के प्रतीक चिह्न पर एक झंडे पर दहाड़ते हुए बाघ का चित्र बना होता था। नेताजी अपनी आजाद हिंद फौज के साथ 4 जुलाई 1944 को बर्मा पहुँचे। यहीं पर उन्होंने अपना प्रसिद्ध नारा, तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा दिया। खून भी एक दो बूँद नहीं इतना कि खून का एक महासागर तैयार हो जाये और उसमें मैं ब्रिटिश साम्राज्य को डूबो सकूं। 1944 को आजाद हिन्द फौज ने अंग्रेजों पर दोबारा आक्रमण किया और कुछ भारतीय प्रदेशों को अंग्रेजों से मुक्त भी करा लिया।

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान आजाद हिन्द फौज ने जापानी सेना के सहयोग से भारत पर आक्रमण किया। अपनी फौज को प्रेरित करने के लिये नेताजी ने दिल्ली चलो का नारा दिया। दोनों फौजों ने अंग्रेजों से अंदमान और निकोबार द्वीप जीत लिये। यह द्वीप आजाद-हिन्द सरकार के नियंत्रण में रहे। नेताजी ने इन द्वीपों को शहीद द्वीप और स्वराज द्वीप का नया नाम दिया। दोनों फौजों ने मिलकर इंफाल और कोहिमा पर आक्रमण किया। लेकिन बाद में अंग्रेजों का पलड़ा भारी पड़ा और दोनों फौजों को पीछे हटना पड़ा।

6 जुलाई 1944 को आजाद हिन्द रेडियो पर अपने भाषण के माध्यम से नेताजी ने गांधी जी को पहली बार राष्ट्रपिता बुलाकर अपनी जंग के लिये उनका आशीर्वाद भी मांगा। आजाद हिन्द फौज के माध्यम से भारत को अंग्रेजों के चंगुल से आजाद करने का नेताजी का प्रयास प्रत्यक्ष रूप में सफल नहीं हो सका। किन्तु उसका दूरगामी परिणाम हुआ। सन् 1946 के नौसेना विद्रोह इसका उदाहरण है। नौसेना विद्रोह के बाद ही ब्रिटेन को विश्वास हो गया कि अब भारत में सेना के बल पर शासन नहीं किया जा सकता और भारत को स्वतन्त्र करने के अलावा उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा।

विश्व इतिहास में आजाद हिंद फौज जैसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। जहां 30-35 हजार युद्ध बंदियों को संगठित, प्रशिक्षित कर अंग्रेजों को पराजित किया। पूर्व एशिया और जापान पहुंच कर उन्होंने आजाद हिन्द फौज का विस्तार करना शुरू किया। रंगून के जुबली हॉल में सुभाष चंद्र बोस द्वारा दिया गया भाषण सदैव के लिए इतिहास के पत्रों में अंकित हो गया। नेताजी की मृत्यु के संबध में विवाद बना हुआ है कि 18 अगस्त 1945 के बाद का सुभाषचन्द्र बोस का जीवन-मृत्यु आज तक अनसुलझा रहस्य बना हुआ है।

- रमेश सर्राफ धमोरा

-ये लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं

समसामयिक

केजी से पीजी तक फ्री एजुकेशन और मुफ्त इलाज कब होगा सपना पूरा

भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर 21 जनवरी 2025 को जारी किए गए अपने दूसरे संकल्प पत्र में यह वादा किया है कि दिल्ली की सत्ता में आने पर पार्टी जरूरतमंद छात्रों को केजी से पीजी तक फ्री शिक्षा देगी। इस पर पलटवार करते हुए आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि दिल्ली की सत्ता में आने पर भाजपा मुफ्त शिक्षा और मुफ्त इलाज बंद कर देगी।

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से अलग हटकर देखा जाए तो फ्री एजुकेशन का यह मसला अपने आप में बहुत ही गंभीर मसला है और दुर्भाग्य से इस परिस्थिति के लिए इस देश के सभी राजनीतिक दल जिम्मेदार है। आज कोई भी राष्ट्रीय या बड़ा क्षेत्रीय दल सार्वजनिक शिक्षा और स्वास्थ्य की बदहाली के लिए अपने आपको जिम्मेदार से मुक्त नहीं बता सकता है क्योंकि लगभग सभी राजनीतिक दलों ने कभी न कभी सत्ता का सुख जरूर भोगा है। गठबंधन राजनीति के दौर में, देश की राजनीति में सक्रिय ज्यादातर राजनीतिक दल या तो केंद्र की सत्ता में भागीदार रहे हैं या किसी ना किसी राज्य में सरकार चला चुके हैं या वर्तमान में भी चला रहे हैं।

वास्तविकता तो यह है कि भारत जैसे कल्याणकारी राज्य में मुफ्त शिक्षा और मुफ्त इलाज जैसे बेसिक दायित्वों से लगभग सभी सरकारों ने पल्ला झाड़ लिया है। मुफ्त शिक्षा में कई तरह की शर्तें लगा दी गई हैं। सरकारी स्कूलों की हालत हर गुजरते दिन के साथ खराब होती जा रही है। देश की राजधानी दिल्ली के सरकारी स्कूलों में जब साइंस और मैथ्स जैसे विषयों के अध्यापकों की भारी कमी है तो देश के अन्य राज्यों के स्कूलों का अंदाजा आप लगा सकते हैं। देशभर के सरकारी स्कूलों में मिलने वाली ड्रेस की गुणवत्ता और किताबों पर लगातार सवाल उठते रहते हैं। एनसीईआरटी तो समय पर किताब छपवाना ही भूल गई है। मिड डे मील ने तो स्कूलों में पढ़ाई की हालत और ज्यादा खराब कर दी है लेकिन इसके विकल्प की भी कोई तलाश नहीं की जा रही है।

सरकारी अस्पतालों की हालत भी कितनी दयनीय हो चुकी है, यह सब जानते हैं।

दिल्ली के एम्स जैसे अस्पताल में भी ऑपरेशन की डेट कई-कई साल बाद मिलने की खबरें लगातार आती हैं। एम्स और सफदरजंग जैसे अस्पतालों के इर्द-गिर्द खुल चुके सैकडों प्राइवेट लैब्स यह बताने के लिए काफी है कि इन दोनों सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज की आस में आने वाले लोगों को हजारों रुपए खर्च कर बाहर से ही जांच करवाना पड़ता है। सरकारी अस्पताल में पूरी दवाई मिल जाए, इसकी उम्मीद तो अब लोग वर्षों पहले ही छोड़ चुके हैं लेकिन अब उचित जांच और उचित इलाज की उम्मीद भी दम तोड़ती नजर आ रही है। जब दिल्ली के सरकारी अस्पतालों की हालत इतनी खराब है तो आप देश के अन्य राज्यों के सरकारी अस्पतालों की दुर्दशा का अंदाजा बखूबी लगा सकते हैं।

विडंबना देखिए कि, सरकारों ने इस बारे में अब सोचना तक छोड़ दिया है, कार्रवाई के बारे में तो भूल ही जाइए। आंकड़े बताते हैं कि देश में डॉक्टरों की बड़े पैमाने पर कमी है लेकिन एमबीबीएस जैसे बेसिक डॉक्टरी की पढ़ाई पर भी सरकार का फोकस नहीं है , जिससे इस कमी को दूर किया जा सकता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले साल 13 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा को क्वॉलिफाई किया था लेकिन देश में एमबीबीएस की सीटें एक लाख 8 हजार के लगभग ही है। इसमें से भी सरकारी सीटें सिर्फ 56 हजार के लगभग ही है। प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में एक साल की फीस एक से डेढ़ करोड़ के बीच है यानी एमबीबीएस की चार सालों की पढ़ाई के लिए प्राइवेट कॉलेजों में 4 करोड़ से लेकर 6 करोड़ तक सिर्फ फीस ही देनी होगी। अब इसमें बाकी खर्चों को भी जोड़ लीजिए। सोचिए, इस हालत में भला मिडिल क्लास का कौन सा परिवार अपने बच्चों को डॉक्टर बनाने के बारे में सोच सकता है ?

सरकारों ने लोगों को मुफ्त और उचित इलाज नहीं दे पाने की अपनी नाकामी को छिपाने के लिए बीमा योजनाओं का सहारा लेना शुरू कर दिया है। जिन योजनाओं का फायदा आम लोगों से ज्यादा प्राइवेट अस्पतालों को ही हो रहा है।

फ्री, फ्री और रेवड़ियों के इस दौर में सरकारों ने अपनी प्राथमिक जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ लिया है। यह अपने आप में सबसे बड़ी चिंता का विषय है। लेकिन कभी न कभी तो इस देश के बड़े तबके खासतौर से लाभार्थी वर्ग के लोगों को आगे बढ़कर सरकारों से और राजनीतिक दलों से यह कहना ही होगा कि, ÷आप हमें बेवकूफ बनाना बंद कीजिए। सरकारी स्कूलों एवं कॉलेजों की हालत ठीक कीजिए, सरकारी अस्पतालों की हालत ठीक कीजिए, अध्यापकों और डॉक्टरों की कमी को दूर कीजिए, बिना किसी भेदभाव के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले सभी बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा और सरकारी अस्पतालों में जाने वाले सभी लोगों के लिए मुफ्त इलाज की व्यवस्था को हर कीमत पर और हर हाल में सुनिश्चित कीजिए।

-संतोष पाठक

-ये लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से अलग हटकर देखा जाए तो फ्री एजुकेशन का यह मसला अपने आप में बहुत ही गंभीर मसला है और दुर्भाग्य से इस परिस्थिति के लिए इस देश के सभी राजनीतिक दल जिम्मेदार है। आज कोई भी राष्ट्रीय या बड़ा क्षेत्रीय दल सार्वजनिक शिक्षा और स्वास्थ्य की बदहाली के लिए अपने आपको जिम्मेदार से मुक्त नहीं बता सकता है क्योंकि लगभग सभी राजनीतिक दलों ने कभी न कभी सत्ता का सुख जरूर भोगा है। गठबंधन राजनीति के दौर में, देश की राजनीति में सक्रिय ज्यादातर राजनीतिक दल या तो केंद्र की सत्ता में भागीदार रहे हैं या किसी ना किसी राज्य में सरकार चला चुके हैं या वर्तमान में भी चला रहे हैं।

शख्सियत

नेताजी के प्रेरक प्रसंग सदैव रहेंगे प्रासंगिक

असाधारण कौशल नेतृत्व करने वाले करिश्माई सुभाष चंद्र बोस उर्फ 'नेताजी' की आज 128वीं जयंती हैं। उनके योगदान को आज पूरा देश याद कर रहा है। जन्म 23 जनवरी, 1897 को कटक, उड़ीसा में हुआ था। बोस के प्रेरक वचनों को मौजूदा समय के लोग क्या, आने वाली पीढ़ियां भी अनवरत अनुसरण करती रहेंगी। उनके व्यक्तित्व के संबंध में जितनी भी व्याख्याएं शब्दों से जाएं, कमतर हांगी। क्योंकि ऐसे महापुरूष विरले धरा पर आते हैं। बोस के अवतरण ने इस धरती को भी गौरवांतित किया था। वो ऐसे भारतीय राष्ट्रवादी योद्धा थे, जो देशभक्ति की अलख जगाने में असंख्यक लोगों के दिलों में अमिट छाप छोड़कर गए। उनकी नेतृत्व क्षमता से महात्मा गांधी बहुत प्रभावित थे, तभी उनको बड़ी जिम्मेदारी दीं। प्रत्येक जिम्मेदारियों को उन्होंने बखूबी निभाया। बोस ने अपने विचारों से देश के युवाओं को प्रेरित किया था। बोस कहते थे कि अगर जीवन में संघर्ष न हो, तो जीवन का अर्थ नहीं? उन्होंने कहा था, व्यक्ति के अंदर सनक नहीं होगी, तो वह महान नहीं बनेगा। बोस का एक प्रेरक प्रसंग जिसे लोगों ने अपने जीवन में उतारा, वह ये है 'अगर कभी झुकने की नौबत आए, तब भी वीरों की तरह ही झुकना।

नेताजी द्वारा गठित 'आजाद हिंद फौज' ने आजादी की लड़ाई को बड़ा संबल दिया। उनका प्रसिद्ध नारा 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा', बोलने मात्र से हमारे भीतर नई चेतना जगाता है। उनसे जुड़ी कई घटनाएं ऐसी हैं जो चमत्कारी और अद्भुत रही। अव्वल तो उनकी मौत? जो रहस्यमय तरीके से 18 अगस्त, 1945 को एक विमान दुर्घटना में हुई। बोस की मौत कब तक संसार के लिए पहेली रहेगी, जिसकी तारीख-दिन शायद कभी मुकर्रर हो? मौत को लेकर कई तरह के भ्रम हैं। कोई कहता है विमान के जलने से उनकी मृत्यु ताइवान के अस्पताल में हुई? कोई कहता है वह उसके बाद भी जीवित रहे, लेकिन दुनिया के सामने नहीं आए? आजादी से लेकर अब तक की सरकारों ने भी कोई स्थिति स्पष्ट नहीं कीं।

बहरहाल, प्रेरणा के लिए बोस का संपूर्ण जीवनकाल न सिर्फ भारतीयों के लिए, बल्कि समूचे संसार के लिए किताब जैसा है। उन्हें जितना पढ़ेंगे, उतना ही ज्ञानवान होंगे। सुभाष चंद्र बोस सबसे प्रभावशाली स्वतंत्रता सेनानी नेताओं में गिने जाते थे। 'जय हिंद' और 'दिल्ली चलो' के नारों ने अंग्रेजों के पसीने छुडा दिए थे। उनके आह्वान मात्र से लोगों की भीड़ एकत्र हो जाती थी। जबकि, मौजूदा समय के विभिन्न दलों के राजनेता भाड़े से बुलाकर भी उतने लोग अपनी सभाओं में खडा नहीं कर पाते? ये तथ्यात्मक है कि आजाद हिंद फौज के गठन से भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को कोई नहीं भुला सकता। बोस स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए अपनाए गए अपने उदारवादी दृष्टिकोण और समाजवादी नीतियों के लिए जाने जाते थे। उनके शुरुआत से लेकर अंत तक के जीवन पर प्रकाश डालें, तो नेताजी के पिता कटक के सफल अधिवक्ता हुआ करते थे जिन्हें 'राय बहादुर' के नाम से भी जानते थे। बोस की शुरुआती शिक्षा कटक के ही प्रोटेस्टेंट यूरोपियन स्कूल में हुई थी। बाद में उन्होंने प्रेसीडेंसी कॉलेज से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उम्र जब 16 वर्ष की हुई तो स्वामी विवेकानन्द और रामकृष्ण की रचनाओं को पढ़ना शुरू किया जिससे वह काफी प्रभावित हुए। यहीं से उनका जीवन बदल गया। नेताजी सिविल सेवा करना चाहते थे जिसकी तैयारी के लिए इंग्लैंड के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय चले गए। वर्ष-1920 में उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण की। इसी बीच अप्रैल 1921 में, भारत में राष्ट्रवादी उथल-पुथल होना शुरू हुआ, जिसको देखकर उन्होंने अपनी नौकरी नहीं, बल्कि देश आजाद करने का निर्णय लेकर भारत वापस आ गए। भारत आकर तुरंत 'असहयोग आंदोलन' से जुड़ गए। आंदोलन के दौरान, उन्हें महात्मा गांधी ने चितरंजन दास के अधीन कार्य करने की जिम्मेदारी सौंपी। जो उनके राजनीतिक गुरु भी बने। उसके बाद, वह बंगाल कांग्रेस स्वयंसेवकों के युवा शिक्षक और कमांडेंट भी बनाए गए। कुछ सालों तक वह 'स्वराज' नामक समाचार पत्र का प्रकाशन भी किया। आजादी के लड़ाई में उन्हें जेल भी जाना पड़ा। सन 1927 में जब जेल से रिहा हुए तो, कांग्रेस पार्टी के महासचिव बने और स्वतंत्रता के लिए जवाहरलाल नेहरू के साथ काम करना आरंभ किया। बोस कम उम्र से ही सफलता की सीढ़ियां तेजी से चढ़ते गए। उनके बढ़ते कदम अन्य नेताओं को असहज करने लगे थे। 1938 में उनको भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया। तब उन्होंने एक 'राष्ट्रीय योजना समिति' का गठन किया, जिसमें व्यापक स्तर पर औद्योगीकरण नीतियां तैयार की गईं। 23 जनवरी वह तारीख है जिस दिन बोस के योगदान की भूमिकाओं को हम याद करते हैं। आज उनकी 128वीं जयंती पर उन्हें पूरा देश याद करेगा।

मुंबई छोड़ने वाले बयान पर क्या अनुराग कश्यप ने लिया यू-टर्न

कुछ दिन पहले अनुराग कश्यप ने कहा था कि उनमें अब लड़ने की ताकत खत्म हो गई है। वह बॉलीवुड वालों से परेशान हैं इसलिए अब मुंबई छोड़कर साउथ में बस जाएंगे। इस फैसले के पीछे अनुराग ने कई कारण गिना दिए थे। हाल ही में अनुराग कश्यप ने अपने मुंबई छोड़ने वाले बयान पर एक नई बात कह दी है। वह मुंबई को अपनी कर्म भूमि बता रहे हैं। तो क्या अब वह मुंबई नहीं छोड़ने वाले हैं? क्या कहा है, अपने नए बयान में अनुराग कश्यप ने।

अनुराग ने नए बयान में क्या कहा

हाल ही में अनुराग कश्यप को फिल्म 'सत्या' की री रिलीज की स्क्रीनिंग पर देखा गया। इस मौके पर मीडिया से बातचीत करते हुए अनुराग ने मुंबई छोड़ने वाले अपने बयान पर फिर से बात की। वह कहते हैं, 'हां, मैं जा रहा हूं, बाहर रहूंगा लेकिन कर्म भूमि तो यही है। बस मेरी रहने वाली जगह अब अलग होगी।' इस तरह से अनुराग ने साफ कर दिया कि वह मुंबई तो पक्का छोड़ रहे हैं लेकिन बॉलीवुड में फिल्में करते रहेंगे। अनुराग के लिए हमेशा ही मुंबई, बॉलीवुड उनकी कर्मभूमि रहेगी।

क्या है डायरेक्टर की नाराजगी की वजह

अनुराग कश्यप बॉलीवुड से इसलिए नाराज है कि उन्हें अपने हिसाब से काम करने को नहीं मिल रहा है। साथ ही उनकी पांच फिल्में भी अटकी पड़ी हैं। पिछले दिनों अनुराग ने इस बारे में भी बताया था। दरअसल, साल 2023 में अनुराग की फिल्म 'कैनेडी' को कान फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था, जहां इसकी काफी तारीफ हुई। लेकिन तब से यह फिल्म रिलीज नहीं हुई है। इस बात का अनुराग को दुख है। वह कहते हैं, 'मैंने पांच फिल्में बनाई है, जो अब तक रिलीज नहीं हो पाई हैं। 'कैनेडी' फिल्म तो ऐसे लोगों के पास है, जिन्होंने आजतक फिल्म नहीं बनाई। स्टूडियो वाले कहते हैं कि आप अपनी हिस्सेदारी बढ़ाओ, पैसा कमाओ और मुनाफा लाओ।'

स्टार के बिहेवियर से भी दिक्कत

पिछले दिनों मुंबई छोड़ने के अपने बयान के साथ ही अनुराग कश्यप ने बॉलीवुड के वर्किंग कल्चर, स्टार के बिहेवियर पर भी बात की थी। अनुराग ने कहा- 'हिंदी फिल्मों में हर एक्टर को स्टार ट्रीटमेंट चाहिए। ऐसे में फिल्में बनाना काफी मुश्किल हो जाता है। जबकि साउथ इंडस्ट्री में ऐसा नहीं है, बड़े से बड़ा एक्टर फिल्म के बाकी लोगों की तरह ही खुद को ट्रीट करता है।' इन दिनों अनुराग साउथ फिल्मों में एक्टिंग भी कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पॉपुलैरिटी में श्रद्धा कपूर नंबर वन

बॉलीवुड के सितारों को दुनियाभर में पसंद करने वाले लाखों-करोड़ों लोग हैं। उनके फैंस सोशल मीडिया के माध्यम से उनसे जुड़े रहते हैं और उनसे जुड़ी हर छोटी-बड़ी अपडेट यहीं से प्राप्त करते हैं। स्टार्स और फैंस के बीच सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक पुल का काम करता है। पॉपुलैरिटी के मामले में इन स्टार्स के बच्चे भी किसी से कम नहीं हैं, सोशल मीडिया पर इन्होंने भी अपनी तगड़ी फैन फॉलोइंग जुटा रखी है। आइए जानते हैं बॉलीवुड के स्टार किड्स के सोशल मीडिया पर कितने फॉलोअर्स है।

श्रद्धा कपूर

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता शक्ति कपूर की बेटी श्रद्धा कपूर ने इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना ली है। अपनी अदाकारी और खूबसूरती के दम पर उन्होंने लाखों फैंस बनाए हैं। श्रद्धा के इंस्टाग्राम फॉलोअर्स की बात करें तो उनके 94.3 मिलियन फॉलोअर्स हैं। 'स्त्री 2' के रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर तेजी के साथ उनके प्रशंसक बढ़े हैं।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट की गिनती आज बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में होती है। अभिनेत्री ने इंडस्ट्री में महेश भट्ट की बेटी के पहचान के साथ कदम रखा था, लेकिन अपनी मेहनत और एक्टिंग के दम पर अपनी पहचान बनाई। आज आलिया भट्ट के लाखों-करोड़ों चाहने वाले हैं। इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री ने कुल 86.2 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

वरुण धवन

वरुण धवन भी आज बॉलीवुड इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेताओं में गिने जाते हैं। डेविड धवन के बेटे वरुण धवन ने भी सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग जुटाई है। अभिनेता के इंस्टाग्राम पर 46.7 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

सारा अली खान

सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा अली खान के भी सोशल मीडिया पर काफी चाहने वाले हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 45.8 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

जान्हवी कपूर

दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी और बोनी कपूर की बेटी जान्हवी कपूर ने भी इंडस्ट्री में खुद को लगभग स्थापित कर लिया है। अभिनेत्री के सोशल मीडिया पर लाखों दीवाने हैं। एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम पर 26 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

सुहाना खान और आर्यन खान

शाहरुख खान के बेटी सुहाना खान और उनके बेटे आर्यन खान के भी सोशल मीडिया पर फॉलो करने वालों की काफी संख्या है। सुहाना के इंस्टाग्राम पर 6 मिलियन फॉलोअर्स हैं। आर्यन की बात करें तो उनके 3.1 मिलियन फॉलोअर्स इंस्टाग्राम पर हैं।

राशा थडानी

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी की डेब्यू फिल्म 'आजाद' हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। राशा के इंस्टाग्राम फॉलोअर्स की बात करें तो यह 2 मिलियन हैं।

ईशान खट्टर, खुशी कपूर और इब्राहिम अली खान

शाहिद कपूर के भाई ईशान खट्टर के इंस्टाग्राम पर 1.9 मिलियन फॉलोअर्स हैं। श्रीदेवी की छोटी बेटी और जान्हवी कपूरी की बहन खुशी कपूर के 1.7 मिलियन फॉलोअर्स हैं। वहीं, सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान के 1.2 मिलियन फॉलोअर्स इंस्टाग्राम पर हैं।

कार्तिक आर्यन की फिल्म में कैमियो करेंगे ये जवानी है दीवानी के सितारे!

कार्तिक आर्यन ने अपनी अगली फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की घोषणा कर दी है, जिससे प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। वैसे, निर्माताओं ने अभी तक मुख्य नायिका का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री की घोषणा नहीं की है। हालांकि, खबर आ रही है कि में शरवरी वाघ मुख्य भूमिका निभा सकती हैं। वहीं, इस बीच फिल्म के कलाकारों को लेकर एक और दिलचस्प खबर आ रही है।

इन सितारों का फिल्म में होगा कैमियो

रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी मे ये जवानी है दीवानी के सितारे कैमियो करते नजर आएंगे। सभी मुख्य कलाकार एक खास भूमिका के लिए फिल्म में शामिल होंगे। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी है और ये जवानी है दीवानी की तर्ज पर है। ऐसे में निर्माता विशेष प्रस्तुतियों के लिए मूल सितारों को लाने पर विचार कर रहे हैं।

इन मुद्दों पर काम कर रहे निर्माता

रिपोर्ट्स में आगे यह भी बताया गया है कि भले ही ये जवानी है दीवानी के सभी मुख्य कलाकार उपलब्ध न हों, लेकिन निर्माताओं ने उनमें से दो को इसका हिस्सा बनाने की कोशिश करेंगे। यह एक दिलचस्प कैमियो होगा, जो फिल्म को और खास बनाएगा। फिल्म में उन सितारों का कैमियो इस बात पर निर्भर करता है कि उन कलाकारों की तारीखें मेल खानी चाहिए। साथ ही लेखन प्रक्रिया के दौरान इस बात पर खास ध्यान दिया जाएगा कि उन सितारों का फिल्म में सहज परिचय होना चाहिए, न कि जबरदस्ती की भूमिका होनी चाहिए। इन सभी मुद्दों पर टीम ध्यान दे रही है।

आधिकारिक घोषणा का इंतजार

रणबीर कपूर, दीपिका पादुकोण, आदित्य रॉय कपूर और कल्कि केकलां निर्देशक समीर विद्वांस की फिल्म में अपने किरदारों को फिर से जीवंत करने की उम्मीद कर रहे हैं। इस बारे में ज्यादा कुछ साझा नहीं किया गया है, लेकिन इस खबर ने प्रशंसकों को उत्साहित कर दिया है। हाल ही में ये जवानी है दीवानी भी सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हुई है, जिसके बाद से इस फिल्म की यादें ताजा हो गई हैं। हालांकि, इन सितारों का तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में कैमियो होने की खबर पर फिलहाल आधिकारिक मुहर लगनी बाकी है।

तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के बारे में बात करते हुए कार्तिक आर्यन ने एक प्रोमो वीडियो के साथ अगली रोमांटिक-कॉम की घोषणा की। कार्तिक आर्यन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर करण जौहर की प्रतिक्रिया साझा की, जिसमें लिखा था, टपर शुभ मुहूर्त का समय निकला जा रहा है रे... रूमी का बेसब्री से इंतजार है। इस पर कार्तिक ने जवाब दिया, इतना आसानी से थोड़ी मुंह दिखाई हो जाएगी।

इस प्रतिभागी को जीतते देखना चाहती हैं शिल्पा शिरोडकर

चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस 18 दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने के बाद विदा ले रहा है। आज शो के विनर का पता चल जाएगा। दर्शकों की धड़कनें तेज हैं। सभी अपने-अपने पसंदीदा प्रतिभागी की जीत के लिए दुआ कर रहे हैं। शो के शीर्ष छह प्रतियोगी दौड़ में हैं। इनके नाम हैं- अविनाश मिश्रा, ईशा सिंह, चुम दरांग, विवियन डीसेना, करण वीर मेहरा और रजत दलाल। शो के इस सीजन में बतौर प्रतिभागी आईं अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर किसे ट्रॉफी पाते देखना चाहती हैं। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया है।

इस प्रतिभागी का लिया नाम

इस बार के सीजन में शिल्पा शिरोडकर ने भी दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। हालांकि, अब वे शो से बाहर हैं। मगर, आज फाइनल मुकाबले के दौरान वे भी मौजूद रहेंगी। हाल ही में जियो सिनेमा के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया गया है। इसमें शिल्पा कहती दिख रही हैं कि वे करण वीर मेहरा को जीतते हुए देखना चाहती हैं।

शिल्पा ने फैंस का जताया आभार

वीडियो में शिल्पा कहती दिख रही हैं, मैं हूं शिल्पा शिरोडकर। फाइनली, फिनाले का दिन है। मैं जा रही हूं फिनाले के लिए बिग बॉग के सेट पर। मेरे हिसाब से मेरा विनर है करण वीर मेहरा। आपको क्या लगता है? आप भी बताइए। आप सभी ने हमें जो प्यार और इज्जत दी उसके लिए सभी का बहुत-बहुत शुक्रिया।

विजेता को क्या मिलेगा?

शिल्पा के पोस्ट पर यूजर्स के कमेंट की झड़ी लग गई है। करण वीर के बाद यूजर्स सबसे ज्यादा विवियन और रजत दलाल का लिख रहे हैं। विजेता की किस्मत का फैसला अब चंद घंटों में होने वाला है। कथित तौर पर विजेता के नकद पुरस्कार के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं, जो पिछले सीजन की तरह ही 50 लाख रुपये होने की उम्मीद है। ट्रॉफी के बाद विनर को यह राशि मिलेगा।

अजय अंकल की भगत सिंह देखकर हुआ सिनेमा से प्यार, उनकी तरह आंखों से करना चाहता हूं एक्टिंग

बॉलीवुड में नए साल में कई नए एक्टर्स अपने टैलंट के रंग भरने आ रहे हैं। इन्हीं से एक हैं, सुपरस्टार अजय देवगन के भांजे अमन देवगन। अमन निर्देशक अभिषेक कपूर की पीरियड ड्रामा फिल्म आजाद से अपनी फिल्मी पारी शुरू कर रहे हैं।

आप फिल्मी परिवार में पले-बढ़े हैं, लेकिन सिनेमा में ही करियर बनाना है, यह कब तय किया?

ऐसा कोई एक टर्निंग प्वाइंट नहीं था। जब आप एक फिल्मी परिवार में पैदा होते हैं तो माहौल ही ऐसा होता है कि हर वक्त फिल्मों की बातें होती हैं। हालांकि, मुझे याद है कि जब मैंने अंकल (अजय देवगन) की द लेजेंड ऑफ भगत सिंह देखी थी, तब मुझ पर उनकी परफॉर्मेंस का बहुत असर हुआ था। मैं तब बहुत छोटा था और ऐक्टिंग के बारे में ज्यादा समझ नहीं थी, फिर भी जब वे आए थे, मैंने उनसे पूछा था कि आपका कॉस्ट्यूम कहां है? तब मुझे ऐक्टिंग के प्रति आकर्षण महसूस हुआ। फिर, 10वीं पास करने के बाद 15-16 साल की उम्र में मुझे अहसास हो गया कि मुझे ऐक्टिंग ही करना है और मैंने ऐक्टर बनने के लिए जो भी चीजें जरूरी हैं, कोर्स, वर्कशॉप, वह सब करना शुरू किया।

फिल्म में आपके मामा अजय देवगन आपके को-स्टार भी हैं। उनके साथ शूट करने का अनुभव कैसा रहा? और बतौर ऐक्टर और इंसान आप उनकी कौन सी खूबियां अपनाना चाहेंगे?

अंकल के साथ पहले दिन शूट करते वक्त मैं बहुत नर्वस था। मैं बहुत डरा हुआ था, क्योंकि मैं भूल गया था कि वह मेरे अंकल हैं। तब मुझे सुपरस्टार अजय देवगन नजर आ रहे थे, मगर हम ऐक्टर्स के कुछ पैंतरे होते हैं। मैंने थोड़ा ध्यान लगाया, अपने किरदार को पकड़ा और उनको किरदार के तौर पर ही देखा। रही उनकी खूबियों की बात, तो ऐक्टर के तौर पर उनमें एक इंटेंसिटी, एक ठहराव है। वह जिस तरह आंखों से ऐक्टिंग करते हैं, उसका कायल पूरा देश है। मैं खुद भी अपने अंदर यह खूबी लाना चाहूंगा। वहीं, इंसान के रूप में वह बहुत ही प्यारे हैं। इंडस्ट्री में बहुत से लोग उन्हें बॉस कहकर बुलाते हैं, क्योंकि उन्होंने वह सम्मान कमाया है। लोग उनकी बहुत इज्जत करते हैं। वह अपने परिवार को बहुत समय देते हैं। उनका मी टाइम परिवार के साथ वक्त बिताना है। ऐसी बहुत सी क्वॉलिटीज हैं, जो मैं अपनाना चाहूंगा।

आपकी फिल्म आजाद एक पीरियड ड्रामा है। उस दौर की कहानी है, जो आपने देखी नहीं है, तो उस दुनिया का हिस्सा बनना कितना चुनौतीपूर्ण रहा?

सच कहूं तो पहली फिल्म के लिहाज से यह किरदार बहुत चैलेंजिंग था। हम जेन' बच्चे हैं। 2025 में मुंबई जैसे महानगर में रहते हैं। जबकि, यह पीरियड फिल्म है। मेरे किरदार का सोशल स्टेटस भी बहुत अलग है। वह घोड़े की देखभाल करने वाला लड़का है। हमारी बोली भी बिल्कुल अलग थी। हमें बुंदेलखंडी बोलनी थी, जिसके लिए हमारी बहुत सारी क्लासेज हुई, पर फिल्म में मेरे लिए जो सबसे बड़ा चैलेंज था, वो था मेरा कोस्टर-आजाद, जो एक घोड़ा है। वह ऐक्टर नहीं है कि सेट पर आकर लाइन बोलेगा, तो मुझे उसकी एनर्जी पढ़कर उसके हिसाब से सीन को इंप्रोवाइज करना था। इसलिए, मैंने उसके साथ बहुत वक्त बिताया। मैं उसके साथ दो-दो दिन अस्तबल में सोता था। उसको खाना खिलाता था, नहलाता था। उसकी पॉटी भी साफ करता था, ताकि हमारा एक बॉन्ड और कनेक्शन बन जाए। फिर भी, उसके साथ सीन करना आसान नहीं था, क्योंकि वह कभी भी कुछ भी करता था। कभी हिल जाता था, कभी काटने आ जाता था, तो वह काफी चैलेंजिंग था।

फिल्मी परिवार से होने के नाते उस विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी या दबाव महसूस करते हैं?

बिल्कुल, यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। जब आप एक ऐसी लिगेसी का हिस्सा बनते हैं, जिसका इतना बड़ा नाम है तो उसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी होती ही है। इस विरासत को मेरे नाना जी (वीरू देवगन) ने बतौर ऐक्शन डायरेक्टर शुरू किया था। वह पंजाब से मुंबई आए थे, तब उनके पास कुछ नहीं था। वह टैक्सी में सोते थे। उन्होंने लाइटमैन का भी काम किया है और फिर यह विरासत बनाई, जिसे अंकल अजय देवगन ने भी बहुत आगे बढ़ाया तो दबाव बहुत ज्यादा है लेकिन मेरा मानना है कि अगर मैं उस दबाव को बहुत ज्यादा दिल पर ले लूंगा तो अपना काम अच्छे से नहीं कर पाऊंगा। मेरा काम खूब मेहनत करना है, अपने टैलंट पर काम करना है और वह मैं करता रहूंगा।

आपकी पहली फिल्म रिलीज भी नहीं हुई है, मगर दूसरी फिल्म झलक की घोषणा हो गई। आपको नहीं लगता कि यह फिल्मी परिवार से होने का फायदा है?

मैं जितनी ईमानदारी से संभव है, आपको जवाब दूंगा। यह प्रिविलेज निश्चित तौर पर है, मगर हम ऐसे वातावरण में पलते-बढ़ते हैं, जहां बचपन से फिल्में ही देखते हैं। सिनेमा की बातें सुनते हैं तो यह एक बच्चे का सिनेमा के लिए मासूम प्यार होता है कि बड़े होने पर हमें लगता है कि हमें भी यह करना है, क्योंकि हम बचपन से यही देखते आ रहे हैं। बाकी, आखिर में ऑडियंस ही तय करेगी कि आप रहेंगे या नहीं, क्योंकि कोई भी निर्माता आप पर पैसे नहीं लगाएगा, अगर ऑडियंस आपको पसंद नहीं करेगी तो आखिर में ऑडियंस ही राजा है।

देहरादून, देहरादून जिले का मुख्यालय है जो भारत की राजधानी दिल्ली से 230 किलोमीटर दूर दून घाटी में बसा हुआ है। 9 नवंबर, 2000 को उत्तर प्रदेश राज्य को विभाजित कर जब उत्तराखण्ड राज्य का गठन किया गया था, उस समय इसे उत्तराखण्ड (तब उत्तरांचल) की अंतरिम राजधानी बनाया गया। देहरादून नगर पर्यटन, शिक्षा, स्थापत्य, संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। इसका विस्तृत पौराणिक इतिहास है।

प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध

देहरादून

इतिहास

देहरादून का इतिहास कई सौ वर्ष पुराना है। देहरादून से 56 किलोमीटर दूर कालसी के पास स्थित शिलालेख से इस पर तीसरी सदी ईसा पूर्व में सम्राट अशोक का अधिकार होने की सूचना मिलती है। देहरादून ने सदा से ही आक्रमणकारियों को आकर्षित किया है। खलीलुल्लाह खान के नेतृत्व में 1654 में इस पर मुगल सेना ने आक्रमण किया था। सिरमोर के राजा सुभाक प्रकाश की सहायता से खान गढ़वा के राजा पृथ्वी शाह को हराने में सफल रहे। गद्दी से अपदस्थ किए गए राजा को इस शर्त पर गद्दी पर आसीन किया गया कि वे नियमित रूप से मुगल बादशाह शाहजहाँ को कर चुकाया करेंगे। इसे 1772 में गुज्जरों ने लूटा था। तत्कालीन राजा ललत शाह जो पृथ्वी शाह के वंशज थे, की पुत्री की शादी गुलाब सिंह नामक गुज्जर से की गई थी। गुलाब सिंह के पुत्र का नियंत्रण देहरादून पर था और उनके वंशज इस समय भी नगर में मिल सकते हैं। गढ़वाल के राजा ललत शाह के पुत्र प्रदुमन शाह के शासन काल में रोहिल्ला नजीब के पोते गुलाम कादिर के नेतृत्व में अफगानों का आक्रमण हुआ। जिसमें उसने गुरू राम राय के अनुयायियों और शिष्यों को मौत के घाट उतार दिया। जिन लोगों ने हिन्दू धर्म त्यागने का निर्णय लिया, उन्हें छोड़ दिया गया। लेकिन अन्य लोगों के साथ बहुत निमर्मतापूर्वक व्यवहार किया गया। सहारनपुर के राज्यपाल और अफगान प्रमुख नजीबुदौल्ला भी देहरादून को अपने अधिकार में करने के उद्देश्य में सफल रहा उसके बाद देहरादून पर गुज्जरों, सिक्खों, राजपूतों और गोरखाओं के लगातार आक्रमण हुए और यह उपजाऊ और सुंदर भूमि शीघ्र ही बंजर स्थल में बदल गई। 1783 में एक सिक्ख प्रमुख बुघेल सिंह ने देहरादून पर आक्रमण किया और बिना किसी बड़े प्रतिरोध के सहजता से इस क्षेत्र को जीत लिया। 1786 में देहरादून पर गुलाम कादिर का आक्रमण हुआ। उसने पहले हरिद्वार को लूटा और फिर देहरादून पर कहर बरपाया। उसने नगर पर आक्रमण किया और उसे जमकर लूटा तथा बाद में देहरादून को बर्बाद कर दिया। 1801 तक अमर सिंह थापा के नेत्वृत्व में गोरखा ने दून घाटी पर आक्रमण किया और उस पर अधिकार कर लिया। 1814 में नालापानी के लिए अमर सिंह थापा के पोते बालभद्र सिंह थापा के नेत्वृत्व में गोरखा और जनरल जिलेस्पी के नेत्वृत्व में ब्रिटिश के बीच युद्ध हुआ। गोरखाओं ने इस लड़ाई में जमकर बराबरी कि और जनरल समेत कई ब्रिटिश सेनाओं को अपने प्राणों से हाथ धोना पड़ा। इस बीच गोरखाओं को एक असामान्य स्थिति का सामना करना पड़ा और उन्हें नालापानी के किले को छोड़ कर जाना पड़ा। 1815 तक गोरखाओं को हरा कर ब्रिटिश शासन ने इस पूरे क्षेत्र पर अपना अधिकार कर लिया। देहरादून के दो स्मारक प्रसिद्ध हैं। इनमें से एक कलंगा स्मारक का निर्माण ब्रिटिश जनरल गिलेस्पी और उसके अधिकारियों की स्मृति में कराया गया है। दूसरा स्मारक गिलेस्पी से लोहा लेनेवाले कैप्टन बलभद्र सिंह थापा और उनके गोरखा सिपाहियों की स्मृति में बनवाया गया है। कालंगा गढ़ी सहस्त्रधारा सड़क पर स्थित है। घंटा घर से इसकी दूरी 4.5 किलोमीटर है। इसी वर्ष देहरादून तहसील के वर्तमान क्षेत्र को सहारनपुर जिले से जोड़ दिया गया। इसके बाद 1825 में इसे कुमाऊँ मण्डल को हस्तांतरित कर दिया गया। 1828 में अलग-अलग उपायुक्त के प्रभार के अंतर्गत देहरादून और जॉनसार बवार हस्तांतरित कर दिया गया और 1829 में देहरादून जिले को मेरठ खण्ड को हस्तांतरित कर दिया गया। 1842 में देहरादून को सहारनपुर जिले से जोड़ दिया गया और इसे जिलाधीश के अधिनस्थ एक अधिकारी के अधिकार क्षेत्र में रखा गया। 1871 से यह एक अलग जिला है। 1968 में इस जिले को मेरठ खण्ड से अलग करके गढ़वा खण्ड से जोड़ दिया गया।

देहरादून और कुछ महत्वपूर्ण स्थानों के बीच की दूरी

दिल्ली - 240 किमी
यमुनोत्री - 279 किमी
मसूरी - 35 किमी
नैनीताल - 297 किमी
हरिद्वार - 54 किमी
शिमला - 221 किमी
ऋषिकेश - 67 किमी
आगरा - 382 किमी
रुड़की - 43 किमी

रेलः देहरादून उत्तरी रेलवे का एक प्रमुख रेलवे स्टेशन है। यह भारत के लगभग सभी बड़े शहरों से सीधी ट्रेनों से जुड़ा हुआ है। ऐसी कुछ प्रमुख ट्रेनें हैं- हावड़ा- देहरादून एक्सप्रेस, चेन्नई- देहरादून एक्सप्रेस, दिल्ली- देहरादून एक्सप्रेस, बांद्रा- देहरादून एक्सप्रेस, इंदौर- देहरादून एक्सप्रेस आदि।

वायु मार्गः जॉली ग्रांट एयरपोर्ट देहरादून से 25 से किलोमीटर है। यह दिल्ली एयरपोर्ट से अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं। एयर डेकन दोनों एयरपोर्टों के बीच प्रतिदिन वायु सेवा संचालित करती है।

दर्शनीय स्थल

तपकेश्वर मंदिर -यह मंदिर सिटी बस स्टेंड से 5.5 कि.मी. की दूरी पर गढ़ी कैंट क्षेत्र में एक छोटी नदी के किनारे बना है। सड़क मार्ग द्वारा यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है। यहां एक गुफा में स्थित शिवलिंग पर एक चट्टान से पानी की बूंदें टपकती रहती हैं। शिवरात्रि के पर्व पर आयोजित मेले में लोग बड़ी संख्या में यहां एकत्र होते हैं और यहां स्थित शिव मूर्ति पर श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं।

मालसी डियर पार्क-देहरादून से 10 कि.मी. की दूरी पर मसूरी के रास्ते में यह एक सुंदर पर्यटन स्थल है जो शिवालिक श्रंखला की तलहटी में स्थित है। मालसी डियर पार्क एक छोटा सा चिड़ियाघर है जहां बच्चों के लिए प्राकृतिक सौंदर्य से घिरा एक पार्क भी विकसित किया गया है। सुंदर वातावरण के कारण यहां ताजगी का अहसास होता है जिससे यह एक आदर्श दर्शनीय-स्थल और पिकनिक-स्पॉट बन चुका है। सहस्त्रधारा सल्फर मिश्रित पानी का झरना है, जिसका औषधिय महत्व भी है। बाल्दी नदी और यहां की गुफाएं एक रोमांचक दृश्य उत्पन्न करती है। बस स्टेंड से 14 कि.मी. की दूर, यहां नियमित बस सेवा और टैक्सियों द्वारा पहुंचा जा सकता है। यह पिकनिक के लिए एक अच्छा स्थान है।

कलंगा स्मारक-देहरादून-सहस्त्रधारा मार्ग पर स्थित यह स्मारक ब्रिटिशों और गोरखाओं के बीच 180 वर्ष पहले हुए युद्ध में बहादुरी की गाथाएं याद दिलाता है। रिसपाना नदी के किनारे पहाड़ी पर 1000 फुट की ऊंचाई पर बना यह स्मारक गढ़वाली शासकों के इतिहास को दर्शाता है।

लक्ष्मण सिद्ध-ऋषिकेश की ओर देहरादून से 12 कि.मी. दूर यह एक प्रसिद्ध मंदिर है। किवदंती है कि एक साधु ने यहां समाधि ली थी। मंदिर तक सुलभता से पहुंच होने के कारण विशेषकर रविवार को यहां बड़ी संख्या में दर्शनार्थी आते हैं।

चन्द्रबदनी- देहरादून-दिल्ली मार्ग पर देहरादून से 7 कि.मी. दूर यह मंदिर चन्द्रबदनी(गौतम कुंड) के लिए प्रसिद्ध है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस स्थान पर महर्षि गौतम अपनी पत्नी और पुत्री अंजनी के साथ निवास करते थे. इस कारण मंदिर में इनकी पूजा की जाती है। ऐसा कहा जाता है कि स्वर्ग-पुत्री गंगा इसी स्थान पर अवतरित हुई, जो अब गौतम कुंड के नाम से प्रसिद्ध है। प्रत्येक वर्ष श्रद्धालु इस पवित्र कुंड में डुबकी लगाते हैं। मुख्य सड़क से 2 कि.मी. दूर, चारों ओर से शिवालिक पहाड़ियों के मध्य में यह एक सुंदर पर्यटन स्थल है।

साईं दरबार-राजपुर रोड पर शहर से 8 कि.मी. की दूरी पर घंटाघर के समीप साईं दरबार मंदिर है। इसका बहुत अधिक सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है तथा देश-विदेश से दर्शनार्थी यहां आते हैं। साईं दरबार के समीप राजपुर रोड पर ही भगवान बुद्ध का बहुत विशाल और भव्य तिब्बती मंदिर है।

रॉबर्स केव (गुच्चुपानी)- पिकनिक के लिए एक आदर्श स्थान रॉबर्स केव सिटी बस स्टेंड से केवल 8 कि.मी. दूर है। हरिद्वार-ऋषिकेश मार्ग पर लच्छीवाला-डोईवाला से 3 कि.मी. और देहरादून से 22 कि.मी. दूर है। सुंदर दृश्यावली वाला यह स्थान पिकनिक-स्पॉट है। यहां हरे-भरे स्थान पर फॉरेस्ट रेस्ट हाउस में पर्यटकों के लिए ठहरने की व्यवस्था है।

वन अनुसंधान संस्थान- घंटा से 7 कि.मी. दूर देहरादून-चकराता मोटर-योग्य मार्ग पर स्थित यह संस्थान भारत में सबसे बड़ा फॉरेस्ट-बेस प्रशिक्षण संस्थान है। जो तथा इसमें एक बॉटनिकल म्यूजियम भी है। एफआरआई (देहरादून) से 3 कि.मी. आगे देहरादून-चकराता मार्ग पर 8 कि.मी. की दूरी पर स्थित इंडियन मिलिटरी एकेडमी सेना अधिकारियों के प्रशिक्षण का एक प्रमुख संस्थान है।

तपोवन- देहरादून-राजपुर रोड पर सिटी बस स्टेंड से लगभग 5 कि.मी. दूर स्थित यह स्थान सुंदर दृश्यों से घिरा है। कहावत है कि गुरु द्रोणाचार्य ने इस क्षेत्र में तपस्या की थी।

संतौला देवी मंदिर- देहरादून से लगभग 15 कि.मी. दूर स्थित प्रसिद्ध संतौला देवी मंदिर पहुंचने के लिए बस द्वारा जैतांवाला तक जाकर वहां से पंजाबीवाला तक 2 कि.मी. जीप या किसी हल्के वाहन द्वारा तथा पंजाबीवाला के बाद 2 कि.मी. तक पैदल रास्ते से मंदिर पहुंचा जा सकता है।

जलवायु : देहरादून की जलवायु समशीतोष्ण है। यहां का तापमान 16 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है जहां शीत का तापमान 2 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। देहरादून में औसतन 2073.3 मिलिमीटर वर्षा होती है। अधिकांश वर्षा जून और सितंबर के बीच होती है। अगस्त में सबसे अधिक वर्षा होती है।

नगर के विषय में:राजपुर मार्ग पर या डालनवाला के पुराने आवासीय क्षेत्र में पूर्वी यमुना नहर सड़क से देहरादून शुरु हो जाता है। सड़क के दोनों किनारे स्थित चौड़े बरामदे और सुन्दर ढालदार छतों वाले छोटे बंगले इस शहर की पहचान हैं। इन बंगलों के फलों से लदे हुए पेड़ों वाले बगीचे बरबस ध्यान आकर्षित करते हैं। घण्टाघर से आगे तक फैलाहुआ रंगीन पलटन बाजार यहाँ का सर्वाधिक पुराना और व्यस्त बाजार है। यह बाजार तब अस्तित्व में आया जब 1820 में ब्रिटिश सेना की टुकड़ी को आने की आवश्यकता पड़ी। आज इस बाजार में फल, सब्जियां, सभी प्रकार के कपड़े, तैयार वस्त्र (रेडीमेड गारमेंट्स) जूते और घर में प्रतिदिन काम आने वाली वस्तुयें मिलती हैं। इसके स्टोर माल, राजपुर सड़क तक है जिसके दोनों ओर विश्व के लोकप्रिय उत्पादों के शो रूम हैं। अनेक प्रसिद्ध रेस्तरां भी राजपुर सड़क पर है। कुछ छोटी आवासीय बस्तियाँ जैसे राजपुर, क्लेमेंट टाउन, प्रेमनगर और रायपुर इस शहर के पारंपरिक गौरव हैं।

देहरादून के राजपुर मार्ग पर भारत सरकार की दृष्टिबाधितों के लिए स्थापित पहली और एकमात्र राष्ट्रीय स्तर की संस्था राष्ट्रीय दृष्टिबाधित संस्थान (एन.आई.वी.एच.) स्थित है। इसकी स्थापनी 19वीं सदी के नब्बे के दशक में विकलांगों के लिए स्थापित चार संस्थाओं की श्रंखला में हुआ जिसमें राष्ट्रीय दृष्टिबाधित संस्था के लिए देहरादून का चयन किया गया। यहाँ दृष्टिबाधित बच्चों के लिए स्कूल, कॉलेज, छात्रावास, ब्रेल पुस्तास्तलय एवं ध्वन्यांकित पुस्तकों का पुस्तकालय भी स्थापित किया गया है। इसके कर्मचारी इसके अन्दर रहते हैं इसके अतिरिक्त (तेज यादगार) शार्प मेमोरियल नामक निजी संस्था राजपुर में हैं ये दृष्टि अपंगता तथा कानों सम्बन्धि बजाज संस्थान तथा राजपुर सड़क पर दूसरी अन्य संस्थाये बहुत अच्छा कार्य कर रही है। उत्तराखण्ड सरकार का एक और नया केन्द्र है। करूणा विहार, बसन्त विहार में कुछ कार्य शुरू किये है। तथा गहनता से बच्चों के लिये कार्य कर रहें है तथा कुछ नगर के चारों ओर केन्द्र है। देहरादून राफील रेडरचेशायर अंतरराष्ट्रीय केन्द्र है। रिस्पना ब्रिज शायर गृह डालनवाला में हैं। जो मानसिक चुनौतियों के लिए कार्य करते है। मानसिक चुनौतियों के लिए काम करने के अतिरिक्त राफील रेडरचेशायर अंतरराष्ट्रीय केन्द्र ने टी.बी व अधरंग के इलाज के लिये भी अस्पताल बनाया। अधिकाँश संस्थायें भारत और विदेश से स्वेच्छा से आने वालो को आकर्षित तथा प्रोत्साहित करती है। आवश्यकता विहीन का कहना है कि स्वेच्छा से काम करने वाले इन संस्थाओं को ठीक प्रकार से चलाते है। तथा अयोग्य, मानसिक चुनौतियो और कम योग्य वाले लोगो को व्यक्तिगत रूप से चेतना देते है।

सड़क मार्ग

देहरादून देश के विभिन्न हिस्सों से सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है और यहां पर किसी भी जगह से बस या टेक्सी से आसानी से पहुंचा जा सकता है। सभी तरह की बसें, (साधारण और लक्जरी) गांधी बस स्टेंड जो दिल्ली बस स्टेंड के नाम से जाना जाता है, यहां से खुलती हैं। यहां पर दो बस स्टेंड हैं। देहरादून और दिल्ली, शिमला और मसूरी के बीच डिलक्स/ सेमी डिलक्स बस सेवा उपलब्ध है। ये बसें क्लेमेंट टाउन के नजदीक स्थित अंतरराज्यीय बस टर्मिनस से चलती हैं। दिल्ली के गांधी रोड बस स्टेंड से एसी डिलक्स बसें (वोल्वो) भी चलती हैं। यह सेवा हाल में ही यूएएसआरटीसी द्वारा शुरू की गई है। आईएसबीटी, देहरादून से मसूरी के लिए हर 15 से 70 मिनट के अंतराल पर बसें चलती हैं। इस सेवा का संचालन यूएएसआरटीसी द्वारा किया जाता है। देहरादून और उसके पड़ोसी केंद्रों के बीच भी नियमित रूप से बस सेवा उपलब्ध है।

देहरादून अपनी पहाड़ियों और ढलानों के साथ-साथ साईकिलिंग का भी एक महत्वपूर्ण स्थान है। चारों ओर पर्वतों और हरियाली से घिरा होने के कारण यहाँ साईकिलिंग करना बहुत सुखद है। लीची देहरादून का पर्यायवाची है क्योंकि यह स्वादिष्ट फल चुनिंदा जलवायु में ही उगता है। देहरादून देश की उन जगहों में से एक है जहाँ लीची उगती है। लीची के अतिरिक्त देहरादून के चारों ओर बेर, नाशपत्ती, अमरूद और आम के पेड़ है। जो नगर की बनावट को घेरे हुये है। ये सारी चीजें घाटी के आकर्षण में वृद्धि करती है। यदि मई माह या जून के शुरू की गर्मियों में भ्रमण के लिये जाएं तो तुम इन फलों को केवल देखेंगे ही नहीं बल्कि खरीदेंगे भी। बासमती चावल की लोकप्रियता देहरादून या भारत में ही नही बल्कि विदेशों में भी है। एक समय अंग्रेज भी देहरादून में रहते थे और वे नगर पर अपना प्रभाव छोड़ गये। उदाहरण के रूप में देहरादून की बेकरीज (बिस्कुट आदि) आज भी यहाँ प्रसिद्ध है। उस समय के अंग्रेजों ने यहाँ के स्थानीय स्टाफ को सेंकना सिखाया। यह निपुणता बहुत अच्छी सिद्ध हुई तथा यह निपुणता अगली संतति सन्तान में भी आयी। फिर भी देहरादून के रहने वालो के लिये यहाँ के स्थानीय रस्क, केक, होट क्रोस बन्स, पेस्टिज और कुकीज मित्रों के लिये सामान्य उपहार है, कोई भी ऐसी नही बनाता जैसे देहरादून में बनती है। दूसरा उपहार जो पर्यटक यहाँ से ले जाते है विख्यात क्वालिटी की टॉफी जोकि क्वालिटी रेस्टोरेन्ट (गुणवत्ता वाली दुकानों) से मिलती हैं। यद्यपि आज बड़ी संख्या में दूसरी दुकानों (स्टोर) से भी ये टॉफी मिलती है परन्तु असली टॉफी आज भी सर्वोतम है। देहरादून में आनंद के और बहुत से पर्याप्त विकल्प है।

एडीजे ने किया उप कारागृह का औचक निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निसं.)। कस्बे के नरेना रोड़ स्थित उप कारागृह का बुधवार को सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश पवन जीनवाल ने औचक निरीक्षण कर कारागृह में साफ सफाई, विधि व्यवस्था जायजा लिया । इस दौरान एडीजे पवन कुमार ने कारागृह में निरुद्ध बंदियों से जाति,धर्म व सामाजिक स्तर से जुड़े भेदभाव के संबंध में बातचीत की । साथ ही बंदियों को मिलने वाली सुविधाओं के संदर्भ में जानकारी दी गई । बंदियों ने किसी भी प्रकार का विरोधाभास नहीं दिखाया बंदियों ने कहा कि यहाँ किसी भी प्रकार का सामाजिक,जातिगत धर्म के स्तर पर भेदभाव नहीं किया जाता और ना ही इस मापदंड के अनुसार बैरक निर्धारित किये गये हैं, सभी के लिए समान सुविधाएं लागू हैं । इस दौरान बंदीयों को फ्री लीगल एड बंदी की तरफ से पैरवी हेतु सरकारी वकील से संबंधित जानकारी देते हुए राष्ट्रीय विकास सेवा प्राधिकरण व राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विधिक जानकारी दी गयी । निरीक्षण के दौरान एडीजे पवन कुमार ने उप कारागृह की व्यवस्थाओं व साफ सफाई की बुरी बुरी प्रशंसा की । इस मौके पर उप कारापाल भरत लाल मीणा,प्रसून दीक्षित, लीगल एड असिस्टेंट चान्दमल सांभरिया सहित कारागृह स्टाफ मौजूद रहा ।

पूर्व सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष का हार्ट अटैक से हुआ निधन

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निसं.) ब्लॉक कांग्रेस सेवादल फुलेरा के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष कृष्ण गोपाल साहू हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया । मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार साय 5.30 बजे उन्हें हार्ट अटैक आया और कुछ ही देर में उनकी सांसें थम गई। इस घटना से पूरे कस्बे व जनप्रतिनिधियों में शोक की लहर दौड़ पड़ी । बताते चलें कि और ब्लॉक अध्यक्ष रहे कृष्ण गोपाल साहू ने लोगों के बीच अपनी साफ सुथरी छवि को छोड़ दुनिया से विदाई ले ली।

सर्व ब्राह्मण महासभा ने किया भागवत कथा व्यास का अभिनंदन

जयपुर टाइम्स

चौमू(निसं.)। खेड़ी गोकुलपुरा में 19 जनवरी से जारी भागवत कथा रस में भागवत कथा व्यास महामंडलेश्वर विष्णु शरण दास महाराज एवं मुख्य यजमान अजीत सिंह राठौर,जूली राठौर का सर्व ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा एवं जिला उपाध्यक्ष मोहनलाल शर्मा ने अभिनंदन किया । इस अवसर पर महामंडलेश्वर श्री विष्णुशरण दास महाराज ने कहा कि भागवत सुनने से जन्म जन्मांतर के पाप मिट जाते हैं। जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा ने कहा कि भागवत कथा जीवन के लिए अमृत है द्य जिला उपाध्यक्ष मोहनलाल शर्मा ने कहा कि सनातन संस्कृति में भागवत कथा का बहुत महत्व है द्य इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे ।

विमलपुरा सरपंच तारामणि शर्मा सरपंच पद पर, कार्यग्रहण किया

जयपुर टाइम्स

चौमूं(निसं.)। ग्राम पंचायत विमलपुरा के सरपंच पिछले दिनों सस्पेंड चल रही थी। सरपंच तारामणी शर्मा ने बताया कि 22 जनवरी 2020 को विमलपुरा सरपंच पद पर कार्यग्रहण किया था और 22 जनवरी 2025 को फिर से कार्यग्रहण किया है साथ ही ग्राम पंचायत विमलपुरा के मेरे परिवार को धन्यवाद जो उन्होंने हर समय मेरा साथ दिया साथ ही ग्रामीणों के साथ पंचायत क्षेत्र के मंदिरों के दर्शन किए और राज्य सरकार को धन्यवाद, श्रीमान भजन लाल शर्मा को भी धन्यवाद जो उन्होंने सरपंचों का कार्यकाल बढ़ाया अब जो ग्राम पंचायत के विकास को दुगुनी रफ्तार मिलेगी.. इस दौरान बंशीधर शर्मा, उप सरपंच भगवान सहाय राठी, गोपाल नाथ,रामगोपाल शर्मा, श्रवण शर्मा, श्रवण मोदी, गणपत शर्मा, कथावाचक मुकेश शर्मा, मोहन जी शर्मा, एडवोकेट अक्षत पुजारी, रविकांत शर्मा, प्रमोद शर्मा, गिरधारी शर्मा,महावीर मीना, केशव मिश्रा, माधव शर्मा, शंकर नाथ सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे

पूर्व राजपरिवार के राव सवाई श्री चन्द्रवीर सिंह जी का निधन,13 साल रहे थे सरपंच

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निसं.)। बिजौलियां के पूर्व राजपरिवार के राव सवाई श्री चन्द्रवीर सिंह जी का बुधवार को देवलोक गमन हो गया। वे 95 वर्ष के थे।निधन की सूचना पर क्षेत्र में शोक की लहर छा गई।बिजौलियां राजमहल से राजसी परम्परा के साथ शुरू हुई वैकुंठी यात्रा कस्बे के प्रमुख मार्गों से होती हुई क्षार बाग पहुंची जहां विधि-विधान से अंतिम संस्कार किया गया।जगह-जगह कस्बेवासियों ने पुष्पवर्षा कर श्रद्धान्जलि अर्पित की।इस दौरान कस्बे के बाजार भी बंद रहे।अंतिम संस्कार में कस्बेवसियों समेत समाजजन,विभिन्न राजनीतिक-सामाजिक- धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर में हुआ सड़क सुरक्षा जागरूकता व्याख्यान

गोद ली हुई बस्तियों में स्वच्छता एवं श्रमदान के साथ हुआ सात दिवसीय एनएसएस शिविर का समापन

जयपुर टाइम्स

चोमू(निसं.) मोरीजा रोड राजकीय कन्या महाविद्यालय चौमूँ में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के समापन दिवस के अन्तर्गत प्राचार्य डॉ.राजेन्द्र कुमार के निर्देशन में एवं कार्यक्रम अधिकारी भगवान सहाय शर्मा एवं डॉ चन्द्र मोहन राजोरिया के नेतृत्व में विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम ध्यान एवं योग से समापन दिवस का शुभारम्भ हुआ। प्रथम सत्र में एनएसएस एवं राज्य महिला नीति के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस सत्र में जिला परिवहन कार्यालय चौमूँ से आए हुए परिवहन निरीक्षक गौतम मिश्रा, अरविन्द सिंह एवं जगदीश नारायण मीणा ने स्वयंसेविकाओं को यातायात नियमों से अवगत कराते हुए उनका पालन करने के लिए प्रेरित किया एवं सड़क सुरक्षा, वाहन बीमा, लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया आदि के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर परिवहन निरीक्षकों द्वारा स्वयंसेविकाओं को सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने के लिए शपथ भी दिलवायी गयी। द्वितीय सत्र में सभी स्वयंसेविकाओं ने गोद ली हुई बस्तियों में जागरूकता रैली निकाली एवं स्वच्छता हेतु श्रमदान करके व्यक्तिगत स्वच्छता के लिए एवं वातावरण की शुद्धि के लिए सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। तृतीय सत्र में स्वयंसेविकाओं ने सात दिवसीय विशेष शिविर के अपने अनुभवों को सभी के समक्ष साझा किया एवं काव्य पाठ करते हुए विविध कविताओं की प्रस्तुतियाँ भी दी। राष्ट्र की स्वस्ति कामना के साथ कल्याण मंत्र का वाचन करते हुए इस सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन हुआ। शिविर में कंप्यूटर अनुदेशक शिव सैनी, स्वयंसेविका मोनिका डूडी, सोनू घोसलिया, निशा खातोदिया, गौरी शर्मा, नेहा यादव, रोहित यादव, आरती जाट, रेशम कुमावत ने भी सात दिवसीय शिविर के अनुभव व्यक्त किये।

उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी(निसं.)। इन्दिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान जयपुर के भव्य सभागार में 'उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' के अन्तर्गत 'उल्लास मेले' के आयोजन में नागौर और डीडवाना-कुचामन जिले की ओर से कुचामन ब्लॉक के ग्राम जिलिया की असाक्षर से नवसाक्षर बनकर स्वयंसेवी शिक्षक बनी शान्ति देवी, मंगलपुरा के स्वयंसेवी शिक्षक कल्याणमल स्वामी व चारणवास की नवसाक्षर मीरा देवी, सेवानिवृत्त साक्षरता समन्वयक चम्पालाल कुमावत, जिला साक्षरता अधिकारी नागौर अर्जुनराम लोमरोड़, ब्लॉक समन्वयक कुचामन अमित रुलानियां, सर्वेयर शिक्षक ईश्वरराम बेड़ा व थानाराम ने भाग लिया। साक्षरता कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार कर अधिकतम असाक्षरों, नवसाक्षरों व स्वयंसेवी शिक्षकों को जोड़कर उन्हें प्रोत्साहित करने के प्रयोजन से आयोजित इस मेले में सम्पूर्ण राज्य से नवसाक्षर, शिक्षार्थी, स्वयंसेवी शिक्षकों, जिला साक्षरता अधिकारियों, सहायक परियोजना अधिकारियों, ब्लॉक समन्वयकों व सर्वेयर्स को आमंत्रित किया गया था। मेले में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल, साक्षरता निदेशक मेघराज सिंह रत्नूँ, अतिरिक्त निदेशक स्नेहलता हारीत, संयुक्त निदेशक डॉ. के.सी. कलाकार, प्रौढ़ शिक्षा निदेशक, भारत सरकार प्रीति मीणा, विभिन्न साक्षरता अधिकारियों व सैंकड़ों संभागियों की उपस्थिति में जिलिया की शान्ति देवी ने असाक्षर से आठवीं कक्षा उत्तीर्ण कर वर्तमान में ऑपन स्कूल से दसवीं में अध्ययनरत रहने के साथ साक्षरता स्वयंसेवी शिक्षक के रूप में अपना नामांकन करवाने तक की अपनी अभिव्यक्ति दी और असाक्षर महिला की व्यथा पर साक्षरता गीत- "दादा पढ्या-लिख्याँ क दे दी रै, अनपढ़ थारी लाडली आ लाजाँ मरगी रै... ।" की प्रस्तुति देकर अतिथियों और संभागियों से खूब वाहावाही लूटी तथा शिक्षा मंत्री ने भाव-विभोर होकर अपनी मेज पर परखा गुलदस्ता भेंट कर सम्मान दिया। उन्होंने अपने उद्बोधन में शान्ति देवी का बार-बार जिक्र करते हुए शान्ति देवी की पढ़ने-लिखने की रुचि की सराहना की तथा शान्ति देवी से प्रेरणा लेकर सभी असाक्षर लोगों को शिक्षित होने का आह्वान किया। अपनी अभिव्यक्ति के शुरू में शान्ति देवी ने जब कहा- "ये जो सर खड़े हैं ना इनकी वजह से मैं आज यहाँ खड़ी हूँ।" तब उद्घोषिका ने कहा इनका नाम बताओ ना, तो कहा- "चम्पालालजी सर।" पूरे आयोजन की सबसे प्रभावी और आकर्षक प्रस्तुति के बाद कई लोग शान्ति के साथ सेल्फी लेते दिखाई दिए। इसी तरह मंगलपुरा निवासी स्वयंसेवी शिक्षक व ग्राम रोजगार सहायक कल्याणमल स्वामी ने भी साक्षरता गीत की प्रस्तुति देकर साक्षरता की अलख जगाई। अतिथियों ने नवसाक्षर मीरा देवी, शान्ति देवी एवं कल्याणमल स्वामी को उल्लेखनीय उपलब्धि पर प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत वाहन चालकों की आंखों की जांच की

01 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2025 तक आयोजित हो रहा माह

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए वाहन चालकों की आँखों की जांच के लिए जांच शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अनिल कुमार जैमिनी ने बताया कि जिले भर मे सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए सड़क सुरक्षा माह आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत बुधवार को रणथंभौर सर्कल पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग व परिवहन विभाग के सहयोग से वहां चालकों के लिए नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 33 वाहन चालकों की आंखों की जांच की गई व नंबर वितरित किये गए। इसके साथ ही तीन चालकों को पास के चश्में भी वितरित किये गए। चालकों की जांच नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ दिलीप मीना व स्टाफ द्वारा की गई।

चोरी के खुलासे की मांग को लेकर विधायक को सोपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

विराटनगर(निसं.)। कस्बे के निकटवर्ती बागावास अहिरान के ग्राम वासियों ने बुधवार को चोरी के मामले में खुलासे की मांग को लेकर विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड को ज्ञापन सोपा गया।इस दौरान अनेको ग्रामीण जन मौजूद रहे। गौरतलब है कि मकर संक्रांति की रात्रि को अज्ञात चोरों ने बागावास अहिरान में पांच जगह चोरी की घटना को अंजाम दिया था। इसके बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश का माहौल है। वहीं पीड़ित लोगों ने संबंधित भाबरु थाने में मामला दर्ज करवाया था। इस दौरान पूर्व सरपंच रमेश चन्द यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि घटना के 9 दिन गुजर जाने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। जिसको लेकर विधायक धनकड से मिलकर घटना का खुलासा करने की मांग की। इस दौरान गिरधारी सिंह शेखावत, पांचू राम कुम्हार, नब्बू खान,अशोक मीणा, छीतरमल यादव,महेश सोनी,कालू शेखावत, राजकुमार मीणा, दिलसेर खान, मामदीन, सिकदर,शकूर सहित आनेको लोगों ने धनकड से मुलाकात कर जल्द मामले में खुलासा करने की बात कही है।

इनका कहना है

विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ ने दूरभाष के माध्यम से भाबरू थाना अधिकारी से वार्ता कर जल्द मामले में खुलासा करने के निर्देश दिए विराटनगर वृताधिकारी शिप्रा राजावत ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है गुरुवार को मौके पर पहुंचकर घटना का जायजा लिया जाएगा, जल्द मामले में खुलासा किया जाएगा।

कुचामन रेलवे स्टेशन पर भेंट की व्हील चेयर

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी(निसं) कुचामन विकास समिति द्वारा कुचामन रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा हेत एक स्टेनलेस स्टील की आरामदायक व्हीलचैयर स्टेशन मास्टर उगमाराम को अन्य रेलवे कर्मचारियों के साथ भेंट की ।

प्ररूप-10
नियम 6 (7) देखिए

प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय, नगरपालिका मण्डल, सांभरलेक

क्रमांकः नपासा/2025/1802 दिनांक 22/01/25

लोकसूचना

श्री रामावतार वर्मा पुत्र श्री कल्याण मल, निवासी कृष्णा विहार, फुलेरा, तहसील फुलेरा जिला जयपुर ग्रामीण राजस्थान ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजनों के लिये भू उपयोग परिवर्तन हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया हैं, अर्थात्-

क्र.सं.	जिले का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	रकबा	चाहा गया उपयोग
1	जयपुर	लालपुरा	2097/2	कुल किता 01 रकबा 0.5058 हैक्टयर	01 रकबा 0.5058 हैक्टेयर भूमि को आवासीय में रूपान्तरण हेतु

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90 - क और राजस्थान अभिवृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोगार्थ (आवासीय भूङ्करूपान्तरण) हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा ।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा ।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 22/01/ 25 को जारी की गयी।

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका मण्डल, सांभरलेक

कार्यालय ग्राम पंचायत भानीपुरा
पंचायत समिति सरदारशहर

क्रमांक- ग्रा.प. / निविदा / 2024-25/15-16 दिनांक-22.01.2025

ई-निविदा सूचना संख्या - 08 / 2024-25

ग्राम पंचायत में राज्य वित आयोग षष्ठम योजनान्तर्गत स्वीकृत कार्य को पंचायती राज नियम 181 के तहत करवाया जाना प्रस्तावित है। जिस हेतु ई-निविदा आमन्त्रित की जाती है। उक्त निविदा से संबंधित शर्ते एवं निविदा प्रपत्र को वेब साईट www. sppp. rajasthan.gov.in www.eproc.rajasthan.gov.in देखी एवं डाउनलॉड कर प्राप्त की जा सकती है।

NIB No.	UBN No.	निविदा दस्तावेज जमा करवाने एवं निविदा खोलने की तिथि
PDN2425A0135	PDN2425WSOB00139	29.01.2025 को 12.00 बजे तक एवं शायः 04 बजे

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत भानीपुरा

सरपंच
ग्राम पंचायत भानीपुरा

कार्यालय ग्राम पंचायत घड़सीसर पंचायत समिति सरदारशहर

क्रमांक- ग्रा.प. / निविदा / 2024-25 / 139-140 दिनांक- 21.01.2025

ई-निविदा सूचना संख्या- 05/2024-25

ग्राम पंचायत में निजी आय योजनान्तर्गत स्वीकृत कार्य को पंचायती राज नियम 181 के तहत करवाया जाना प्रस्तावित है। जिस हेतु ई-निविदा आमन्त्रित की जाती है। उक्त निविदा से संबंधित शर्ते एवं निविदा प्रपत्र को वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in पर व www.eproc.rajasthan.gov.in पर व पर देखी एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

NIB No.	UBN No.	टेण्डर खोलने की तिथि
PDN2425A0134	PDN2425WSOB00138	24-01-25

सरपंच
प्रा.प.- घड़सीसर
प. स. - सरदारशहर

ग्राम विकास अधिकारी
प्रा.प.- घड़सीसर
प. स. - सरदारशहर

नाम संशोधन सूचना

मेरे सभी दस्तावेजो मे मेरा नाम किशोर कुमार (KISHOR KUMAR) जन्म तिथि 01-06- 1981 व पिता का नाम ओमप्रकाश सिंह (OMPRAKASH SINGH) लिखा हुआ है। तथा मेरे paspot no. L7115494 में मेरा नाम किशोर कुमार सैन व जन्मतिथि 13.10.1980 लिखी हुई है (KISHOR KUMAR SAIN) लिखा हुआ है। अब मे मेरे पासपोर्ट मे मेरा नाम किशोर कुमार (KISHOR KUMAR) जन्म तिथी 01-06-1981 व पिता का नाम ओमप्रकाश सिंह (OMPRAKASH SINGH) दर्ज करवाना चाहता हूँ भविष्य में मुझे मेरे परिवर्तित नाम से जाना व पहचान जाये ।

किशोर कुमार पुत्र ओमप्रकाश सिंह निवासी ग्राम ब्राहमणो का मोहल्ला जैतपुरा तहसील गुढ़ागौड़जी जिला झुंझुनूं (राज.)

कार्यालय ग्राम पंचायत जैतासर,
पंचायत समिति सुजानगढ़ (चूरू)

क्रमाक- ग्रा.प. जैतासर/ ई.नि/ 2024-25 / 251-257 दिनांक- 22.1.2025

ई-निविदा सूचना /2024-25

ग्राम पंचायत जैसर (पंचायत समिति सुजानगढ. (चूरू) में नियम-181 के तहत निम्नलिखित कार्य हेतु राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियमों के तहत पंचायती राज विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, नगर निगम, एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों में पंजीकृत सक्षम श्रेणी ए, बी एवं सी तथ डी, ई श्रेणी के संवेदकों से ऑपन - टेण्डरिंग प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाईन निविदा दिनांक 22.01.2025 को सायं 5.00 बजे से 28.01.2025 को सायं 06.00 बजे तक आमंत्रित की जाकर ग्राम पंचायत स्तरीय कय समिति के समक्ष दिनांक 29.01.2025 को 02.00 बजे से Online खोली जायेगी । निविदा शुल्क एवं अमानत राशि की डी0डी0 सरपंच ग्राम पंचायत जैतासर के नाम देय होगा । बैंकर्स चैक/डी0डी0/स्टाम्प दिनांक 29.01.2025को प्रातः 11.00 बजे तक कार्यालय ग्राम पंचायत जैतासर मे जमा करानी होगी । विस्तृत जानकारी हेतु sppp. rajasthan. gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर निम्नानुसार दिनांक तक देख सकते है ।

क.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि प्रति कार्य (लाखो मे)	धरोहर राशि	निविदा शुल्क एवं प्रोसेसिंग शुल्क	ऑनलाइन निविदा /डाउनलोड/ अपलोड करने की अवधि	निविदा शुल्क प्रोसेसिंग शुल्क एवं बिड सेक्यूरिंग का स्टाम्प जमा कराने की अवधि	ऑनलाइन निविदा खोलने की तिथि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Construction of waste water stabilization Pond (WSP) Gram Jaitasar	999449 रु.	20000 रू	500 रूपये सरपंच ग्राम पंचायत जैतासर एवं 500 रूपये (MD RISL JAIPUR)	22.1.2025 को सायं 5.00 बजे से 28.1.2025 को साय 06.00 बजे तक	29.1.2025 को 11.00 बजे तक	29.1.2025 को 02.00 बजे

निविदा प्रपत्र को इलेक्ट्रोनिक फोरमेट में वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर जमा करायें निविदा ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाईन डिजिटल साईन द्वारा ही स्वीकार की जावेगी ।

1. ऑनलाईन निविदाएं अंकित तिथि को निर्धारित समय पर उपस्थित निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधियों के समक्ष क्रय समिति द्वारा पंचायत समिति / ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेंगी यदि किसी कारण वश निविदा निर्धारित तिथि को नहीं खोली जाती है तो निविदा खोलने की प्रक्रिया अगले कार्य दिवसों को भी जारी रखी जावेगी।
2. डाक, व ई-मेल से प्रेषित निविदाऐं एवं सशर्त निविदाओ पर विचार नहीं किया जावेगा ऑनलाईन प्राप्त दस्तावेजो पर ही विचार किया जावेगा एंव कोई भी संवेदक इलेक्ट्रोनिकली जमा कराने में किसी कारण से लेट हो जाता है तो उसका जिम्मेदार विभाग नहीं होगा।
3. निविदा को बिना कारण बताए स्वीकृत / अस्वीकृत एवं रद्द करने का अधिकार कमेटी के पास सुरक्षित है।
4. जी0 एस0 टी0 प्रमाण पत्र, टीन नम्बर एवं पैन कार्ड की प्रति ऑनलाईन संलग्न करना अनिवार्य है।
5. निविदादाताद्वारा संलग्न समस्त दस्तावेजो पर स्वयं प्रमाणित (हस्ताक्षरित) प्रतियो को ऑनलाईन संलग्न करना होगा।.
6. तकनीकी बिड निर्धारित संलग्न प्रारूप एव वितिय बिड निर्धारित ऑनलाईन वीओक्यु मे अपलोड की जानी है।
7. शेष शर्तें सामान्य वित्तीय एवं लेखा नियम एवं वित्त एवं लेखा मार्गदर्षिका 2011 व राजस्थान लोक उपापन अधिनियम 2012 एवं 2013 व राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर जारी निर्देषों की पालना नियमानुसार होंगी।

टेंडर के प्रपत्र में आवश्यक सभी सूचियों को सम्पूर्ण रूप से भरकर ऑनलाईन दर्ज करें। निविदा सूचना की शर्ते एवं पूर्ण विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

NIB NO- ZCR2425A0835 UBN NO- ZCR2425WSOB01603

सरपंच
ग्राम पंचायत जैतासर

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत जैतासर

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, गुरूवार
23 जनवरी, 2025

टाई व बेल्ट पाकर खिले बच्चो के चेहरे

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। शहर के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नंबर 9, में कक्षा एक से आठवीं तक के सभी बच्चों को शिक्षाविद सेवानिवृत शिक्षक महेश तंवर ने टाई व बेल्ट वितरित किए। इस मौके पर महेश तंवर के बेटे सूर्य प्रकाश तंवर आर ए एस (निरीक्षक सहकारिता विभाग) ने बच्चों को सफलता के सूत्र बताते हुए कहा कि भामाशाह सरकारी स्कूल के बच्चों को किसी भी दृष्टि से प्राइवेट स्कूल से कम नहीं रहने देंगे। इस मौके पर प्रधानाध्यापिका संतोष देवी, अध्यापिका रश्मि गुप्ता, सरोज देवी, अनीता अलड़िया व शारीरिक शिक्षा शिक्षक विनोद कुमार ने भामाशाहों का आभार व्यक्त किया। प्रेरक व विद्यालय के अध्यापक महेंद्र कुमार माली ने कार्यक्रम का संचालन किया।

रेड हाउस ने एनुअल स्पोर्ट्स मीट में परचम लहराया

जयपुर टाइम्स

मंडावा(निसं.)। आदर्श विद्या मंदिर, मंडावा में आयोजित तीन दिवसीय एनुअल स्पोर्ट्स मीट 2024-25 का भव्य समापन बुधवार को हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसीबीईओ दामोदर जांगिड और नगर पालिका जेईएन आनंद कुमार लखेरा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान महेश चंद्र तेतरवाल, हरीशंकर राहड़, प्रधानाचार्य मुकेश कुमार स्वामी और प्रधानाचार्य श्रवण कुमार ने अथितियों का माल्यार्पण कर सम्मान किया। संस्था निदेशक अभिषेक तेतरवाल ने बताया कि खेलों के विभिन्न आयामों में छात्रों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद रेड हाउस ने विजेता का खिताब जीता, जबकि ग्रीन हाउस उपविजेता रहा। समापन समारोह में खिलाड़ियों को प्रतीक चिह्न, मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की सफलता ने विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार किया और खेलों के प्रति उनकी रुचि को बढ़ावा दिया। प्रधानाचार्य मुकेश कुमार स्वामी ने सभी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं और इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी शिक्षकों, स्टाफ व अतिथियों का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन व्याख्याता गोविंद सोनी ने किया।

पाटन पंचायत समिति की नई विकास अधिकारी ने संभाला कार्यभार

जयपुर टाइम्स

पाटन(निस)। पंचायत समिति पाटन में शशिबाला ने नए विकास अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। इस अवसर पर मंत्रालयिक कर्मचारी संगठनों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। स्वागत समारोह में ब्लॉक अध्यक्ष रामजीलाल गुर्जर, प्रदेश प्रवक्ता अनिल सिंह, महासंघ ब्लॉक अध्यक्ष मोहनलाल गुर्जर, अति विकास अधिकारी भागीरथ प्रसाद यादव, वरिष्ठ सहायक नौरंग लाल भारद्वाज सहित कई कर्मचारी उपस्थित रहे। स्वागत करने वालों में इरफान खान, राजेश कुमार मीणा, अमीचंद यादव, कृष्ण कुमार, मंजू गुर्जर, सुनिता यादव, श सुलोचना बाई, और रोशन रावत सहित अनेक कर्मचारी शामिल रहे। शशिबाला ने सभी कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया और टीम के साथ मिलकर पंचायत के विकास कार्यों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का विश्वास दिलाया। समारोह का आयोजन सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

जन्म-मृत्यु एवं विवाह रजिस्ट्रेशन का जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

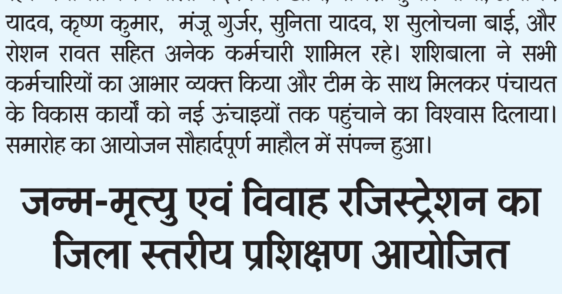

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। जन्म-मृत्यु एवं विवाह रजिस्ट्रेशन के शत-प्रतिशत पंजीयन को सुनिश्चित करने के लिए सिविल रजिस्ट्रेशन प्रणाली के अन्तर्गत एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन जिला रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) एवं उपनिदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग डॉ. डिम्पल गुर्जर की अध्यक्षता में वीसी रूम राजीव गांधी सेवा केन्द्र पंचायत समिति, सवाई माधोपुर में हुआ। इस दौरान प्रशिक्षण में सम्मिलित सभी सहभागियों को जन्म-मृत्यु एवं विवाह रजिस्ट्रीकरण अधिनियम तथा नवीनतम प्रावधानों की जानकारी दी गई। जिला रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) डॉ. डिम्पल गुर्जर ने बताया कि जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन करवाना कानून अनिवार्य है। जन्म-मृत्यु का पंजीयन सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण आँकड़े उपलब्ध करवाता है।

कर्तव्य बोध शिविर में पंच परिवर्तन अपनाने पर दिया बल

जयपुर टाइम्स

कांवट(निस)। कैंब्रिज कन्या महाविद्यालय, कांवट (खंडेला) में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ-राजस्थान (उच्च शिक्षा) की स्थानीय इकाई की ओर से कर्तव्य बोध दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता संगठन जुड़े डॉ पाणिनि नीमड़ ने बताया कि संगठन की ओर से प्रतिवर्ष कर्तव्य बोध दिवस मनाते हुए शिक्षक एवं विद्यार्थियों को राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य करने चाहिए। जिससे समाज व राष्ट्र उत्तरोत्तर वृद्धि करता रहे। इसके लिए जरूरी है कि प्रत्येक विद्यार्थी, शिक्षक एवं समाज के नागरिक अपना कर्तव्य ईमानदारी से पालन करे। उन्होंने पंच परिवर्तनो पर बल देते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य इस प्रकार होना चाहिए कि समाज में कोई कुरीति आ गई तो नकारात्मकता का भाव न फैलाकर उसे खत्म करने की कोशिश की जाए तथा प्रत्येक व्यक्ति को उच्च आदर्श को ध्यान में रखते हुए कार्य करते रहने चाहिए। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति के कर्तव्य दूसरे के अधिकारों की रक्षा करते हैं। अधिकार व कर्तव्य वास्तव में एक दूसरे के पूरक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए। संस्था के प्राचार्य डॉ यादराम भट्ट ने स्वामी विवेकानंद ओर नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन से विद्यार्थियों को प्रेरणा लेने की सीख दी और कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को समाज हित को ध्यान में रखते हुए शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री अथवा नौकरी प्राप्त करना ही नहीं होना चाहिए बल्कि एक जिम्मेदार नागरिक की राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी भूमिका निभाने के लिए होनी चाहिए। संगठन की इकाई महिला सचिव, हह सरोज सोलेट ने संगठन का परिचय एवं विषय प्रवर्तन किया। कार्यक्रम में निर्देशक हरि सिंह भादवा, सचिव डी आर महरिया, कालूराम खारड़िया सहित समस्त आचार्यगण व सैकड़ों छात्राएं उपस्थित रहे।

टूरिस्ट असिस्टेंट फोर्स के कर्मचारी लगने से गाइडो के सामने रोजी रोटी का संकट

जयपुर टाइम्स

मंडावा(निस)। कस्बे में पर्यटक सहायता बल यानी टूरिस्ट असिस्टेंट फोर्स के कर्मचारी लगने के बाद यहां पर वर्षों से गाइडिंग का काम कर रहे युवकों के सामने रोजी-रोटी का संकट होने लगा है। राजस्थान पर्यटन विभाग जयपुर की ओर से पर्यटक सहायता बल में दो कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। जिन युवकों के पास गाइड का लाइसेंस नहीं है, वह यहां पर वर्षों से गाइडिंग का काम कर रहे हैं तथा इनको कई देश की भाषाओं का भी कुशल ज्ञान है और जिनके पास गाइड का लाइसेंस है उनको एक दो भाषाओं को छोड़कर बोलचाल का ज्ञान नहीं होने के कारण यहां पर भ्रमण के लिए आने वाले सैलानियों को भी खासी परेशानी होती है। कुछ गाइड तो ऐसे भी है जो अनपढ़ होते हुए भी कई देश की भाषाओं पर अच्छी पकड़ रखते हैं और यह लोग यहां पर वर्षों से गाइडिंग का काम कर रहे हैं लेकिन लाइसेंस नहीं मिलने के कारण प्रशासनिक अड़चने इनके सामने आती है। पर्यटन विभाग व सरकार को अपने स्तर पर इनके लिए रास्ता निकालना चाहिए ताकि गाइडिंग फील्ड में यह काम भी करते रहें और बेरोजगारी का दंश भी इनको नहीं झेलना पड़े। साथ ही ऐसे जितने भी गाइडिंग का काम कर रहे हैं उनका पुलिस की ओर से वेरीफिकेशन करवा कर उनको गाइडिंग के लिए अधिकृत करना चाहिए ताकि किसी प्रकार की कोई गड़बड़ी का अंदेशा भी नहीं रहेगा। अब जो वर्षों से मंडावा कस्बे में गाइडिंग का काम कर रहे हैं वो दूसरा काम भी नहीं कर सकते ऐसे में जल्द पर्यटन विभाग को सरकार के साथ सामंजस्य बैठाकर इनको गाइड का काम करने के लिए पहल करनी चाहिए ताकि यहां पर कई देशों से आने वाले विदेशी सैलानियों को भी परेशानी ना हो और इन गाइडों का काम भी चलता रहे। जिला कलेक्टर भी अपने स्तर पर इस मामले को लेकर इनको राहत प्रदान कर सकते हैं ताकि उनके बच्चों का भी पालन पोषण हो सके और यह लोग बेरोजगार भी ना हो। दूसरी बात यह सामने आई है कि यहां पर कम लोगों के पास ही लाइसेंस है जो गाइडिंग का काम करते हैं लेकिन इनको कई देश की भाषाओं पर पकड़ नहीं होने के कारण यहां के ऐतिहासिक स्थलों के बारे में जानकारी भी सैलानियों को सही ढंग से नहीं मिल पाती है। भ्रमण के दौरान गाइड कम से कम पर्यटन स्थलों पर ले जाते हैं और अपने कमीशन के चक्कर में ऐसी दुकानों पर ले जाते हैं जहां से उनको अच्छा कमीशन मिले। जो बिना लाइसेंस के अनुभवी गाइड है उनको अधिकृत किया जाता है तो यह समस्या भी खत्म हो जाएगी उनके सामने बेरोजगारी का संकट भी पैदा नहीं होगा।

विद्यालय विकास व प्रबंधन समिति के प्रशिक्षण में अध्यापकों को दी जानकारी

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहरी संकुल केंद्र राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ताल मैदान के तत्वावधान में विद्यालय विकास व प्रबंधन समिति के प्रशिक्षण का आयोजन विद्यालय प्रांगण में किया गया। जिसमें 9 विद्यालयों की विकास समिति व 2 विद्यालयों की प्रबन्ध समिति के सदस्यों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के उद्घाटन पर बोलते हुए उप प्रधानाचार्य गौरीशंकर ने विद्यालय के विकास में सदस्यों की भूमिका के बारे में बताते हुए आशा व्यक्त कि प्रशिक्षण के बाद अपने कर्तव्यों को समझते हुए भली प्रकार कार्य करने में समर्थ होंगे। मुख्य प्रशिक्षक नटराज दीक्षित ने प्रबंधन समिति व विकास समिति के सरंचनात्मक ढांचे के बारे में विस्तार से बताते हुए दोनों में अंतर को स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि विकास समिति जहां प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय में गठित होती है वहीं माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालयों में एक अन्य समिति विद्यालय विकास एवं प्रबन्धन समिति भी कार्य करती है। प्रशिक्षण में इन समितियों के सदस्यों को समस्त नियमों की जानकारी दी जाती है। प्रशिक्षण में उपस्थित समिति सदस्य संपतराम जागिड़ ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि उनके विद्यालय में समिति के सहयोग से विकास के अनेक कार्य किए गए है। महात्मा गांधी विद्यालय नंबर 6 के शिक्षक महावीर सुथार ने बताया कि उनके विद्यालय के विद्यार्थियों को शुद्ध स्वच्छ जल उपलब्ध करवाने के लिए समुदाय की प्रेरणा से एक एनजीओ के माध्यम से आरओ लगवाया गया है। प्रभारी शिक्षक विक्रांत अरोड़ा ने बताया कि हर वर्ष आयोजित होने वाले इस प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यालय के विकास व प्रबंधन में समुदायिक सहभागिता को बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में लगभग 50 सदस्यों ने भाग लिया। जिसमें शिक्षक सदस्य सुलोचना शर्मा, सुशीला चौधरी, गायत्री देवी, रुकमणी, संजय राठौड़, अजीज अली व योगेश सिहाग उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के आयोजन में आरपी राकेश सुथार व विनोद प्रजापत ने महती भूमिका का निर्वहन किया।

अव्यवस्थाओं के चलते बड़ागांव हॉस्पिटल बीमार

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। जिले के बड़ा गांव कस्बे के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) में चिकित्सकों के पांच पद स्वीकृत होने के बावजूद भी ग्रामीणों को इलाज व जांच के लिए परेशान होना पड़ रहा है। कारण यह है कि स्वीकृत पांच में से 4 पद रिक्त हैं। ऐसे में यह सीएचसी मात्र एक डॉक्टर के भरोसे है। उल्लेखनीय है कि स्टेट हाईवे होने के अलावा यह सीएचसी बड़ागांव समेत आसपास के ग्रामीण क्षेत्र का सबसे बड़ा अस्पताल है। इसके बावजूद भी मरीजों को यहां पूरी सुविधा नहीं मिल पा रही है। इसके चलते ग्रामीणों को मजबूरन झुंझुनू व गुढ़ा गौड़जी जाना पड़ रहा है। पंचायत समिति सदस्य दीपेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि इससे पहले कांग्रेस गवर्नमेंट में पांच डॉक्टर नियुक्त थे, सभी सेवा दे रहे थे अगर जल्दी डॉक्टरों की व्यवस्था नहीं होती है तो विभाग विभाग के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सीएचसी में रोजाना 225 से ज्यादा की ओपीडी रहती है जिसे डॉक्टर पंकज गोरा सेवा दे रहे थे। साथ ही उनके पास सीएससी प्रभारी का चार्ज था उनका भी ट्रांसफर कर दिया। समाजसेवी नरेंद्र सिंह बाजवा ने कहा ऐसे हॉस्पिटल की व्यवस्था खराब कर रखी है उन्होंने कहा यहां पर पांच डॉक्टर की नियुक्ति होनी चाहिए जो की जरूरी है बड़ागांव पीएचसी 2013 में सीएससी में क्रमोन्नत तो हो गई लेकिन वैसी सुविधाएं यहां नहीं मिल पा रही हैं। ग्रामीणों के मुताबिक करीब 15 हजार से ज्यादा की आबादी के बावजूद भी सीएचसी में आवश्यक सुविधाओं की कमी है। एक्स-रे मशीन नहीं होने से क्षेत्र के मरीजों समेत दुर्घटना में घायलों को भी जिला अस्पताल ही रेफर करना पड़ता है। साथ ही यहां एक भी विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं बड़ागांव सरपंच राजेंद्र सैनी ने कहा जल्दी व्यवस्था नहीं होती है तो उचित कार्रवाई करेंगे।

राधा-कृष्ण मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मूर्ति स्थापना

101 महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। उपखंड क्षेत्र के गांव बिल्यूं बास रामपुरा की श्रीराम गौशाला में नवनिर्मित श्री राधा-कृष्ण मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह बुधवार को संपन्न हुआ। गौशाला के अध्यक्ष धर्मपाल सिहाग के अनुसार दोपहर 2.15 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान श्री राधा-कृष्ण की मूर्ति स्थापना की गई। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलवार से हुई। जब 101 महिलाओं ने गांव में भव्य कलश यात्रा निकाली। मंगलवार की रात को भगवान श्री राधा-कृष्ण का विशेष जागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। बुधवार को मूर्ति स्थापना के बाद आयोजित सवामणी में अनेक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। समारोह में तुलसीराम डेलू, मोहनसिंह बड़गुजर, मालाराम नायक, लक्ष्मणदास स्वामी, मांगीलाल पूनियां, महेंद्र सिंह बड़गुजर, जीवन राम पूनियां, नरेंद्र सिंह, भागीरथ सिहाग, पप्पू सिंह और रामेश्वर लाल भांभू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस धार्मिक आयोजन ने स्थानीय समुदाय में आध्यात्मिक उत्साह का माहौल बनाया।

निशुल्क शल्य चिकित्सा शिविर में दस रोगियों की सर्जरी

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निसं.)। शहर के लायंस क्लब सरदारशहर डायमंड व भारत मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को निशुल्क शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 10 रोगियों की सर्जरी की गई और उन्हें सभी जांच निशुल्क उपलब्ध करवाई गई। डॉ जयपिटमेन और उनकी टीम ने शल्य चिकित्सा की। शिविर में एमजे एफ लायन अनिल कुमार गोयल, लायन महेंद्र निर्वाण, लायन सुशील भोजक, लायन डॉ अब्दुल गफ्फार, लायन आसकरण सोनी, लायन मुबारक तुगलक व डॉ रिजवाना खान ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग दिया।

विधायक के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने वैभव गहलोत का किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के ईच्छापूर्ण बालाजी मंदिर में विधायक अनिल शर्मा के नेतृत्व में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत का स्वागत किया गया। इस अवसर पर विधायक शर्मा ने साफा, शॉल व बालाजी की तस्वीर भैट कर स्वागत किया। पंडित घनश्याम बिडला ने बालाजी मंदिर में पूजा अर्चना करवाई। इस अवसर पर सेवादल के पूर्व जिला अध्यक्ष संजय दिक्षित, आशाराम सैनी, पायल सैनी, कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र राजवी, महावीर माली, नगर परिषद में प्रतिपक्ष उप नेता ओम प्रकाश नाई, किशोर सिंह राजपुरोहित, मनफूल फोजी, ऊमरदीन सैयद, हरलाल बैनीवाल, पार्षद लालबहादुर सेवदा, कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष रामलाल सारण, शिव भगवान सैनी, अंजनी भाट, ओमप्रकाश मेघवाल, सोनू सोनी, तेजपाल राणासर, रामलाल सालासर सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा बनाने वह आत्मा के कल्याण के लिए कल्याण सरोवर में सम्पन्न हुआ

जयपुर टाइम्स

देसूरी पाली(निसं.) ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा बनाने वह आत्मा के कल्याण के लिए कल्याण सरोवर में 1 जनवरी से 21 जनवरी तक जो तपस्या भट्ठी का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ,समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमें माउंट आबू से आदरणीय नंदा दीदी, आदरणीय डॉ हर्षालता दीदी, उपखण्ड अधिकारी विवेक ब्यास देसूरी और तहसीलदार हिरेंद्र सिंह ,घाणेराव सरपंच शेखर मेवाडा, संतोष मेवाडा, घाणेराव

पुलिस चौकी प्रभारी द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया उपखंड महोदय ने बताया कि ब्रह्माकुमारी संस्था आबूरोड द्वारा कल्याण सरोवर से घाणेराव में एक विश्व प्रसिद्ध शिवालय बनेगा यहां देश प्रदेशों से टूरिस्ट आयेंगे शिव बाबा का ध्यान योग कर आत्मा का कल्याण कर अपने को अनुभूति करेंगे और बताया कि ब्रह्मकुमारीज के कार्य को सराहनीय करते हुए बोले कि यह संस्था मानव कल्याण, पर्यावरण के लिए मनमोहक कार्य किया जा रहा है जो समाज और राष्ट्र का उधार और चरित्र निर्माण का कार्य कर रहे है माउंट आबू से नंदा दीदी ने बताया कि मनुष्य जीवन में तपस्या से ही देवी गुण आते है और तभी चरित्र निर्माण हो सकता है जीवन सुखमय होगा राजयोग अभ्यास से आत्मा का कल्याण, आंतरिक शांति का महसूस करेगा इस अवसर पर सुचिता बहन, कविता बहन, नमिता बहन, ऊषा बहन, योग गुरु बाबा मांगू नाथ महाराज देसूरी, भरत गेहलोत कोसेलाव सैकड़ों भाई बहन मौजूद रहे

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, गुरूवार
23 जनवरी, 2025

ज्यादती के प्रयास का आरोप

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय कोतवाली पुलिस थाने में एक विवाहिता ने मामला दर्ज करवाकर पुलिस को बताया है कि 21 जनवरी की शाम को करीब पांच बजे गुटिया नामक व्यक्ति, जो अपराधिक किस्म का व्यक्ति है, शराब पीकर मेरे कक्ष में जबरदस्ती घुस आया। मेरी ओर से विरोध करने पर ज्यादती का प्रयास करने लगा। पीड़िता का कहना है कि जब मैं भागने लगी, तो आरोपी ने पंच से मेरे मुंह पर वार किया, जिससे मेरे नाक पर खून आने लगा। जब मैं नीचे गिर गई, तो मेरे पेट पर लात मारी। जब मैं चिल्लाई तो मेरा पुत्र आया, जिस पर उस पर भी हमले की कोशिश की। तब मेरा पुत्र लकड़ी लेकर उसके पीछे भागा, जिस पर आरोपी भाग गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

साधारण सभा की बैठक कल

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। पंचायत समिति की साधारण सभा का आयोजन 24 जनवरी को पंचायत समिति में सुबह ग्यारह बजे किया जाएगा। रामानंद फलवाड़िया ने बताया कि बैठक में गत बैठक की पुष्टि के बाद प्रधान मनभरी देवी मेघवाल की अध्यक्षता में पंचायत समिति क्षेत्र की जन समस्याओं के बारे में विभागवार चर्चा की जाएगी।

रामलला की प्रथम वर्षगांठ पर धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। गढ़ परिसर स्थित रघुनाथ जी के मंदिर में अयोध्या में रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंदिर पुजारी नारायण पंडित ने बताया कि मंदिर परिसर में 12 घण्टे अखंड कीर्तन व प्रसाद वितरण किया गया और सांय को महा ज्योत आरती की गई। जिसमे सैकड़ो श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस मौके हुक्मीचंद सिंघी, बाबूलाल बेंगाणी, बिमल टेलर, शांतिलाल बेंगाणी सहित अनेक लोगों ने सहयोग किया।

सडक सुरक्षा व साइबर क्राइम से सावधान रहे

जयपुर टाइम्स

बिसाऊ(निस)। न्यू राजस्थान पब्लिक स्कूल बिसाऊ में सडक सुरक्षा सप्ताह में थानाधिकारी रामपाल मीणा ने विद्यालय में बच्चों को जानकारी दी। थानाधिकारी रामपाल मीणा ने बताया कि वर्तमान समय में इंटरनेट के माध्यम से सबसे ज्यादा क्राइम हो रहे है जैसे ऑनलाईन ठगी, लॉटरी, फाड फोन, मैसेज आदि के कारण आमजन जो जानकारी के अभाव में ठगे जाते है। उनको फॉड फोन, मैसेज, ऑनलाईन गेमिग आदि की जानकारी तुरन्त पुलिस को देनी चाहिए। जिससे साइबर क्राइम कम हो सके। दूसरा आजकल के युवा बाइक व कार आदि चलाते है। समय बिना सुरक्षा जैसे हेलमेट, शीट बेल्ट लगाकर नहीं चलाते है तो उनको विशेषतोर से हेलमेट व सीट बेल्ट का प्रयोग करना चाहिए। वाहन चलाते समय कभी डिंक करके वाहन न चलाए। जिससे दुर्घटना के शिकार न होना पडे। अनुशासन के बारे में बताया कि विद्यार्थी जीवन में हमें हमेशा अनुशासन का ध्यान रखना चाहिए। उन्होने बताया कि विद्यार्थी देश का भविष्य है। उन्हे अपने जीवनकाल में इन दुर्व्यसनो से बचना चाहिए। इस मौके पर संस्था निदेशक डॉ. प्रताप सिंह ने थानाधिकारी का माला, साफा पहनाकर व प्रतीक चिन्ह भेट किया। डॉ प्रताप सिंह ने मोबाइल के दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दी और मोबाईल का सही उपयोग के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

डॉ. शर्मा को मिला जल जीवन मिशन पर रिसर्च प्रोजेक्ट

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिले के निकटवर्ती गांव बूंटियां व हाल निवासी वन विहार कॉलोनी के इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पवन शर्मा को भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की ओर से जल जीवन मिशन पर शोध परियोजना के लिए 10.50 लाख रूपए का अनुदान दिया गया है। इस परियोजना के तहत केन्द्र सरकार की हर घर जल योजना को सुदृढ करने के लिए ऐसे जल स्रोतो का पता लगाना है। जिससे देश के चूरू जिला जैसे शुष्क व लद्?दाख जैसे मरुस्थलीय क्षेत्र में सतत परियोजना आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। रिसर्च प्रोजेक्ट में प्रोजेक्ट निदेशक डॉ. पवन शर्मा के साथ डॉ. आरपी सिंह, डॉ. हरनाम सिंह व नागल चौधरी आदि शामिल है।

राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम
कौशल भवन, जे-8-ए, झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर-302004 (राजस्थान)

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम अनुपयोगी/अप्रचलित सामग्री यथा कुर्सियां, कूलर व अन्य सामग्री जिसका पुस्तक मूल्य राशि रुपये 9,74,132/– (अक्षरे रूपये नौ लाख चौहतर हजार एक सौ बत्तीस) है जहाँ है जैसी स्थिति में है को दिनांक 12.02.2025 को मध्याहन 12 बजे से राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम परिसर में नीलामी आयोजित की जा रही है। नीलामी में राशि रूपये 19483/– प्रतिभूति/बयाना राशि जमा कराने वाले जी. एस. टी. में पंजीकृत बोलीदाता ही नीलामी में भाग ले सकेंगे। नीलामी की जा रही साम्रगी का निरीक्षण एवं नीलामी की शर्तो का मौके पर अवलोकन किया जा सकता है। किसी भी बोली को स्वीकार/अस्वीकार करने का अंतिम अधिकार नीलामी कमेठी का होगा।

राज.संवाद/सी/24/10663 — महाप्रबन्धक (प्रशासन)

रतनगढ़ नागरिक परिषद दिल्ली ने गणेशमल बैद स्कूल में किया कम्प्यूटर - प्रिंटर भेंट

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। रतनगढ़ नागरिक परिषद ट्रस्ट दिल्ली एन सी आर की ओर से शैक्षिक उन्नयन के लिए राजकीय विद्यालयों में किए जा रहे सहयोग के अंतर्गत मंगलवार को एम जी जी एस गणेशमल बैद स्कूल में कंप्यूटर और प्रिंटर का सैट भेंट किया। संस्था प्रधान अनिल कुमार ने बताया परिषद् के उपाध्यक्ष व विद्यालय भवन निर्माता भामाशाह डालमचंद बैद के मुख्य आतिथ्य व पूर्व पालिकाध्यक्ष संतोष कुमार इंदौरिया की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मोतीलाल तातेड, मनोज जोशी, कमल बैद, पवन सराफ, राजकुमार बैद, विष्णु चौधरी आदि विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचस्थ रहें। मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और गणेशमल बैद की मूर्ति पर माल्यार्पण से शुरू हुए कार्यक्रम में ट्रस्ट के स्थानीय समन्वयक कुलदीप व्यास ने ट्रस्ट के जनसेवी कार्यों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि बैद ने विद्यालय विकास के लिए हर संभव सहयोग करने और सर्दी से बचाव के लिए सभी बच्चों के लिए स्वेटर उपलब्ध करवाने की घोषणा की। अध्यक्षीय उद्बोधन में इंदौरिया ने विद्यालय के साथ अभिभावकों के जुड़ाव और संस्कारयुक्त शिक्षा पर बल दिया। विद्यालय परिवार की ओर से हिम्मतसिंह चारण ने शाब्दिक स्वागत किया और अनिल कुमार, नवीन कुमार, प्रीतम कौर, सुशीला आदि ने अतिथियों का माल्यार्पण व पुष्प गुच्छ भेंटकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य जगदीश शर्मा, बजरंग बोथरा, सुरेन्द्र श्यामसुखा, साबिर मंडेलिया, मोहम्मद खोखर, फारुख, शकील मंडेलिया, मदीना, हारून किलानिया आदि उपस्थित रहे।

आईटीआई में व्यवसायिक कौशल और प्रदर्शनी का उदघाटन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। कस्बे के निकटवर्ती मांडेता स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में बुधवार को व्यवसायिक कौशल और दक्षता प्रदर्शनी का उद्घाटन साहित्यकार डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा ने कहा कि युवाओं के लिए व्यवसायिक कौशल रोजगारोन्मुखी हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेनि अतिरिक्त विकास अधिकारी भंवरलाल बिजारणियां ने की। उन्होंने कहा कि सुजानगढ़ की आईटीआई प्रदेश की बेहतरीन आईटीआई में एक है जो यहां के प्रशिक्षणार्थियों और प्रशिक्षणप्रदाताओं के अथक श्रम का परिचायक हैं। आईटीआई के प्राचार्य ख्यालीराम सेवलिया ने बताया कि संस्थान में 22 से 24 जनवरी तक यह प्रदर्शनी आयोजित होगी। कार्यक्रम में अनुदेशक सांवरमल प्रजापत, नंदलाल स्वामी, आलोक पूनिया, हेम सिंह आदि ने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर दिनेशनाथ, अरविंद कुमार, पूर्णाराम मेघवाल, सुमित मोर्य, गोपाल सिंह, विकास सुथार, विनोद भार्गव, प्रतीक्षा यादव आदि ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित मॉडल्स के विषय में बताया। आगन्तुक अतिथियों का स्वागत हीरालाल सैनी, मनीष कुमार, रमजान अली, आकाश प्रजापत, मोहित खेरवाल, सुशीला आदि ने किया। संचालन दौलत सिंह ने किया। व्यवसायिक कौशल और दक्षता प्रदर्शनी में इलेक्ट्रीशियन, डीजल मैकेनिकल, फीटर, कोपा, वायरमेन, आर एंड एसीटी ट्रेड के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

महिला महाविद्यालय में कार्य सम्पन्न करवाने के प्रस्ताव पारित

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर के राजकीय महिला महाविद्यालय में बुधवार को कॉलेज प्राचार्य डॉ. केशर देव की अध्यक्षता में महाविद्यालय विकास समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उपस्थित विकास समिति के सदस्यों की ओर से महाविद्यालय विकास के लिए आवश्यक कक्षाकक्ष, प्रयोगशाला, चार दिवारी, कुण्ड के निर्माण से संबंधित प्रस्तावों पर व्यापक चर्चा कर जनप्रतिनिधियों व भामाशाओं के सहयोग से उक्त कार्य सम्पन्न करवाने के प्रस्ताव पारित किए गए। इसके अलावा समिति के सदस्यों की ओर से पार्किंग स्टैण्ड, इन्टरलॉक, टॉयलेट, फर्नीचर तथा पुस्तकों की आवश्यकता पर चर्चा कर इन्हे भामाशाह के सहयोग से पूर्ण करने का सुझाव रखा गया। बैठक में यासिन हिसारिया, अमरसिंह चारण, रणवीर यादव, हसंराज परिहार, पालाराम जिंदल, अरूण घेतरवाल, कृष्ण कुल्हार, डॉ. सुभाषचन्द्र बोला, डॉ. मोहनलाल आदि उपस्थित रहे।

मानटाउन थाना पुलिस की कार्रवाई, सूने घर में चोरी करने के आरोपी को किया गिरफ्तार, दो मुलजिम गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.) मानटाउन थाना पुलिस ने सूने घर में चोरी करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। मानटाउन थानाधिकारी सुनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि गौरव कुमार गुप्ता पुत्र ओमप्रकाश गुप्ता निवासी 46, गणेश नगर-बी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें गौरव ने बताया कि मकर संक्रांति के दिन उसके सूने मकान से चोरी की गई। अज्ञात चोर मकान से 70 हजार की नकदी सोने की चैन, सोने की अंगुठी, सोने का पेंडल, सोने का मंगलसूत्र, सोने की झुमकी चुराकर ले गए थे। पुलिस ने आरोपी के साथ चोरी के आभूषण खरीदने वाले आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी अतुल शर्मा पुत्र लाखन शर्मा निवासी सोईकलां जिला श्योपुर मध्यप्रदेश व चोरी का माल खरीदने वाले मणपुरम फाइनेंस बैंक बजरिया के कर्मचारी रोहित मेघवाल पुत्र भैरु लाल को भी गिरफ्तार किया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए उच्चाधिकारियों ने घटना के शीघ्र खुलासा करने के लिए निर्देशित किया गया। घटना के 7 दिन के अन्दर पुलिस थाना मानटाउन की टीम ने इंटेलीजेंस व टेक्निकल एवीडेंस की मदद से घटना का खुलासा किया है। पुलिस ने मकान से चोरी करने वाले आरोपी अतुल शर्मा व चोरी का माल खरीदने वाले मणपुरम फाइनेंस बैंक बजरिया के कर्मचारी रोहित मेघवाल को गिरफ्तार किया है।

घर के मालिक को बंधक बना करीब 30 लाख कैश और जेवर की लूट

जयपुर टाइम्स

डीडवाना(निसं.)। डीडवाना जिले में चोर और लुटेरों के आंतक रुक नहीं रहे हैं. आए दिन चोर सूने मकानों को निशाना बनाकर चोरी को अंजाम दे रहे हैं. सूने मकानों में चोरी के अलावा लुटेरे चाकू की नोक पर लोगों को बंधक बनाकर लूट की वारदातों को अंजाम देने लगे हैं. अब एक मामला नावां शहर से आया है, जहां एक घर में लूट के इरादे से घुसे नकाबपोश लुटेरों ने घर के मालिक को बंधक बनाकर मारपीट की. इसके बाद लगभग 30 लाख रुपए की नकदी और सोने चांदी के जेवरात लूट ले गए. जब घर के नौकर ने विरोध जताया तो बदमाशों ने उस पर चाकू से हमला कर लहूलुहान कर दिया. पुलिस बदमाशों की तलाश में सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है. पुलिस ने दो संदिग्धों को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है. लूट की यह घटना नावां शहर के मुख्य बाजार स्थित रघुनाथ मंदिर के पास की है. कल रात को करीब 10 बजे कमल कुमार के घर में नकाबपोश बदमाश घुस गए और उन्होंने चाकू की नोक पर मकान मालिक कमल कुमार से मारपीट कर बंधक बना लिया. इस दौरान घर में काम करने वाले युवक मुबारक अली ने जब विरोध किया तो बदमाशों ने उस पर भी चाकू से हमला कर लहूलुहान कर दिया. मुबारक अली ने नकाबपोश लुटेरों से काफी देर तक संघर्ष किया.

जमीन में दबा मिला शव, 5 जिलों से मंगवाई गुमशुदगी-रिपोर्ट

दौसा

दौसा के नांगल राजावतान थाना क्षेत्र में छारेड़ा में पपलाज माता रोड़ के पास अज्ञात व्यक्ति का शव जमीन में गड़े मिलने के मामले में पुलिस ने पहचान के प्रयास तेज कर दिए हैं। इसके लिए पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है, जहां बुधवार को लालसोट के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश अग्रवाल, डिप्टी एसपी चारुल गुप्ता, थाना इंचार्ज हुसैन अली और एमओबी टीम ने मॉर्च्युरी पहुंचकर डेडबॉडी का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। थाना इंचार्ज हुसैन अली ने बताया कि मृतक शख्स की उम्र करीब 40 साल है, शव करीब एक सप्ताह पुराना प्रतीत होता है। डेडबॉडी बुरी तरह डैमेज हो चुकी है, जिसके चेहरे पर सिर्फ जबड़ा ही सेफ बचा है। एक हाथ की अंगुलियों को जानवर खा गए। मृतक ने नीला पेंट और सफेद शर्ट पहनी हुई है। ऐसे में शव की पहचान नहीं होने से फिलहाल पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई नहीं हुई है। एएसपी दिनेश अग्रवाल ने बताया- मृतक की पहचान के लिए हुलिया व कपड़ों की पहचान आसपास के थानों में भेजी गई है। दौसा जिले समेत जयपुर, सवाईमाधोपुर, करौली, भरतपुर व अलवर जिलों के थानों में पिछले दिनों में दर्ज हुई गुमशुदगी मंगवाई गई हैं। जिनसे मृतक की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही अन्य तकनीकी संसाधनों के जरिए भी प्रयास जारी हैं।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर 30 फीट नीचे गिरी कार

लालसोट

ड्राइवर को नींद की झपकी आने पर एक इनोवा कार बेकाबू होकर एक्सप्रेस वे से नीचे आ गिरी। हादसे में 3 लोगों को मामूली चोट आई है। घटना के समय कार में तीन बच्चों समेत 9 लोग सवार थे। मामला दौसा जिले के रामगढ़ पचवारा थाना क्षेत्र का है। थाना प्रभारी रामशरण गुर्जर ने बताया-घटना सुबह 6 बजे की है। पुलिस ने बताया-एक इनोवा कार दिल्ली से मुंबई की ओर जा रही थी। सुबह 6 बजे ड्राइवर को नींद की झपकी आने से अमराबाद रेस्ट एरिया के पास चैनल नंबर 218 के पास कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराने के बाद हाईवे के दूसरी साइड जाकर एक्सप्रेस वे से 30 फीट नीचे गिर गई।

शिवाजी सेवा संस्थान में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम आयोजित

जयपुर टाइम्स

रतनगढ(निस)। अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का वार्षिकोत्सव कार्यक्रम राधा सखी कोमल किशोरी जी के तत्वाधान में भव्य रूप से मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत श्री ताल वाले बालाजी मंदिर से मुख्य बाजारों से होते हुए शोभायात्रा शिवाजी सेवा संस्थान पहुंची। बाद में वहां भव्य राम दरबार आरती, राज तिकोलोत्सव, कन्याओं की ओर से नृत्य प्रस्तुति सहित कई कार्यक्रम हुए। कार्यक्रम में मुख्य यजमान राजकुमार मुरारका व सुशील गोड ने आरती व तिलकार्जन किया। कार्यक्रम में कथावाचक कोमल किशोरी जी ने भगवान राम के बारे में विस्तार पूर्वक बताया और भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवा ने भगवान राम की तरह मर्यादित रहकर जीवन यापन करने के बारे में बताया। कार्यक्रम में गिरधारी सिंघानिया, सीताराम मुरारका, आदित्य मुरारका, मनोज सराफ, राधेश्याम पाण्डुसरिया, शान्ति लाल पोदार, दीपक मुरारका, सुभम सांगानेरिया, रामजी सरकार, अरविंद इन्दोरिया, लालचंद प्रजापत, कैलाश चारण, बजरंग माली, सुरेश मुरारका, भवरलाल मुरारका, संकर कममा, अनूप पीपलवा, प्रकाश पारीक, रमेश पारीक, ओमप्रकाश जांगिड़, हनुमान बारवाल, सजन बाटड सहित सैंकड़ो श्रद्धालु उपस्थित रहे।

दिव्य ज्योति यात्रा के दौरान श्रीराम मन्दिर में बही भजनों की स्वर लहरियां

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। श्री ढ़ांढ़ंण शक्ति भक्त मंडल चूरू की ओर से टीडा गेला दादी के अखिल भारतीय रजत जयंती बसंतोत्सव के तहत निकाली गई 47 दिवसीय रथ यात्रा के 41वें ठहराव के दौरान मंगलवार रात्री को श्रीराम मन्दिर में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारम्भ दादी की दिव्य ज्योत प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम का आगाज कोलकाता के मूलचन्द बजाज ने गणेश वंदना से किया। इस अवसर पर अकोला की नेतल शर्मा ने दादी आओ तो सही थारा टाबरियां बुलावै......सहित अनेक भजनों की प्रस्तुति प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। वहीं कोलकाता के मोनू मोर ने दादी म्हारे घरां पधारो कदसै तरसै मनडो म्हारों...., म्हारे थारो एक सहारो....सहित एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जन से खूब वाहवाही लूटी। इस अवसर पर दादी के भव्य दरबार को सजाया गया। कार्यक्रम में आगंतुक अतिथियों व कलाकारों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में पुष्प वर्षा कर कलाकारों का उत्साह वर्धन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित महिला पुरुषों ने कार्यक्रम का जमकर आनंद लिया।

सड़क सुरक्षा माहः निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिले में 'परवाह' थीम आधारित चल रहे सड़क सुरक्षा माह-2025 अंतर्गत बुधवार को पुलिस विभाग व परिवहन विभाग की ओर से राजेन्द्र प्रसाद सारण, ढाणी डिपो के सौजन्य से डॉ गिरधर जयपाल आंखों के अस्पताल, सरदारशहर में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में टैक्सी, बस व ट्रक ड्राइवरों की आंखो की जांच की गई। इस मौके पर थानाधिकारी मदनलाल, परिवहन निरीक्षक मनोज स्वामी, राजेन्द्र सारण, डॉ गिरधर जयपाल, कनिष्ठ सहायक छगनलाल, सूचना सहायक रवि सहित अन्य उपस्थित रहे।

सीवरेज घरेलु कनेक्शन के रखरखाव की दी जानकारी

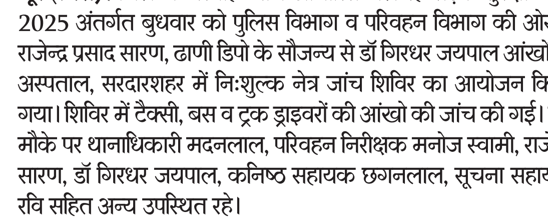

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। शहर अधिशाषी अभियन्ता आर डी गर्ग के निर्देशन में रतनगढ़ के वार्ड 25 में ज्योति पाठशाला की आंगनबाडी केन्द्र में महिला समूह बैठक आयोजित की गई। जन सहभागिता इकाई के प्रवीण सिंह राठौड ने सीवरेज परियोजना व जल निकासी परियोजना के लाभ बताते हुए सीवरेज के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि स्नानघर व रसोई में जाली जरूर लगाए व प्लासस्टिक की थैलिया नाली में न डाले। एल एन्ड टी कम्पनी से काजल सांखला व कविता स्वामी ने स्वय साहयता समूह के बारे में महिलाओं से चर्चा करते हुए समूह के बारे मे विस्तार से जानकारी दी गई। आंगनबाडी कार्यकर्ता ममता व साहयिका हेमलता ने आंगनबाडी के कार्य के बारे में बताया। बैठक में बताया कि कोई भी सरकारी परियोजना हो उसकी जानकारी प्राप्त कर लाभ जरूर ले।

राजस्थान जयपुर टाइम्स

जयपुर, गुरुवार
23 जनवरी, 2025

स्कूल के प्रवेश द्वार का शिलापट्ट तोड़ा, ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। उपखंड में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। बिल्यूबास रामपुरा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रवेश द्वार पर लगे शिलापट्ट को कुछ अज्ञात लोगों ने पत्थरों से तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही गांव के सरपंच शिशपाल सिहाग ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचे और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। सरपंच शिशपाल सिहाग ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए भानीपुरा पुलिस थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। थाना अधिकारी रायसिंह सुथार ने बताया कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और जल्द ही दोषियों को पकड़ने का प्रयास किया जाएगा। विरोध प्रदर्शन में मालाराम नायक, भगतुराम चांदेल, मंगतुराम, कालूराम चोपड़ा, दलीप चोपड़ा, रामकुमार, रविंद्र सिंह, महेंद्र स्वामी, रामस्वरूप पूनियां और सुभाष सहित कई ग्रामीण शामिल हुए। ग्रामीणों ने इस घटना को सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का गंभीर मामला बताते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

सैनी माली समाज के नए भवन का लोकार्पण

वैभव गहलोत ने किया महात्मा ज्योतिबा फुले भवन का उदघाटन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के ताल मैदान के पास सैनी माली समाज के नवनिर्मित महात्मा ज्योतिबा फुले भवन का लोकार्पण बुधवार को एक भव्य समारोह के रूप में संपन्न हुआ। पूर्व राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन अध्यक्ष वैभव गहलोत ने भवन का लोकार्पण और महात्मा ज्योतिबा फुले की मूर्ति का अनावरण किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई। जिसके बाद अलवर से आईं रेणुका तिजारा ने महात्मा फूले पर कविता प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि वैभव गहलोत ने अपने संबोधन में कहा कि समाज को प्रगति के लिए शिक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। उन्होंने बताया कि यह भवन न केवल समाज बल्कि 36 बिरादरी के लोगों के लिए उपयोगी साबित होगा। गहलोत ने यह भी बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत स्वास्थ्य कारणों से कार्यक्रम में नहीं आ पाए लेकिन सरदारशहर से उनका विशेष लगाव है। कार्यक्रम में नगर परिषद चूरू की सभापति पायल सैनी, माली सैनी समाज के अध्यक्ष शिव भगवान सैनी, महात्मा ज्योतिबा फुले संस्थान जयपुर के अध्यक्ष अनुभव चंदेल सहित कई व्यक्ति उपस्थित रहे। समाज के पदाधिकारियों ने वैभव गहलोत और अन्य अतिथियों का साफा, माला और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन जयंत परिहार और राजकुमारी चौहान ने किया।

घर के मालिक को बंधक बना करीब 30 लाख कैश और जेवर की लूट

जयपुर टाइम्स

डीडवाना(निसं) जिले में चोर और लुटेरों के आंतक रुक नहीं रहे हैं. आए दिन चोर सूने मकानों को निशाना बनाकर चोरी को अंजाम दे रहे हैं. सूने मकानों में चोरी के अलावा लुटेरे चाकू की नोक पर लोगों को बंधक बनाकर लूट की वारदातों को अंजाम देने लगे हैं. अब एक मामला नावां शहर से आया है, जहां एक घर में लूट के इरादे से घुसे नकाबपोश लुटेरों ने घर के मालिक को बंधक बनाकर

मारपीट की. इसके बाद लगभग 30 लाख रुपए की नकदी और सोने चांदी के जेवरात लूट ले गए. जब घर के नौकर ने विरोध जताया तो बदमाशों ने उस पर चाकू से हमला कर लहूलुहान कर दिया. पुलिस बदमाशों की तलाश में सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है. पुलिस ने दो संदिग्धों को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है. लूट की यह घटना नावां शहर के मुख्य बाजार स्थित रघुनाथ मंदिर के पास की है. कल रात को करीब 10 बजे कमल कुमार के घर में नकाबपोश बदमाश घुस गए और उन्होंने चाकू की नोक पर मकान मालिक कमल कुमार से मारपीट कर बंधक बना लिया. इस दौरान घर में काम करने वाले युवक मुबारक अली ने जब विरोध किया तो बदमाशों ने उस पर भी चाकू से हमला कर लहूलुहान कर दिया. मुबारक अली ने नकाबपोश लुटेरों से काफी देर तक संघर्ष किया. चाकू के हमले से उसके शरीर से काफी खून बह गया. लुटेरों ने मारपीट कर आलमारी की चाबी लेकर उसमें रखे सोने- चांदी के जेवरात व लाखों रुपयों लूट लिए. जानकारी के मुताबिक, करीब 25 से 30 लाख रुपये की नगदी व जेवरात की लूट हुई है. बाद में उन दोनों को बंधक बनाकर घर मे रखे जेवरात व नगदी लेकर फरार हो गए. सूचना पर पुलिस उप अधीक्षक अरविंद विश्नोई पुलिस बल सहित मौके पर पहुंचे ओर घटना की जानकारी ली. साथ ही घायल युवक को नावा उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया. पुलिस ने दो संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है.

महिला सशक्तीकरण के हर प्रयास में सक्रिय भागीदारी हो: सहारण

वाहन रैली से दिया महिला सशक्तीकरण का संदेश

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। विधायक हरलाल सहारण व एडीएम अर्पिता सोनी ने बुधवार को जिला मुख्यालय पर इंद्रमणी पार्क से महिला अधिकारिता विभाग की ओर'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजना के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में व राजस्थान मरू उड़ान कार्यक्रम के तहत आयोजित महिलाओं की वाहन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर सहारण ने कहा कि महिला सशक्तीकरण के लिए किए जाने वाले हर प्रयास में हमारी सक्रिय भागीदारी हो। महिला सशक्तीकरण बालिका शिक्षा के माध्यम से ही संभव है। हम अपने समाज के उत्थान के लिए संकल्पित रहें और बालिका शिक्षा की दिशा में अपना योग दें। बालिकाओं की शिक्षा व संरक्षण के साथ उन्नत जीवन स्तर के लिए विभिन्न कार्यक्रमों में हम अपनी भूमिका निभाएं। एडीएम अर्पिता सोनी ने कहा कि सभी के संकल्पित प्रयासों से ही एक सक्षम समाज का निर्माण संभव है। बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हम सभी मिलकर प्रयास करें। शिक्षा से वंचित बालिकाओं को जोड़ें और किन्हीं कारणों से शिक्षा से देर हो जाने वाली बालिकाओं को हम सक्रिय प्रयास करते हुए पुन: शिक्षा की ओर बढ़ाएं। शिक्षा सक्षम समाज की नींव है। वाहन रैली इन्द्रमणी पार्क से रवाना होकर लोहिया महाविद्यालय, बस स्टैण्ड, डॉ अंबेडकर सर्किल होते हुए महिला पुलिस थाने पहुंची। संरक्षण अधिकारी जयप्रकाश ने बताया कि महिला व बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में 'बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ' योजना के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में और राजस्थान मरू उड़ान कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान सुपरवाईजर कृष्णा, सुनिल ढाका, जेंडर विशेषज्ञ ज्ञानप्रकाश गोदारा, पुलिस विभाग की कालिका टीम, सखी केन्द्र टीम सहित महिलाएं व बालिकाएं उपस्थित रहीं। बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ' योजना के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में व राजस्थान मरू उड़ान कार्यक्रम के तहत आयोजित महिलाओं की वाहन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर सहारण ने कहा कि महिला सशक्तीकरण के लिए किए जाने वाले हर प्रयास में हमारी सक्रिय भागीदारी हो। महिला सशक्तीकरण बालिका शिक्षा के माध्यम से ही संभव है। हम अपने समाज के उत्थान के लिए संकल्पित रहें और बालिका शिक्षा की दिशा में अपना योग दें। बालिकाओं की शिक्षा व संरक्षण के साथ उन्नत जीवन स्तर के लिए विभिन्न कार्यक्रमों में हम अपनी भूमिका निभाएं। एडीएम अर्पिता सोनी ने कहा कि सभी के संकल्पित प्रयासों से ही एक सक्षम समाज का निर्माण संभव है। बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हम सभी मिलकर प्रयास करें। शिक्षा से वंचित बालिकाओं को जोड़ें और किन्हीं कारणों से शिक्षा से देर हो जाने वाली बालिकाओं को हम सक्रिय प्रयास करते हुए पुन: शिक्षा की ओर बढ़ाएं। शिक्षा सक्षम समाज की नींव है। वाहन रैली इन्द्रमणी पार्क से रवाना होकर लोहिया महाविद्यालय, बस स्टैण्ड, डॉ अंबेडकर सर्किल होते हुए महिला पुलिस थाने पहुंची। संरक्षण अधिकारी जयप्रकाश ने बताया कि महिला व बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में 'बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ' योजना के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में व राजस्थान मरू उड़ान कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान सुपरवाईजर कृष्णा, सुनिल ढाका, जेंडर विशेषज्ञ ज्ञानप्रकाश गोदारा, पुलिस विभाग की कालिका टीम, सखी केन्द्र टीम सहित महिलाएं व बालिकाएं उपस्थित रहीं

कैसे पढ़े नौनिहाल, न कमरे और न पर्याप्त हॉल

खुले आसमान तले पढ़ने को विवश है मासूम

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। तहसील के गांव सड़ू छोटी में एक राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में कमरों की कमी होने के कारण नन्हे विद्यार्थी खुले आसमान के नीचे शिक्षा ग्रहण करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि निमला धोरा में 8वीं तक स्कूल है जिसमे अब 130 के करीब बच्चे पढ़ाई करते है, स्कूल में सिर्फ दो ही कमरे है। जिसके कारण बच्चों को पढ़ने में बाधा उत्पन्न होती है। स्कूल में पहले 250 से 300 के करीब बच्चे पढ़ते थे यहां कमरों की कमी के कारण काफी बच्चे निजी स्कूलों में जाने लग गए, और इस स्कूल के नामांकन में गिरावट आ रही है। उन्होंने कहा कि इस बारे में स्थानीय विधायक और प्रधान को अनेक बार अवगत कराया गया मगर कोई समाधान नहीं हुआ है। ग्रामीणों ने कहा कि स्कूल में फिलहाल दो ही कमरे है सर्दी-गर्मी और बरसात के मौसम में बच्चों को बड़ी असुविधा होती है। आरएलपी के विधानसभा संयोजक हनुमान ढाका ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि इस स्कूल में ढाणियों के चार सौ बच्चे पढ़ने आते हैं और यहां आसपास में कोई दूसरा सरकारी स्कूल भी नही है। स्कूल में लंबे समय से कमरों की कमी है, मीडिया के माध्यम से शांतिपूर्वक मांग की जा रही है। जल्द समाधान नहीं होने पर मजबूरन आंदोलन किया जाएगा। स्कूल के शिक्षक ने कहा कि आठवीं कक्षा तक स्कूल है, एक साथ दो कमरों में इतने बच्चों को बैठाना संभव नहीं है। इसलिए हमे मजबूरन कई क्लास बाहर खुले में लगानी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि विभाग को इस और जल्द संज्ञान लेकर कमरों की व्यवस्था करवानी चाहिए जिससे बच्चों को शिक्षा हासिल करने में कोई समस्या नहीं हो।

हर्षोल्लास से मनाया जाएगा गणतंत्र दिवस, तैयारियों को लेकर दिए एडीएम ने दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिले में गणतंत्र दिवस पूरे हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार एडीएम अर्पिता सोनी ने बुधवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में जिला मुख्यालय पर होने वाले जिला स्तरीय समारोह के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एडीएम सोनी ने कहा कि समारोह से जुड़े सभी आयोजन प्रभावशाली, गरिमापूर्ण एवं समयबद्ध ढंग से संपादित किए जाएं। सभी अधिकारी- कर्मचारी सौंपे गए दायित्वों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करें और रूचि लेकर काम करें। समयबद्ध ढंग से सभी तैयारियां सुनिश्चित हों ताकि ऐनवक्त पर किसी भी प्रकार कि असुविधा न रहे। उन्होंने कहा कि महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों सहित दिव्यांगों के बैठने की उचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने समारोह के लिए बैठक व्यवस्था, ध्वजारोहण, पेयजल, बिजली व सफाई व्यवस्था, आपातकालीन सेवाएं, सुरक्षा व्यवस्था, आमंत्रण, आवागमन सहित समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि गणतंत्र दिवस को सवेरे 9.05 बजे पुलिस लाइन मैदान चूरू में मुख्य अतिथि की ओर से ध्वजारोहण कर परेड का निरीक्षण किया जाएगा। मार्चपास्ट व बैंड वादन, सामूहिक व्यायाम प्रदर्शन के बाद महामहिम राज्यपाल का सन्देश पठन किया जाएगा। इसके बाद शहीद वीरांगनाओं, स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान किया जाएगा और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति- पत्र भेंट किए जाएंगे। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान चूरू एसडीएम बिजेन्द्र सिंह, तहसीलदार अशोक गोरा, एसीईओ ढाका, सीडीईओ गोविंद सिंह राठौड़, डीएसओ सुरेन्द्र महला, डीओआईटी एसीपी नरेश टुहानिया, आईसीडीएस उपनिदेशक डॉ नरेन्द्र शेखावत, एसीएमएचओ डॉ अहसान गौरी, केन्द्रीय विद्यालय प्राचार्य कृष्ण सिंह चौहान, उद्योग सहायक आयुक्त उजाला, उद्यान उपनिदेशक डॉ धर्मवीर डूडी, चूरू नगरपरिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह, जिला खेल अधिकारी सीताराम प्रजापत, रामूराम बुंदेला, सीबीईओ ओमदत्त सहारण, स्काउट सचिव ओमप्रकाश, डिस्कॉम से एनके पारीक, रेंजर दीपचंद यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों में कचरा प्रबंधन व स्वच्छता के लिए विशेष प्रयास करते हुए प्रोडक्टिव एसेट बनाएं: सुराणा

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने योजनाओं व गतिविधियों के संबंध में दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने मंगलवार को वीसी के जरिए ग्रामीण विकास व पंचायतीराज विभाग की योजनाओं व गतिविधियों की समीक्षा करते हुए सभी विकास अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए। सुराणा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जल भराव के स्थान चिन्हित करते हुए आगामी वर्षाकाल से पूर्व प्रभावी कार्य योजना तैयार की जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में कचरा प्रबंधन व स्वच्छता के लिए विशेष व व्यक्तिगत रूचि से प्रयास करते हुए प्रोडक्टिव एसेट बनाएं। उन्होंने कहा कि महानरेगा योजनान्तर्गत जिन ग्राम पंचायतों में वित्तीय वर्ष 2024-25 में कोई भी कार्य स्वीकृत नहीं करवाए गए हैं, उन ग्राम पंचायतों के प्रस्ताव अतिशीघ्र तैयार कर स्वीकृत करवाने के लिए भिजवाए जाएं। इसी के साथ केन्द्रीय वित्त आयोग व राज्य वित्त आयोग के स्वीकृत कार्य को अतिशीघ्र पूर्ण करवाया जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना में नए लाभार्थीयों को चिन्हित करने के लिए ऑनलाइन चल रहे सर्वे में ग्राम पंचायत स्तर पर अपेक्षित प्रगति प्राप्त करने के निर्देश दिए। सीईओ श्वेता कोचर ने रूपरेखा प्रस्तुत की। इस दौरान एसीईओ दुर्गा ढाका, एसबीएम जिला समन्वयक श्यामलाल शर्मा, एक्सईएन मानसिंह, एक्सईएन हरिराम माहिच, राजवीर दनेवा, एएसओ विक्रम गुर्जर, अमित सहित वीसी के जरिए सभी विकास अधिकारी जुड़े रहे।

जीव जन्तु कल्याण दिवस 02 फरवरी को

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिले में 02 फरवरी को बसंत पंचमी के अवसर पर जीव जन्तु कल्याण दिवस मनाया जाएगा। पशुपालन संयुक्त निदेशक डॉ ओमप्रकाश ने बताया कि जिले में 31 जनवरी तक पशु कल्याण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। भारतीय जीव जन्तु कल्याण बोर्ड के निर्देशानुसार पशु कल्याण पखवाड़े के साथ-साथ 2 फरवरी को बसंत पंचमी के दिन जीव जन्तु कल्याण दिवस का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य जीव जन्तु कल्याण बोर्ड, राजस्थान, जयपुर की ओर से जारी आदेशानुसार कार्यक्रम में हितधारकों, समुदायों, संगठनों को शामिल करके इस अभियान को बढ़ावा देने में सहयोग का आग्रह किया गया है, ताकि लोगों को जीव जन्तुओं के कल्याण के लिए कार्य करने व दयालुता की संस्कृति को बढ़ावा देने की प्रेरणा मिल सके। उन्होंने बताया कि इस पखवाड़े के दौरान आयोजित की जा सकने वाली जागरूकता अभियान, निराश्रित पशुओं को गोद लेने, पशु चिकित्सा शिविर, छात्रों को अभियान से जोड़ने, जानवरों के लिए स्वच्छता अवनाने का अभियान चलाने, पशुधन कल्याण के लिए किसानों को शिक्षित करने, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने, सोशल मीडिया अभियान चलाने, निराश्रित जानवरों को भोजन व आश्रय उपलब्ध करवाने व पशुधन कल्याण नीतियों में सुधार के लिए चर्चाएं आयोजित करने सहित गतिविधियों के लिए निर्देश दिए गए हैं

विधवा के घर को बनाया निशाना

दिनदहाड़े सूने मकान में चोरी, महिलाओं ने दिखाई हिम्मत, एक चोर को दबोचा, दो भाग छूटे

जयपुर टाइम्स

सांभरलेक(निसं.)। कस्बे के समीप कोच्या की ढाणी में बुधवार दोपहर को दिन दहाड़े एक सूने मकान के ताले तोड़कर चोर लाखों रुपए के जेवरात और नकदी ले गए। वही महिलाओं ने हिम्मत दिखाते हुए एक चोर को भागते हुए पकड़ लिया लेकिन दो चोर मौके का फायदा उठाकर भागने में कामयाब हो गए। सूचना मिलते ही सांभरलेक थाना अधिकारी राजेंद्र सिंह यादव मय जाब्ते के मौके पहुंचे और घटना स्थल का मौका मुआयना किया। वहीं मौके पर सैंकड़ों ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने पकड़े गए चोर को पुलिस के हवाले किया। जिस घर में चोरी की वारदात हुई है वह गीता देवी गुर्जर का है जो विधवा है और मजदूरी कर बच्चों का जीवन यापन करती है। जिस समय चोरों ने वारदात को अंजाम दिया उस समय घर पर कोई नहीं था। पीड़िता गीता देवी गुर्जर मजदूरी करने सांभर साल्ट के झपोक स्थित क्यार में गई हुई थीं। दो बच्चियां बशकर और नेहराज पास ही स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने गई हुई थीं। यह तो गनीमत रही कि चोर जिस समय ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे थे उस समय दोनों बच्ची स्कूल से घर आईं और घर में दो युवकों को देखा तो रोने लग गई। इस दौरान गांव के ही हेमराज गुर्जर और उसकी पत्नी मदनी गुर्जर बाइक से खेत में जा रहे थे। बच्चियों को रोते देखकर माजरा समझ तुरन्त हेमराज ने नेहराज को बाइक पर बिठाकर बाइक से भागे दो चोरों का पीछा किया। रिंणगी से थोड़ा आगे जाने पर चोरों ने पीछा किए जाने पर एक कोट सड़क पर फेंक दिया और भाग निकले। वही एक चोर घटना स्थल के पीछे एक खेत की तरफ भाग गया तो मदनी गुर्जर, धापू देवी और संतोष गुर्जर ने इसका पीछा किया और खेत में भागते हुए को पकड़ लिया। चोर ने छुड़ाने की खूब कोशिश की मगर तीनों महिलाओं ने हिम्मत दिखाते हुए चोर को कसकर पकड़ लिया। इसी दौरान शाकम्भरी माता रोड पर चलते बाइक सवार और कुछ स्थानीय ग्रामीण मौके पर आ गए और चोर की धुनाई कर दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। वही बरडोती सरपंच मूलचंद गुर्जर, कालूराम सराधना, जयप्रकाश कोली, हनुमान तंवर, जयप्रकाश डोई सहित कई मौके पर पहुंचे। वही सांभरलेक पुलिस उप अधीक्षक अनुपम मिश्रा ने भी घटना स्थल का जायजा लिया।

यह सामान हुआ चोरी

पीड़िता गीता देवी गुर्जर के जेठ देवकरण गुर्जर ने दर्ज कराई रिपोर्ट में लिखा है कि चोर दो मकानों के गेट और ताले तोड़कर उसमें रखे 50,000 नकद, 2 जोड़ी कांगने चांदी के, दो जोड़ी कड़े चांदी के, 2 अंगूठी चांदी की, 1 ताबीज चांदी की, 1 ताबीज सोने की, 2 छोटी पायजेब चांदी की,1 चांदी का सिक्का, 1 भेरूजी की पातडी, 2 जोड़ी लोग सोने की सहित चांदी का छिटपुट सामान ले गए।

बाइक से आए थे तीनों चोर

प्रत्यक्षदर्शी बच्चियों के मुताबिक दो चोर मकान के अंदर घुसे और ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। वही एक आरोपी बाइक लेकर सड़क पर घटना स्थल से थोड़ी आगे जाकर खड़ा हो गया। जब बच्चियों ने देखने के बाद शोरगुल किया तो दोनो चोर भाग निकले। एक चोर तो घटना स्थल पश्चिम दिशा मे बाइक पर बैठे आरोपी की तरफ भागा और भागने में कामयाब हो गया। दूसरा चोर मकान के पीछे कंटीली झाड़ियों से से कूदकर खेत की तरफ भागा जिसको महिलाओ ने दबोच लिया।

मेहंदी कलर के कोट पहने हुए थे आरोपियों ने

प्रत्यक्षदर्शी बच्चियों ने बताया कि तीनों चोर मेंहदी कलर के कोट पहने हुए थे। इस दौरान एक चोर ने खेत में कोट फेंक दिया तो बाइक से भागे दो चोरों ने ग्रामीणों की ओर से पीछा करने पर शाकम्भरी गौशाला कोरसिना के पास एक कोट फेंक गए। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर पकड़े गए आरोपी से पूछताछ शुरु कर दी है।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।